माधुरी दीक्षित की 'चंद्रमुखी' वाली अदाएं देख थम गई बिग बी की सांसें, भर-भरकर की 'धक-धक गर्ल' की तारीफें

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 33
न्यूनतम - 23

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 278 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर बुधवार 07 अक्टूबर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 25 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

27 के लिए 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया, पहली तिमाही के मजबूत आंकड़ों का फायदा मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले अप्रैल में वर्ल्ड बैंक ने एफबाय 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 6.6 प्रतिशत बताया था। मंगलवार, 6 सितंबर को जारी लेटेस्ट रिपोर्ट 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' में वर्ल्ड बैंक ने यह बात कही है।

ग्लोबल ट्रेड और दुनिया में तनाव के बावजूद भारत की इकोनॉमी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 प्रतिशत रही थी।

ओमान तट के पास कमर्शियल जहाज पर हमला

11 भारतीय चालक दल के सदस्य घायल, विदेश मंत्रालय ने की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान के तट के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे एक कमर्शियल जहाज पर हमला हुआ है। पनामा के झंडे वाले जहाज एमटी आन पेस पर हुए इस हमले में 11 भारतीय क्रू सदस्य घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने घटना की जानकारी देते हुए हमले की कड़ी निंदा की है। यहां जहाजों की आवाजाही पर पहले भी सुरक्षा संबंधी चिंताएं सामने आती रही हैं। हमले में जहाज पर सवार 11 भारतीय चालक दल के सदस्य घायल हुए हैं।

इंडिया गठबंधन के विरोध मार्च में पहली बार दिखी बीजेपी की 'न्यूट्रल सहयोगी'

कांग्रेस ने कहा- 'भारतीय झूठ पार्टी' की उल्टी गिनती शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों के सांसदों ने मंगलवार को विरोध मार्च निकाला। जिसमें पहली बार बीजेपी की 'न्यूट्रल सहयोगी' मानी

जाने वाली बीजेडी ने भी शिरकत की। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इस बात का जिक्र किया। बीजेपी नेता जयराम रमेश ने अपने एक्स पोस्ट में बीजेडी सांसदों के मार्च में शामिल होने की जानकारी दी। संसद के मकर द्वार से निकला विपक्ष का मार्च नीति आयोग के पास ही रुक गया। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी।

● इंडियन ऑयल ने 'छोटू' 5 किलो एलपीजी सिलिंडर लॉन्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर में त्योहारी सीजन को देखते हुए रसोई गैस की खपत बढ़ने की पूरी संभावना है। मिडिल ईस्ट संकट के बाद एलपीजी संकट से निपटने के लिए सरकार की ओर से तरह-तरह के कदम उठाए गए। इनमें से एक बड़ा कदम छोटू सिलिंडर था। जिसका सरकारी तेल कंपनियों ने जोर-शोर से प्रचार-प्रसार भी किया था।

इन ग्राहकों के लिए आई खुशखबरी

एलपीजी सिलिंडर वालों को मिलेंगे 500 रुपए

इनके लिए है छोटू सिलिंडर?

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड छोटू के नाम से यह सिलिंडर बेचती है। इसमें 5 किलोग्राम एलपीजी होता है। ये प्रवासी लोगों के लिए लॉन्च किया गया है। (जो लोग काम के सिलसिले में बाहर आकर बसे हैं) इसके साथ ही ये छोटू सिलिंडर उन लोगों के लिए भी है जिनकी गैस की खपत कम है या जिनके पास जगह कम है। ग्राहक 'इंडेन' डिस्ट्रीब्यूटरशिप के बड़े नेटवर्क और बिक्री के अन्य केंद्रों जैसे इंडियन ऑयल रिटेल आउटलेट, चुनिंदा किराना स्टोर और चुनिंदा लोकल सुपरमार्केट से अपना 'छोटू' गैस सिलिंडर ले सकते हैं।

● **सिलिंडर वापसी पर मिलेंगे 500 रुपये-** छोटू सिलिंडर खरीदने के लिए किसी भारी भरकम सिक्योरिटी डिपॉजिट की जरूरत नहीं होती। ग्राहक जब भी चाहें सिलिंडर वापस कर 500 रुपये की निश्चित राशि रिफंड पा सकते हैं, चाहें उन्होंने इसे कितने भी दिनों तक इस्तेमाल किया हो। इस सिलिंडर को देश के किसी भी बिक्री केंद्र या इंडेन डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर ले जाकर आसानी से रिफिल कराया जा सकता है। ग्राहक प्वाइंट ऑफ सेल्स के जरिए मात्र 25 रुपये प्रति रिफिल का अतिरिक्त डिलीवरी चार्ज देकर होम डिलवरी की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

● **सितंबर में क्यों कम हुई एलपीजी की मांग-** पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, सितंबर महीने में एलपीजी की खपत में सलाना आधार पर 9.15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो घटकर 26.36 लाख टन रह गई। पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 29.02 लाख टन था।

19 पार्टियों का मार्च पुलिस ने रोका

● धरने पर बैठे राहुल-प्रियंका ज्ञानेश कुमार से मिलने पर अड़े, हमें कोई समस्या नहीं है, हम बैठेंगे.. ● कहा- सांसदों की बात न सुनना देश का अपमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल और प्रियंका गांधी 5 घंटे से ज्यादा समय से दिल्ली के आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठे थे। राहुल ने कहा हमें कोई समस्या नहीं है, हम यहीं बैठेंगे..। आकाशवाणी से चुनाव आयोग का ऑफिस 270 मीटर दूर है। राहुल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 19 विपक्षी पार्टियों के सेव डेमोक्रेसी मार्च में शामिल थे।

● **संविधान हमें प्रदर्शन करने का अधिकार देता है-** राहुल गांधी ने कहा, आकाशवाणी भवन परिसर में प्रदर्शन जारी रहेगा। अगर दिल्ली पुलिस को यहा प्रदर्शन से असुविधा है तो पुलिस उन्हें दूसरी जगह उपलब्ध करा सकती है। संविधान हमें प्रदर्शन करने का अधिकार देता है।

● **राहुल-प्रियंका बरगद के पेड़ के नीचे चटाई बिछाकर बैठे-** 3 घंटे से ज्यादा समय से धरने पर बैठे राहुल और प्रियंका गांधी ने आकाशवाणी भवन में बरगद के पेड़ के नीचे चटाई बिछा ली है। इनका दावा है कि जब तक ज्ञानेश कुमार से मिलने नहीं दिया जाएगा, वे लोग वहां से नहीं उठेंगे।

● **राहुल गांधी के मार्च से दिल्ली में जाम, अशोक रोड से पंत मार्ग तक कई रास्ते बंद-** अशोक रोड, रायसीना रोड, संसद मार्ग, रफी मार्ग, पंत मार्ग समेत एक दर्जन सड़कें बंद कर दी गई है। जिसके चलते न सिर्फ यातायात व्यवस्था ठहर गई है। बल्कि लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

● **विपक्षी सांसदों को पुलिस ने हिरासत में लिया-** पुलिस की ओर से रोके जाने के बावजूद, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और दीपेंद्र हुड्डा स्वागत द्वार से आकाशवाणी भवन परिसर में दाखिल हुए। बाद में उन्हें एक पेड़ के नीचे बैठे देखा गया। विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिए जाने के बाद धरना खत्म हो गया। हालांकि राहुल, प्रियंका समेत कई कांग्रेस नेता अब भी आकाशवाणी भवन में ही थे।

● **अखिलेश बोले- ज्ञानेश कुमार निष्पक्ष हैं तो हमारी बात सुनें-** अखिलेश यादव ने कहा- अगर ज्ञानेश कुमार निष्पक्ष हैं तो उन्हें हमारी बात सुननी चाहिए। यह लोकतंत्र बचाने की बात है। पुलिस को बच्चों के साथ और प्रदर्शनकारियों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए।

'हमारी मदद ज्ञानेश कुमार नहीं, गणेश जी कर रहे'

बीजेपी का कांग्रेस पर बड़ा हमला, राहुल गांधी से पूछे 10 सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी पार्टियां खासकर कांग्रेस पार्टी देश में सरकार बदलने और किसी तरह राहुल गांधी को सत्ता में बिठाने की पूरी कोशिश कर रही है। इसके लिए भारतीय लोकतंत्र और देश की संवैधानिक संस्थाओं पर एक साथ हमला किया जा रहा है। यह प्रक्रिया कुछ महीने पहले शुरू नहीं हुई है बल्कि यह कई सालों से चल रही है। शुरू से ही कांग्रेस पार्टी ने बार-बार किसी भी तरह से राहुल गांधी को लॉन्च और रिलॉन्च करने की कोशिश की है।

संबित बोले- हमारी मदद गणेश जी कर रहे- संबित पात्रा ने आगे कहा कि हमारी मदद ज्ञानेश कुमार

नहीं कर रहे हैं, हमारी मदद गणेश जी कर रहे हैं। बुद्धि, विद्या, ज्ञान और विवेक के देवता गणेश जी हैं। देश की जनता के पास बुद्धि, विवेक, ज्ञान है और जनता जानती है कि परिवारवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवादियों के साथ खड़े होने वाले लोगों को वोट नहीं देना है।

बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी की 6 सीटों पर मतदान

● बंगाल में पुलिस ने हुमायूं कबीर को गिरफ्तार किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 6 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग हुई। इस दौरान आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर को बंगाल के मुर्शिदाबाद में उनके पार्टी कार्यालय से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन पर चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनके बेटे गुलाम नबी आजाद भी रेजीनगर से उम्मीदवार हैं।

यूपी के 3 जिलों में ओले गिरे, लखनऊ में मंदिर डूबे

● **बिहार में बाढ़ से 8 लाख प्रभावित; एमपी-बिहार समेत 9 राज्यों में बारिश का अनुमान**

लखनऊ/पटना/भोपाल/जयपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के 9 जिलों में चक्रवात के असर के चलते अगले 4 दिन बारिश होने का अनुमान है। उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, यूपी, हिमाचल, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी बारिश की संभावना है। यूपी के बाराबंकी, प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे। आंधी से पेड़-बिजली के पोल गिर गए। पहाड़ों पर बारिश के बाद 10 नदियां उफान पर हैं। लखनऊ-सीतापुर समेत 11 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर लगातार 8वें दिन बढ़ रहा है। फैजुल्लागंज में करीब 40 हजार घरों में 4-5 फीट पानी भर गया है। बाढ़ का पानी मां चंद्रिका देवी मंदिर और हनुमंत धाम परिसर में भी पहुंच गया। लेटे हनुमान मंदिर के गर्भगृह में करीब 20 साल बाद पानी पहुंचा है। इससे पहले 2006 में ऐसी स्थिति बनी थी। बिहार में 6 जिलों के करीब 466 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बाढ़ से करीब 8 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

तेज रफ्तार एसयूवी ट्रेलर ट्रक से टकराई, 7 सात लोगों की दर्दनाक मौत

भावनगर (गुजरात)(एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले में मंगलवार को उस समय चीखपुकार मच गई जब हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस घटना में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलसि सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गुजरात के भावनगर जिले में एक हाईवे पर खड़ी ट्रेलर ट्रक से एसयूवी के टकराने से सात लोगों की मौत हो गई।

स्कूलों में रोजाना संविधान की प्रस्तावना का पाठ अनिवार्य करने की याचिका खारिज

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सिलेबस में पहले से ही शामिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल कर एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की गई थी जिसके तहत स्कूलों में सुबह की असेंबली के दौरान छात्रों को संविधान की प्रस्तावना पढ़ाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने आज मंगलवार को इस पीआईएल पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि प्रस्तावना पहले से ही स्कूल के पाठ्यक्रम का हिस्सा है और इसे छठी कक्षा से ही छात्रों को पढ़ाया जाता है।

बीसीसीआई मीटिंग के बाद हरमनप्रीत ने छोड़ी कप्तानी

● उनकी अगुआई में भारत ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप जीता

नईदिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। यह फैसला एक दिन पहले गुवाहाटी में हुई बीसीसीआई की मीटिंग के बाद आया है। बैठक में हरमनप्रीत, उपकप्तान स्मृति मंधाना और कोच अमोल मजूमदार शामिल हुए थे। टीम के भविष्य और कप्तानी को लेकर भी चर्चा हुई। हरमनप्रीत के बाद स्मृति मंधाना को अगला कप्तान बनाया जा सकता है।

2026 का फिजिक्स नोबेल फ्रांसिस हाल्जेन को मिला

स्टॉकहोम (एजेंसी)। बेल्जियम में जन्मे अमेरिकी वैज्ञानिक फ्रांसिस हैल्जेन को 2026 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला है। उन्हें यह पुरस्कार अंतरिक्ष से धरती तक आने वाले बेहद ताकतवर न्यूट्रिनो को पकड़ने और उनके बारे में पता लगाने में अहम काम के लिए दिया गया है। उन्होंने दक्षिणी ध्रुव की बर्फ में न्यूट्रिनो पकड़ने वाली आइसक्यूब ऑब्जर्वेटरी बनाने का विचार दिया था।

फ्रांसिस हैल्जेन

भाजपा के 8 प्रत्याशियों ने राज्यसभा का पर्चा भरा, भाजपाई से भिड़ा सुरक्षाकर्मी

प्रियंका रावत ने योगी के पैर छूकर नामांकन किया

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी राज्यसभा चुनाव में भाजपा के 8 प्रत्याशियों ने मंगलवार को नामांकन दाखिल कर दिया। बाराबंकी की पूर्व सांसद प्रियंका रावत, श्रुति गंगवार और गोपीकृष्ण पांडेय ने सीएम योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

सबसे पहले धर्मपाल सिंह और सबसे आखिर में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार ने पर्चा दाखिल किया। इस दौरान भीड़ इतनी थी कि

आपाधापी में विधानसभा के समिति कक्ष के दरवाजे के शीशे टूट गए। नामांकन के बाद एक भाजपा कार्यकर्ता की विधानसभा के सुरक्षाकर्मी से बहस हो गई। देखते ही देखते धक्का-मुक्की और गाली-गलौज होने लगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर दोनों को शांत कराया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

सपा के राम गोपाल यादव और धनराज परिमल नथवानी पहले ही नामांकन दाखिल कर चुके हैं। मंगलवार को अखिलेश यादव ने तीसरा उम्मीदवार उतारने से इनकार कर दिया।

केंद्रीय कैबिनेट के दो बड़े फैसले- परिवहन और एमएसएमई क्षेत्र के लिए सरकार का बड़ा एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को दो महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। इन फैसलों में इंटेग्रेटेड ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी (आईटीएलए) की स्थापना और 10,000 करोड़ रुपये के स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज ग्रोथ फंड (एसजीएफ) का गठन शामिल है। ये पहल देश के परिवहन और लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्रों को नई दिशा देंगी।

सिसौली में किसान मसीहा महेंद्र सिंह टिकैत को श्रद्धांजलि, किसान भवन में गूंजा अखंड पाठ साहिब

जयंती पर उमड़ा किसानों का सैलाब, आचार्य प्रमोद कृष्णम और डॉ. संजीव बालियान समेत कई गणमान्य लोगों ने किसान नेता को पुष्पांजलि अर्पित की

मुजफ्फरनगर। किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की जयंती पर बुधवार को उनकी कर्मभूमि सिसौली में श्रद्धा और सम्मान का माहौल नजर आया। किसान भवन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण, भाकियू पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोग पहुंचे। सभी ने किसान नेता की स्मृतियों को नमन करते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जयंती के अवसर पर किसान भवन में कई दिनों से चल रहे अखंड पाठ साहिब का भी विधिवत समापन हुआ। सुबह से ही सिसौली स्थित किसान भवन में लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलावा आसपास के राज्यों से भी किसान और समर्थक कार्यक्रम में पहुंचे। किसान भवन में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के साथ-साथ चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के किसान आंदोलनों और किसानों के अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष को भी याद किया गया।

नरेश टिकैत और राकेश टिकैत ने किया अतिथियों का स्वागत

कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत, राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत और युवा विंग के अध्यक्ष चौधरी गौरव टिकैत मौजूद रहे। उन्होंने किसान भवन पहुंचने वाले अतिथियों और किसानों का स्वागत

किया। इस दौरान किसान भवन में लगातार लोगों की आवाजाही बनी रही। भाकियू पदाधिकारियों और किसानों ने कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने किसानों को उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाने का रास्ता दिखाया। उन्होंने किसानों को संगठित करने के साथ-साथ खेती-किसानी से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया। यही वजह है कि उनकी जयंती पर हर वर्ष बड़ी संख्या में किसान सिसौली पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सिसौली की धरती को किया नमन

संभल स्थित कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम भी किसान भवन पहुंचे। उन्होंने चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान उन्होंने सिसौली की धरती को भी नमन किया। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि यह वही धरती है, जिसने चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत जैसे किसान नेता को जन्म दिया। उन्होंने अपना जीवन किसानों के हितों और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए गुजारा। किसानों के लिए उनका संघर्ष और योगदान लंबे समय तक याद किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने किसानों की समस्याओं को केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें बड़े मंच पर उठाया और किसानों को अपनी आवाज मजबूती से रखने के लिए संगठित किया।

डॉ. संजीव बालियान ने अर्पित की श्रद्धांजलि

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने भी सिसौली पहुंचकर चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने किसान नेता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके संघर्ष को याद किया।

डॉ. संजीव बालियान ने कहा कि किसानों के स्वाभिमान और अधिकारों के लिए चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत का संघर्ष हमेशा याद किया जाएगा। उनके विचार और किसानों के लिए किए गए आंदोलन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे।

अनमोल वचन

मनुष्य जीवन के क्रियाकलाप बड़े ही विचित्र हैं। मनुष्य मन से जो चिन्तन करता है, उसे वाणी से कहता है। जो वाणी से कहता है, उसे शरीर से करता है और शरीर द्वारा किये गये कर्म चूंकि सबसे अधिक प्रभावी हैं, इसलिए इन कर्मों के आधार पर मिलने वाला फल भी हमें दुख और सुख की अधिक अनुभूति कराता है। यदि मनुष्य अच्छे फलों की कामना करता है तो कर्म भी अच्छे करे। यदि अच्छे कर्म करने का निश्चय है तो वाणी से अच्छे शब्दों का उच्चारण करे। यदि वह चाहता है कि उसकी वाणी से अच्छे शब्द ही निकलें, तो वह अपने मानसिक चिन्तन को सुधारे। मन से केवल शुभ सोचने, अशुभ विचारों को मन में स्थान न दे, अपनी कुटिल माने जाने वाली प्रवृत्तियों का परित्याग करे, मानसिक धारणा को ऊंचा उठाये। मनुष्य को शरीर के नियंत्रण की चिन्ता नहीं करनी चाहिये। शरीर का नियंत्रण वाणी के नियंत्रण पर आधारित है। अतः सबसे बड़ी साधना मन के नियंत्रण की है। मन में जिस प्रकार का चिन्तन चलता है, वैसे ही वाणी और शरीर करते हैं। अतः हमें उन मानसिक कृतियों को निर्धारित कर लेना चाहिये जिन पर मनुष्य की मनुष्यता को परखा जा सके। संसार में जितनी इस एक शब्द 'मनुष्यता' के अन्तर्गत आ जाती हैं। मनुष्यता के धारण करने के लिये अपनी मानसिक दुर्बलताओं पर नियंत्रण रखना होगा जिससे मन में अशुभ विचार आयें ही नहीं।

मीरापुर के चुड़ियाला में रोडवेज बस सेवा का शुभारंभ: पूर्व मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, दिल्ली-मेरठ आवागमन हुआ आसान

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के ग्राम चुड़ियाला सहित आसपास के दर्जनों गांवों के निवासियों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई है। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद डॉ. यशवंत सिंह के विशेष प्रयासों से ग्राम चुड़ियाला के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा का भव्य उद्घाटन किया गया। बस सेवा शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से राजधानी दिल्ली और आसपास के प्रमुख शहरों तक आवागमन के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा शुरू करने की मांग उठाई जा रही थी। ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता पर लेते हुए पूर्व मंत्री डॉ. यशवंत सिंह ने परिवहन विभाग से समन्वय बनाकर यह बस सेवा स्वीकृत कराई है। यह रोडवेज बस दिल्ली से रवाना होकर मेरठ, मवाना, बहसूमा और मीरापुर होते हुए चुड़ियाला तथा घटायन तक अपनी सेवाएं देगी और इसी निर्धारित मार्ग से वापस दिल्ली पहुंचेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इस बस का समय भी तय कर दिया गया है। यह रोडवेज बस प्रतिदिन सुबह करीब 7 बजे और शाम करीब 6 बजे ग्राम चुड़ियाला में उपलब्ध रहेगी। बस सेवा के संचालन से चुड़ियाला, घटायन और आसपास के दर्जन भर गांवों के दैनिक यात्रियों, व्यापारियों तथा छात्रों को दिल्ली और मेरठ आने-जाने में सीधी व सुलभ परिवहन सुविधा मिलेगी। उद्घाटन समारोह के दौरान क्षेत्रीय ग्रामीणों ने बस सेवा शुरू कराने में निभाई गई अहम भूमिका के लिए पूर्व मंत्री डॉ. यशवंत सिंह के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की और उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कनेरी के ग्राम प्रधान राहुल कुमार, शिवकेश, अशोक कुमार, धर्मेंद्र, अवनीश कुमार, अनिल कुमार, प्रमोद और राजू सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

मीरापुर में रियाल के नाम पर ठगी: बिजनौर के युवक से हड़पे 3 लाख रुपये, थमाया रद्दी कागजों से भरा बैग

पुलिस में दी तहरीर, मामले की छानबीन शुरू

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र में सऊदी अरब की विदेशी मुद्रा (रियाल) सस्ते दामों में बदलने का झांसा देकर एक युवक से लाखों रुपये ऐंठने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ठगों ने बिजनौर निवासी युवक को झांसे में लेकर तीन लाख रुपये ऐंठ लिए और बदले में रियाल की जगह रद्दी कागजों से भरा बैग थमाकर रफूचक्कर हो गए। पीड़ित की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

PNB बैंक के पास बुलाया, थमाया कागजों से भरा बैग

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिजनौर के मोहल्ला रागरान घंटाघर निवासी मौ. इमरान पुत्र मौ. शहजाद की पिछले कुछ दिनों से एक अज्ञात युवक से सऊदी रियाल बदलने को

लेकर फोन पर बातचीत चल रही थी। मंगलवार दोपहर आरोपी युवक ने इमरान को सौदा तय करने के लिए मीरापुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक के पास बुलाया। आरोप है कि वहां पहुंचे इमरान से आरोपी ने तीन लाख रुपये की नकदी ले ली और बदले में एक बैग थमाते हुए कहा कि इसमें रियाल रखे हैं। इसके बाद आरोपी बड़ी चालाकी से मौके से खिसक गया।

बैग खोलते ही उड़े होश, बुलाई डायल-112 पुलिस

ठग के मौके से भागने के बाद जब इमरान ने शक होने पर बैग की ज़िप खोलकर देखा तो उसके होश उड़ गए। बैग में सऊदी रियाल के बजाय केवल रद्दी कागज के टुकड़े भरे हुए थे। खुद को ठगा महसूस कर पीड़ित ने तुरंत डायल-112 पर कॉल करके पुलिस को घटना की सूचना दी और कार्रवाई की गुहार लगाई।

तहरीर पर होगी सख्त कार्रवाई

मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। फिलहाल पीड़ित की ओर से अभी कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। जैसे ही लिखित शिकायत मिलती है, मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्र सेविका समिति, लक्ष्मीनगर महिला विंग के तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

मुजफ्फरनगर। राष्ट्र सेविका समिति, लक्ष्मीनगर महिला विंग के तत्वावधान में शिव मंदिर, शांतिनगर में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। शिविर में डॉ. रुचि एवं डॉ. उत्कर्ष ने अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

इस दौरान ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर एवं नेत्रों की जांच सहित अन्य आवश्यक चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान की गईं। जरूरत के अनुसार लाभार्थियों को आयरन, कैल्शियम एवं नेत्रों की ड्रॉप्स सहित आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क वितरित की गईं। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं बालिकाओं ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। उपस्थित चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए भी प्रेरित किया गया। शिविर को सफल बनाने में राष्ट्र सेविका समिति की श्रीमती नीति अग्रवाल (जिला कार्यवाहिका), श्रीमती सुशील राठी (नगर कार्यवाहिका), पंकज राठी, रागिनी, मीनाक्षी, शिवानी, चिंकी सहित समिति की अन्य बहनों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

राष्ट्र सेविका समिति द्वारा समाजसेवा एवं महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे इस प्रयास की उपस्थित महिलाओं एवं स्थानीय लोगों ने सराहना की।

मीरापुर में लेनदेन विवाद में खूनी संघर्ष: संभलहेड़ा फ्लाईओवर के पास युवक पर हमला, लाठी-डंडों से फोड़ा सिर

पुलिस ने इलाज के लिए घायल युवक को जानसठ सीएचसी भेजा

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के मोहल्ला मुश्तर्क में रुपये के लेनदेन को लेकर दो पक्षों के बीच छिड़ा विवाद मंगलवार को खूनी संघर्ष में बदल गया। पहले हुए विवाद के बाद जानसठ से वापस लौट रहे एक युवक को तीन-चार हमलावरों ने संभलहेड़ा फ्लाईओवर के पास घेर लिया और लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने इलाज के लिए जानसठ सीएचसी भेजा है।

पहले विवाद में पुलिस ने दोनों पक्षों का किया था चालान

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर मोहल्ला मुश्तर्क निवासी दो पक्षों के बीच रुपये के लेनदेन को लेकर कहासुनी और विवाद हो गया था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों पक्षों के एक-एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर उनका

चालान कर दिया था। हालांकि, पुलिस की इस कार्रवाई के बाद भी दोनों पक्षों के बीच रंजिश शांत नहीं हुई और तनाव बढ़ गया।

पीड़ित गुलफाम पुत्र इलियास पुलिस द्वारा चालान किए गए व्यक्ति से मिलने जानसठ गया हुआ था। जब वह दोपहर में जानसठ से मीरापुर वापस लौट रहा था, तभी संभलहेड़ा फ्लाईओवर के पास घात लगाए बैठे तीन-चार युवकों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से गुलफाम पर हमला बोल दिया। हमले में गुलफाम के सिर में गहरी चोट आई और खून बहने लगा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। रक्तरंजित अवस्था में पीड़ित गुलफाम सीधे मीरापुर थाने पहुंचा और हमलावरों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घायल को तत्काल चिकित्सीय परीक्षण एवं उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) जानसठ भेजा। मामले में थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि दोपहर में लेनदेन के विवाद पर दोनों पक्षों से एक-एक व्यक्ति का चालान किया गया था। इसके बाद पुनः विवाद होने की सूचना मिली है। घायल का मेडिकल कराया जा रहा है और पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरनगर में दिव्यांगजनों को मिली बड़ी सौगात, 200 ट्राईसाइकिल समेत 572 सहायक उपकरण बांटे

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने जीआईसी ग्राउंड में पात्र लाभार्थियों को वितरित किए कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण, 25 लाभार्थियों को ओ-लेवल प्रशिक्षण व शादी अनुदान के प्रमाण-पत्र भी दिए

मुजफ्फरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को जीआईसी ग्राउंड में दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने की। इस दौरान जिले के दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार बड़ी संख्या में सहायक उपकरण और कृत्रिम अंग वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान 200 ट्राईसाइकिल, 36 व्हीलचेयर, 45 स्मार्ट केन, 144 बैसाखी, 20 एमआर किट, 14 लेप्रोसी किट, 15 कान की मशीन और 98 कृत्रिम हाथ-पैर वितरित किए गए। सहायक उपकरण मिलने के बाद लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन और उनके परिजन मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों को सफर से लेकर सुनने तक में मिलेगी मदद

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि

दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार उपलब्ध कराए जा रहे उपकरण उनके दैनिक जीवन को आसान बनाने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि दिव्यांगजन किसी पर निर्भर न रहें और अपनी क्षमताओं के अनुसार आत्मनिर्भर होकर सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करें। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरणों के साथ पेंशन, शिक्षा और आवागमन से जुड़ी सुविधाओं पर भी सरकार की ओर से काम किया जा रहा है।

दिव्यांग पेंशन को 1500 रुपये प्रतिमाह करने की दिशा में प्रयास

राज्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग पेंशन योजना के तहत अभी तक दिव्यांगजनों को 1,000 रुपये प्रतिमाह की दर से सहायता राशि दी जाती रही है। अब इसे बढ़ाकर 1,500 रुपये प्रतिमाह किए जाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कक्षा 9 से 12 तक पढ़ने वाली दिव्यांग बेटियों को स्कूल और कॉलेज आने-जाने के लिए ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। इसके अलावा 80 प्रतिशत दिव्यांगता की श्रेणी में आने वाले पात्र व्यक्तियों को मोटर ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उन्हें आवागमन में सुविधा मिल सके।

18 मंडलों में दिव्यांगजनों के लिए विद्यालय खोलने की तैयारी

नरेंद्र कश्यप ने कहा कि दिव्यांगजनों की शिक्षा पर भी सरकार विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश के 18 मंडलों में दिव्यांगजनों के लिए विद्यालय खोले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में तीन वर्ष की आयु से लेकर उच्च स्तर तक शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शुरूआती स्तर से ही बेहतर शिक्षा और आवश्यक सुविधाएं मिलें, इसके लिए सरकार की ओर से व्यवस्थाओं को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षा के साथ उन्हें रोजगार और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम में केवल दिव्यांगजनों को ही सहायक उपकरण नहीं दिए गए, बल्कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभान्वित किया गया। राज्यमंत्री ने ओ-लेवल कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना और पिछड़ी जाति शादी अनुदान योजना के 25 लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। अधिकारियों ने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से पात्र युवाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण और पात्र परिवारों को शादी अनुदान योजना का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रमाण-पत्र मिलने के बाद लाभार्थियों में भी उत्साह नजर आया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित हुआ कार्यक्रम

अधिकारियों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश के 75 जिलों और 403 विधानसभा क्षेत्रों में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत मुजफ्फरनगर में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन बाल कल्याण समिति के सदस्य राजीव ने किया।

नगर पंचायत में लगा सेवा सेतु शिविर, एक छत के नीचे मिलीं कई सरकारी सेवाएं

सुरेश राणा ने किया शुभारंभ, विभिन्न विभागों के स्टॉल पर लोगों को योजनाओं की दी जानकारी

थानाभवन। सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को अलग-अलग विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय परिसर में सेवा सेतु अभियान के तहत बहुउद्देशीय शिविर लगाया गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। नगर पंचायत परिसर में लगाए गए शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी गई।

इस दौरान सुरेश राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा और सेवा संकल्प की भावना के तहत इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बहुउद्देशीय शिविरों का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचाना है, ताकि लोगों को विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही समाधान हो सके। शिविर में आंगनवाड़ी एवं बाल विकास, ग्राम विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण और पंचायती राज समेत विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों पर पहुंचे लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई। कर्मचारियों ने लोगों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया भी बताई।

नगर पंचायत कार्यालय परिसर में एक ही स्थान पर कई विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से लोगों को सुविधा मिली। अधिकारियों ने पात्र लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए शिविर में पहुंचकर जानकारी प्राप्त करने की अपील की।

रजवाहे में पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, नीचे दबने से चालक की मौत

रामपुर जाते समय इस्माइलपुर पुल से पहले बिगड़ा संतुलन, चार बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

थानाभवन। मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे हसनपुर लुहारी गांव के समीप रजवाहे की पटरी से गुजरते समय एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर रजवाहे में पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर चला रहे 55 वर्षीय अशोक कुमार उसके नीचे दब गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से अशोक को ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे से बाहर निकाला और एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी थानाभवन पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार रामपुर मनिहारान के मुहल्ला इकराम, अंबेडकर चौक निवासी अशोक कुमार पुत्र परशराम ईंट भट्ठे पर मुनीम का काम करते थे। मंगलवार को वह किसी काम से हसनपुर लुहारी क्षेत्र आए थे। दोपहर

करीब 12 बजे वह ट्रैक्टर लेकर नहर की पटरी से बड़गांव की ओर जा रहे थे। इस्माइलपुर पुल से पहले अचानक ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर-ट्रॉली रजवाहे में जा पलटी। रजवाहे में पानी भरा होने के कारण अशोक ट्रैक्टर के नीचे दब गए।

हादसा होते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से रजवाहे में उतरकर अशोक को बाहर निकाला। उन्हें तत्काल सीएचसी थानाभवन ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद जेसीबी की मदद से रजवाहे में पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली को बाहर निकाला गया।

हादसे की सूचना मिलते ही अशोक के स्वजन सीएचसी पहुंच गए। स्वजनों के आने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अशोक के परिवार में दो बेटियां और दो बेटे हैं। स्वजनों के अनुसार चारों बच्चों में से अभी किसी की शादी नहीं हुई है। हादसे की सूचना के बाद परिवार में मातम छा गया।

I, POOJA VATS W/o Vishal Vats R/o H.no–709, Gali No–07, Gandhi ColonyDisst. Muzaffarnagar 251002 have changed my name from Rajni Vats to POOJA VATS. henceforth I would be known by the name of POOJA VATS for all future purposes.

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी–85, सैक्टर–6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

सूचना

मैं जो अब तक सरवर पुत्र सिकंदर अली, निवासी 76, हैबतपुर, डाकघरः खुसरोपुर, जिलाः मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश - 251311 के नाम से जाना जाता था, मैंने अपना नाम बदल लिया है और भविष्य में मैं सरवर चौधरी के नाम से जाना जाऊंगा।

निपतता- 9-10-2026

सम्वन वास्ते करारवाद उमुर तनकीह तलब
आर्डर 5 कायदा 1 व 5
न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय सदर, मुजफ्फरनगर

प्रार्थनापत्र नम्बर साबिक स० __________ सन 2026
मूल वाद स० 245 / 08 सन 2008
रविन्द्र कुमार पुत्र जिलेसिंग निवासी ग्राम बिजोपुरा परगना तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर — वादी

बनाम

1–रामकुमार पुत्र जिले सिंह
2–जगवत्ती पत्नि जिले सिंह
3–राजकुमार पुत्र लखमीरा
4–प्रदीप कुमार ⎤ पुत्रगण सुरेन्द्रपाल उर्फ मांगा
5–प्रवेश कुमार
6–दुष्यन्त कुमार
7–विपिन रोशवाल ⎥ पुत्रगण रविन्द्र कुमार
8–सुशील रोशवाल ⎦
9–अमित कुमार ⎫ पुत्रगण ब्रहमपाल
10–सर्वेश कुमार
11–बाला देवी पत्नि ब्रहमपाल
12–नरेश ⎤
13–राजबीर
14–विपिन ⎥ पुत्रगण शौराज
15–शिवकुमार
16–श्यामबीर ⎦
17–सतीश
समस्त निवासीगण ग्राम बिजोपुरा परगना व तहसील व जिला मुजफ्फरनगर
18–कौशल्या सिंह पत्नि सहस्त्र पाल निवासी ए/216/1, वैशाली सेक्टर 3ए, रचना आई०ई० साहिबाबाद (उत्तर प्रदेश)
19–ग्राम पंचायत ग्राम बिजोपुर द्वारा प्रधान ग्राम बिजोपुर परगना तहसील व जिला मुजफ्फरनगर — प्रतिवादीगण

वाद अर्न्तगत धारा 209(ज) उ०प्र० रा०संहिता 2006
मौजा बिजोपुरा

हरगाह वादी ने वाद वास्ते धारा 209(ज) राजस्व संहिताब न्यायालय मे दायर किया है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख के जो दिनांक 9/10/26 बवक्त 10 बजे दिन में असालतन् या मार्फत वकील के जो मुकदमे हालात से करार वाकिफ किया गया हो और कछ उमूर अहम मुतालका मुकद्मा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई ओर शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात कादे सके हाजिर और जवाब देही दावा करे और उसी रोज अपना जुमला गवाही को जिसकी शहादत पर निजी तमाम दस्तावोजो को जिस पर अपनी जवाब देही की ताईद मे इस्तेमाल करना चाहते हो, पेश करे अगर बरोरज आज हाजिर होंगे, तो मुकदमा बगैर हाजिर आपके महमूह फैसला होगा।

बसब्ट मेरे दस्तखत ओर मोहर अदालत के आज बतारीख 3/10/26 जारी किया गया।
दिनांक ....
आज्ञा से,
उपजिलाधिकारी सदर,
मुजफ्फरनगर

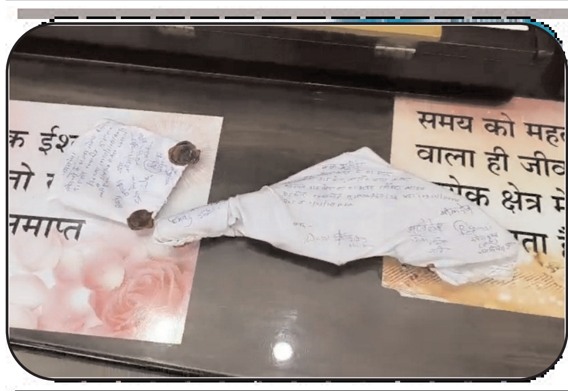

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

बुधवार 07 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

जन्मदिन की खुशियां मनाकर लौट रहा परिवार रास्ते में उजड़ गया, डंपर से भिड़ी स्कॉर्पियो, चार की मौत

भैंसलीवाला के पास आधी रात हुआ भीषण हादसा, प्रॉपर्टी डीलर व होटल कारोबारी आदेश, महिला और 10 वर्षीय बच्ची समेत चार ने तोड़ा दम, पत्नी समेत दो गंभीर घायल, एडीएम देश दीपक सिंह अस्पताल पहुंचे

मुजफ्फरनगर। लक्सर में जन्मदिन की खुशियां मनाकर अपने घर लौट रहा एक परिवार सोमवार देर रात पुरकाजी क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गया। लक्सर मार्ग पर भैंसलीवाला गांव के पास स्कॉर्पियो की सामने से आ रहे डंपर से जबरदस्त भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग वाहन के अंदर फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और राहगीरों ने किसी तरह घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे की जानकारी मिलने पर अपर जिलाधिकारी देश दीपक सिंह भी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर हरसंभव मदद का भरोसा दिया। जानकारी के अनुसार मुजफ्फरनगर के नई मंडी निवासी प्रॉपर्टी डीलर एवं उत्तराखंड में होटल कारोबारी आदेश अपने परिवार के छह सदस्यों के साथ लक्सर गए थे। वहां उनके मौसा राधेश्याम का 75वां जन्मदिन मनाया जा रहा था। परिवार के लोग जन्मदिन की पार्टी में शामिल हुए और देर रात स्कॉर्पियो से वापस पुरकाजी की ओर रवाना हुए।बताया गया है कि रात करीब 11 बजे परिवार लक्सर से पुरकाजी के लिए निकला था। जन्मदिन की खुशियों के बीच परिवार के लोगों को यह अंदाजा भी नहीं था कि घर लौटने का सफर उनके लिए जिंदगी का सबसे दर्दनाक सफर साबित होने वाला है। घर पहुंचने से कुछ किलोमीटर पहले ही हुए हादसे ने परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। स्कॉर्पियो जैसे ही पुरकाजी क्षेत्र में लक्सर मार्ग पर भैंसलीवाला गांव के पास पहुंची, तभी विपरीत दिशा से आ रहे डंपर के साथ उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर जोरदार धमाका हुआ। स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल होकर वाहन के अंदर फंस गए।बहादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। भीषण टक्कर के कारण स्कॉर्पियो में सवार लोगों को बाहर निकालना मुश्किल हो रहा था। पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी को तत्काल पुरकाजी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने आदेश, निशा, उनकी 10 वर्षीय बेटी श्रद्धा और राखी को मृत घोषित कर दिया। चार लोगों की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। अस्पताल में परिजनों और रिश्तेदारों की भीड़ जुट गई। हादसे में जान गंवाने वालों में आदेश की उम्र 49 वर्ष बताई गई है। उनके साथ निशा उम्र 38 वर्ष, उनकी बेटी श्रद्धा उम्र 10 वर्ष और राखी उम्र 35 वर्ष की भी मौत हुई है।नवहीं आदेश की पत्नी रूबी और परिवार की सदस्य कुसुम हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई हैं। दोनों की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया। परिवार के चार सदस्यों की एक साथ मौत ने परिजनों को झकझोर कर रख दिया। हादसे की सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को मिली तो अपर जिलाधिकारी देश दीपक सिंह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने हादसे में घायल रूबी और कुसुम के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा चिकित्सकों से उनके उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त की। एडीएम ने घायलों के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें हरसंभव प्रशासनिक मदद का भरोसा दिया। उन्होंने चिकित्सकों को घायलों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने तथा बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासनिक अधिकारी के अस्पताल पहुंचने से परिजनों को भी आवश्यक सहयोग का भरोसा मिला।

जन्मदिन की पार्टी से लौटते वक्त हादसा, कुछ ही मिनटों में बदल गया पूरा माहौल

जिस परिवार में कुछ घंटे पहले 75वें जन्मदिन की खुशियां मनाई जा रही थीं, उसी परिवार पर लौटते समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जन्मदिन समारोह से लौटते समय हुए हादसे की सूचना जैसे ही रिश्तेदारों और परिचितों को मिली, वे घटनास्थल और अस्पताल की ओर दौड़ पड़े। एक साथ चार लोगों की मौत की खबर ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया। मासूम बच्ची श्रद्धा की मौत ने भी हर किसी को झकझोर दिया।

हाईवे पर मौत का टकराव: ट्रक ने टेंपो में मारी जोरदार टक्कर, आठ घायल; इलाज के दौरान महिला की मौत

तितावी थाना क्षेत्र में आधी रात के बाद हुआ दर्दनाक हादसा, बिहार के रहने वाले थे टेंपो सवार; सूचना मिलते ही दौड़ी पुलिस, एसपी ग्रामीण ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र में हाईवे पर मंगलवार देर रात से बुधवार अलसुबह के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अशोक लीलैंड ट्रक ने हाईवे पर जा रहे एक टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में टेंपो सवार आठ लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही तितावी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। उपचार के दौरान एक महिला की मौत हो गई। हादसे की सूचना के बाद पुलिस अधिकारियों में भी हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, 5/6 अक्टूबर 2026 की रात तितावी थाना पुलिस को हाईवे पर अशोक लीलैंड ट्रक द्वारा एक टेंपो में टक्कर मारने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बिना देरी किए घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर टेंपो दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिला। पुलिसकर्मियों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया और टेंपो में फंसे तथा घायल यात्रियों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के मुताबिक हादसे के समय टेंपो में कुल आठ लोग सवार थे। दुर्घटना में रघु पुत्र सुनते राम, ललिता देवी, जयदेवी, बृज गुप्ता, मुस्कान, शरणजीत, मनीष कुमार और सुनीता देवी पत्नी बिरजू गुप्ता, सभी निवासी बिहार, घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। आसपास मौजूद लोगों ने भी घायलों को संभालने में मदद की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। हादसे में घायल सुनीता देवी की उपचार के दौरान मौत हो गई। चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। एक ओर अन्य घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है, वहीं महिला की मौत के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और अन्य आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी

शादी की तैयारियों से पहले उजड़ गया घर, ट्रक की टक्कर से शुभम की दर्दनाक मौत

बिलासपुर कट पर बाइक सवार युवक को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर, हादसे में मौके पर गई जान; माता-पिता की इकलौती संतान था शुभम, आजाद समाज पार्टी से जुड़े होने की भी जानकारी

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र में सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। बिलासपुर कट के पास ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक शुभम बावरा की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त बताई जा रही है कि शुभम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में रिश्तेदार व परिचित मौके पर पहुंच गए। बताया गया कि शुभम बाइक से कहीं जा रहे थे। जैसे ही वह थाना नई मंडी क्षेत्र के बिलासपुर कट के पास पहुंचे, तभी सड़क पर एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। अचानक हुई भिड़ंत के बाद शुभम सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को संभाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों के मुताबिक शुभम अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। परिवार में उनकी शादी को लेकर तैयारियां शुरू होने वाली थीं। घर में आने वाले दिनों को लेकर खुशियों का माहौल बनने लगा था, लेकिन एक सड़क हादसे ने परिवार की सारी खुशियां छीन लीं। शुभम की अचानक मौत की खबर जैसे ही परिजनों को मिली, परिवार में चीख-पुकार मच गई। माता-पिता और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में कुछ दिनों बाद शादी की तैयारियों और खुशियों की चर्चा होनी थी, वहां अब मातम पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि शुभम बावरा भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी से जुड़े हुए थे। वह आजाद समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता उपकार बावरा के चचेरे भाई बताए जा रहे हैं। शुभम की मौत की खबर मिलते ही राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी शोक जताया। परिजनों और परिचितों का कहना है कि शुभम मिलनसार स्वभाव के थे और सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहते थे। उनकी अचानक हुई मौत से परिवार के साथ-साथ उनके परिचितों में भी शोक की लहर दौड़ गई। ट्रक की टक्कर के बाद बिलासपुर कट पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। हादसे के कारण सड़क पर भी लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और शव को कब्जे में लिया।

ओवरटाइम के दौरान पेपर कटिंग बेल्ट की चपेट में आया सात बहनों का इकलौता भाई, मौत से मचा कोहराम

कीर्ति क्राफ्ट पेपर मिल में अलसुबह करीब तीन बजे हुआ दर्दनाक हादसा, परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लगाया लापरवाही का आरोप; ग्रामीणों के हंगामे से मचा हड़कंप

मुजफ्फरनगर। सिखेड़ा थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र स्थित कीर्ति क्राफ्ट पेपर मिल में मंगलवार अलसुबह करीब तीन बजे दर्दनाक हादसा हो गया। पेपर कटिंग मशीन की बेल्ट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निराना निवासी गुल सनव्वर पुत्र रहसूद्दीन के रूप में हुई है। गुल सनव्वर सात बहनों का इकलौता भाई था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण फैक्ट्री पहुंच गए। बताया गया कि गुल सनव्वर और उसके पिता रहसूद्दीन ने करीब एक से डेढ़ माह पहले ही कीर्ति क्राफ्ट पेपर मिल में काम शुरू किया था। मंगलवार को गुल सनव्वर की दिन की ड्यूटी थी, लेकिन ओवरटाइम के चलते वह ड्यूटी पूरी होने के बाद भी फैक्ट्री में रुका हुआ था। इसी दौरान अलसुबह करीब तीन बजे वह पेपर कटिंग से संबंधित मशीन की बेल्ट की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि गुल सनव्वर की मौके पर ही मौत हो गई। फैक्ट्री में हादसा होने की जानकारी जैसे ही मृतक के परिजनों को मिली, परिवार में चीख-पुकार मच गई। कुछ ही देर में परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में फैक्ट्री पहुंच गए। अचानक जवान बेटे की मौत से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया गया कि गुल सनव्वर अपने परिवार में सात बहनों का इकलौता भाई था। करीब डेढ़ महीने पहले पिता के साथ फैक्ट्री में काम शुरू करने वाले गुल सनव्वर की इस तरह अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि यदि मशीनों के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होते और कर्मचारियों की सुरक्षा का ध्यान रखा जाता तो हादसे को टाला जा सकता था। विरोध के चलते फैक्ट्री परिसर में काफी देर तक गहमागहमी की स्थिति बनी रही। ग्रामीणों के हंगामे की सूचना मिलने पर सिखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर स्थिति को संभालने का प्रयास किया। सुबह दिन निकलने तक फैक्ट्री के आसपास ग्रामीणों और परिजनों की भीड़ जुटी रही। पुलिस ने हादसे के संबंध में जानकारी जुटाते हुए घटना की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों, मशीन की स्थिति और उस समय फैक्ट्री में मौजूद कर्मचारियों से जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हादसा किस परिस्थितियों में हुआ और सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। सिखेड़ा थाना प्रभारी के अनुसार, हादसे में युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक इस मामले में परिजनों की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डेढ़ माह पहले ही शुरू किया था काम

गुल सनव्वर और उसके पिता ने करीब एक से डेढ़ माह पहले ही कीर्ति क्राफ्ट पेपर मिल में काम शुरू किया था। परिवार को उम्मीद थी कि दोनों पिता-पुत्र मेहनत कर घर का खर्च चलाने में मदद करेंगे, लेकिन मंगलवार अलसुबह हुए हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। सात बहनों के इकलौते भाई की मौत से पूरे गांव में भी शोक का माहौल है।

सिसौना रोड पर 25 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने के बाद दबोचा

चेकिंग के दौरान बाइक रोकने के बजाय कच्चे रजवाहे की ओर भागा बदमाश, पीछा करने पर पुलिस टीम पर झोंकी फायरिंग; जवाबी कार्रवाई में घायल हुआ शादाब उर्फ कलीम, तमंचा-कारतूस और बिना नंबर की बाइक बरामद

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामी वांछित हिस्ट्रीशीटर शादाब उर्फ कलीम को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सिसौना रोड पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक सवार ने पुलिस को देखकर रुकने के बजाय कच्चे रजवाहे की ओर बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया। पीछा करने पर बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इसके बाद आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर जंगल की ओर भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा और दो खोखा कारतूस तथा बिना नंबर प्लेट की पैशन प्रो मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस का दावा है कि बरामद मोटरसाइकिल का इस्तेमाल आपराधिक घटना में किया गया था।

सिसौना रोड पर चल रही थी चेकिंग

क्षेत्राधिकारी नई मंडी राजू कुमार साव के अनुसार, 5 अक्टूबर की रात थाना नई मंडी पुलिस की टीम चौकी बागोंवाली क्षेत्र में सिसौना रोड पर गश्त और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि 25 हजार रुपये का इनामी वांछित बदमाश मोटरसाइकिल से सिसौना की तरफ से इसी रास्ते पर आने वाला है और उसके पास अवैध हथियार भी है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम सिसौना पुलिया के पास पहुंची और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद सिसौना की ओर से एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक सवार ने रुकने के बजाय मोटरसाइकिल को कच्चे रजवाहे की ओर मोड़ दिया और तेजी से भागने लगा। कच्चे रास्ते पर बाइक फिसली, जंगल की ओर भागा

पुलिस टीम ने संदिग्ध बाइक सवार का पीछा शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार, कुछ दूरी पर कच्चा और ऊबड़-खाबड़ रास्ता होने के कारण बाइक सवार मोटरसाइकिल पर नियंत्रण नहीं रख सका और बाइक समेत गिर गया। पुलिस टीम को पीछे आता देखकर उसने मोटरसाइकिल वहीं छोड़ दी और जंगल की ओर भागने लगा। पुलिस का कहना है कि पीछा किए जाने के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम को निशाना बनाकर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मी फायरिंग की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी को फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन आरोपी ने पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए फायरिंग जारी रखी।

पुलिस के अनुसार, अपनी जान की सुरक्षा के लिए पुलिस टीम ने जवाबी फायरिंग की। इस दौरान गोली लगने से शादाब उर्फ कलीम पुत्र यासीन घायल हो गया। पुलिस टीम ने उसे कब्जे में लेकर प्राथमिक उपचार दिलाया और इसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा मौके से बिना नंबर प्लेट की पैशन प्रो मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार शादाब उर्फ कलीम थाना नई मंडी में दर्ज कई मुकदमों में वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा की ओर से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी थाना खतौली का हिस्ट्रीशीटर भी है और उसका हिस्ट्रीशीट नंबर एचएस-26ए है। नई मंडी थाने में उसके खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 115/2025, 124/2025, 234/2025, 194/2026, 448/2026 और 449/2026 में वांछित होने की जानकारी पुलिस ने दी है।

पिज्जा कैफे में बहन के प्रेमी को घेरकर बरसाए लात-घूंसे, बाइक भी तोड़ी, दो गिरफ्तार

मीरापुर में युवती के साथ कैफे पहुंचे युवक पर भाई और ममेरे भाई का हमला, मारपीट से मची अफरा-तफरी, सीसीटीवी में कैद हुई थी पूरी वारदात

मीरापुर। मीरापुर थाना क्षेत्र में पिज्जा कैफे के बाहर एक युवक की जमकर पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। युवती के साथ कैफे पहुंचे युवक को उसके कथित प्रेम संबंध से नाराज युवती के भाई और ममेरे भाई ने घेर लिया। दोनों ने युवक के साथ जमकर मारपीट की और आरोप है कि उसकी बाइक में भी तोड़फोड़ कर दी। अचानक हुए हमले से कैफे के आसपास हड़कंप मच गया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए फुटेज के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान की और गिरफ्तार कर लिया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मीरापुर क्षेत्र स्थित एक पिज्जा कैफे में गोविंद नाम का युवक एक युवती के साथ पहुंचा था। दोनों कैफे के आसपास मौजूद थे। इसी दौरान युवती का भाई सोनू अपने ममेरे भाई अतुल के साथ वहां पहुंच गया। बताया गया कि दोनों ने गोविंद को देखकर उसे घेर लिया और उससे कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते कहासुनी विवाद में बदल गई और दोनों युवकों ने गोविंद के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने युवक को लात-घूंसों से पीटा। युवक ने बचने का प्रयास किया, लेकिन दोनों ने उसे घेरकर मारपीट जारी रखी।आरोप है कि मारपीट के दौरान गोविंद की बाइक को भी निशाना बनाया गया। दोनों युवकों ने बाइक में तोड़फोड़ कर दी। कैफे के पास अचानक हुए विवाद और मारपीट से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग घटना को देखने के लिए मौके पर जमा हो गए। इसी दौरान कैफे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात रिकॉर्ड होती रही। घटना के बाद सामने आए वीडियो में युवक के साथ मारपीट और बाइक को नुकसान पहुंचाए जाने का घटनाक्रम दिखाई दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। वीडियो तेजी से प्रसारित होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास शुरू किया। पुलिस ने वायरल वीडियो को जांच का आधार बनाया और घटना में शामिल बताए जा रहे युवकों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान दोनों आरोपियों की पहचान सोनू और अतुल के रूप में हुई।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोनू और अतुल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, घटना में घायल हुए गोविंद को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। उपचार के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया। न्यायालय से दोनों को जेल भेज दिया गया।

इस पूरे मामले में सीसीटीवी फुटेज पुलिस के लिए अहम साबित हुआ। घटना के समय कैफे के आसपास लगे कैमरों में मारपीट का घटनाक्रम रिकॉर्ड हो गया था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने फुटेज की जांच की और उसके आधार पर आरोपियों तक पहुंची। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मारपीट के पीछे के पूरे विवाद और घटनाक्रम से जुड़े अन्य तथ्यों को भी जांच में शामिल किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने या किसी व्यक्ति के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि युवक के साथ अचानक हुई मारपीट के बाद कैफे के आसपास काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

7 अक्टूबर तक फैसला नहीं तो 8 से ठप होंगी एनएचएम सेवाएं!

लिखित समझौतों के लागू न होने से भड़का संविदा कर्मचारियों का आक्रोश, प्रदेश के एक लाख से अधिक कर्मचारी कार्य बहिष्कार की तैयारी में-मुजफ्फरनगर से आर-पार के आंदोलन का ऐलान

मुजफ्फरनगर। वर्षों से लंबित मांगों और सरकार के साथ हुए लिखित समझौतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों का आक्रोश अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। मुजफ्फरनगर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कर्मचारियों ने सरकार को 7 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम दिया है। संगठन का कहना है कि यदि तय समयसीमा तक मांगों पर ठोस और लिखित निर्णय नहीं हुआ तो 8 अक्टूबर से प्रदेशभर के एक लाख से अधिक एनएचएम संविदा कर्मचारी कार्य बहिष्कार कर आंदोलन शुरू करेंगे। कर्मचारियों ने साफ किया कि वे किसी सरकार से टकराव नहीं चाहते, बल्कि पूर्व में हुए लिखित समझौतों और आश्वासनों को लागू कराने की मांग कर रहे हैं। मंगलवार को जिला चिकित्सालय स्थित आयुष विंग में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ की मुजफ्फरनगर शाखा के पदाधिकारियों ने आंदोलन की रणनीति और लंबित मांगों को लेकर अपना पक्ष रखा। प्रदेश अध्यक्ष मयंक ठाकुर के आह्वान पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला अध्यक्ष डॉ. सचिन जैन ने कहा कि कर्मचारियों को लंबे समय से आश्वासन दिए जाते रहे हैं। कई मौकों पर सरकार और अधिकारियों के साथ लिखित समझौते भी हुए, लेकिन समझौतों को लागू करने की बारी आने पर मामला फाइलों में अटकता चला गया। उन्होंने कहा कि अब कर्मचारी केवल मौखिक आश्वासन पर भरोसा करने की स्थिति में नहीं हैं। सरकार को स्पष्ट और लिखित आदेश जारी करना होगा, तभी कर्मचारियों का भरोसा वापस लौटेगा। डॉ. सचिन जैन ने वर्ष 2016 में हुए आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय एनएचएम कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर 15 दिन तक लगातार हड़ताल और इसके बाद 10 दिन की भूख हड़ताल की थी। आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रमुख सचिव स्वास्थ्य के साथ लिखित समझौता हुआ था। कर्मचारियों के अनुसार समझौते में एनएचएम कर्मचारियों को नियमित भर्ती में अतिरिक्त अंक दिए जाने की मांग पर सहमति बनी थी और इसे शीघ्र लागू करने का भरोसा दिया गया था। लेकिन संगठन का आरोप है कि करीब एक दशक बीत जाने के बाद भी इस संबंध में प्रभावी आदेश जारी नहीं हुआ। कर्मचारियों ने कहा कि वर्ष 2016 में हुए समझौते का लाभ मिलने की उम्मीद में कई कर्मचारी वर्षों तक इंतजार करते रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी निर्धारित आयु सीमा पार कर गए। संगठन का कहना है कि समझौते को लागू करने में हुई देरी अब कर्मचारियों के लिए दोहरी परेशानी बन गई है। डॉ. सचिन जैन ने कहा कि वर्ष 2016 के समझौते में अन्य राज्यों की तर्ज पर एनएचएम कर्मचारियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात भी कही गई थी

मुजफ्फरनगर बाईपास पर दबंगई: बस कंडक्टर से किराया मांगने पर मारपीट, पीड़ित ने नई मंडी थाने में दी तहरीर

दबंगों ने फोन करके बुलाए 7-8 युवक,फिर दिया वारदात को अंजाम

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र अंतर्गत बाईपास पर बस में किराया मांगने जैसी मामूली बात को लेकर दबंगई का मामला सामने आया है। बस कंडक्टर के साथ न केवल मारपीट की गई, बल्कि आरोपियों ने फोन करके अन्य युवकों को बुलाकर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित कंडक्टर ने थाना नई मंडी में प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टन्ढेडा (मुजफ्फरनगर) निवासी नूर मौ. बस संख्या UP87T-2112 पर बतौर परिचालक (कंडक्टर) कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि मंगलवार सुबह करीब 9:15 बजे बस शुकताल से मुजफ्फरनगर की ओर आ रही थी। इसी दौरान जब उन्होंने बस में सवार इलाहाबास निवासी अंकुर (उम्र करीब 30 वर्ष, पुत्र जयपाल) से किराया मांगा, तो आरोपी विवाद करने लगा। कंडक्टर नूर मौ. का आरोप है कि किराया मांगने पर आरोपी अंकुर ने तुरंत फोन करके बाईपास पर अपने 7-8 अन्य साथियों को बुला लिया। बाईपास पहुंचते ही आरोपियों ने एकराय होकर कंडक्टर के साथ मारपीट शुरू कर दी और गंभीर परिणाम भुगतने तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित कंडक्टर नूर मौ. ने थाना नई मंडी पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक को लिखित प्रार्थना पत्र दिया। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि नामजद आरोपी अंकुर व उसके अन्य साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

संपादकीय

पर्यावरण पर ईमानदार इच्छाशक्ति को लेकर ठोस पहल हो

अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के अन्य प्रभावों के ज्यादा स्पष्ट होकर सामने आने के बाद स्थितियां जटिल होती जा रही हैं। मौसम का चक्र बिगड़ता जा रहा है और स्वाभाविक रूप से इसका असर चौतरफा पड़ रहा है।दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन और वैश्विक ताप से उपजी समस्या ने अब मौसम को इस कदर प्रभावित करना शुरू कर दिया है कि आम जनजीवन से लेकर खेती-किसानी तथा पर्यावरण के अन्य क्षेत्रों पर भी उसके विपरीत असर दिखने शुरू हो गए हैं।हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ओर से यह कहा गया कि अल नीनो का प्रभाव अब साफतौर पर देखा जा सकता है। आने वाले महीनों में इसके असर में और तीव्र बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। अगले वर्ष फरवरी तक इसके जारी रहने का अनुमान है।जहां तक भारत पर इसके असर का सवाल है, तो यहां पिछले महीने तक बरसात में 12.6 फीसद तक की गिरावट दर्ज की गई। अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में वर्षा पर निर्भर खेती-किसानी और फसलों पर इस स्थिति का कैसा असर पड़ रहा होगा। यह बेवजह नहीं है कि देश के कृषि मंत्रालय ने 2026-27 के खाद्यान्न लक्ष्य को कम करके 373.93 मिलियन टन निर्धारित किया है, जो पिछले वर्ष के अनुमानित उत्पादन के मुकाबले 2.63 मिलियन टन कम है।जाहिर है, अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के अन्य प्रभावों के ज्यादा स्पष्ट होकर सामने आने के बाद स्थितियां जटिल होती जा रही हैं। मौसम का चक्र बिगड़ता जा रहा है और स्वाभाविक रूप से इसका असर चौतरफा पड़ रहा है।अकेले महाराष्ट्र में सरकार को राज्य के दो सौ पैंसठ तालुका को सूखा घोषित करना पड़ा है। इसकी मुख्य वजह यह भी है कि पिछले कई वर्षों में इस बार मानसून बेहद कमजोर रहा। इसी वजह से खेतों में तकरीबन तैयार फसलें सूख गईं और किसानों को व्यापक नुकसान हुआ। नतीजतन, कर्नाटक के बाद अब महाराष्ट्र ने भी राज्य को सूखाग्रस्त घोषित कर दिया है।बीते अगस्त में बरसात में गिरावट की वजह से कर्नाटक को सूखाग्रस्त घोषित करना पड़ा था। समूचे पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले सवा सौ वर्षों में इस साल सबसे सूखा मानसून रहा है। वहीं पंजाब और बिहार जैसे कृषि प्रधान राज्यों में भी बारिश में भारी कमी दर्ज की गई।एक समस्या यह भी है कि मौसम के बारे में जितने भी पूर्वानुमान सामने आते हैं, उनमें से कम ही उसके अनुरूप सही साबित होते हैं। खेती पर व्यापक असर और खाद्य-चक्र बिगड़ने से इतर भी मौसम की मार के बहुस्तरीय प्रभाव देखे जा रहे हैं।पर्यावरण संतुलन पर इसके विपरीत प्रभाव की वजह से न केवल मनुष्य के लिए कई तरह की चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, बल्कि वन्यजीवों के सामने भी अपने पर्यावास क्षेत्र को बचाने की मुश्किल पेश आ रही है। पेड़-पौधों के अस्तित्व पर इसका कैसा असर पड़ रहा है, यह समझना मुश्किल नहीं है।

स्वार्थ और कामचोरी की मानसिकता से खोखला होता देश

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

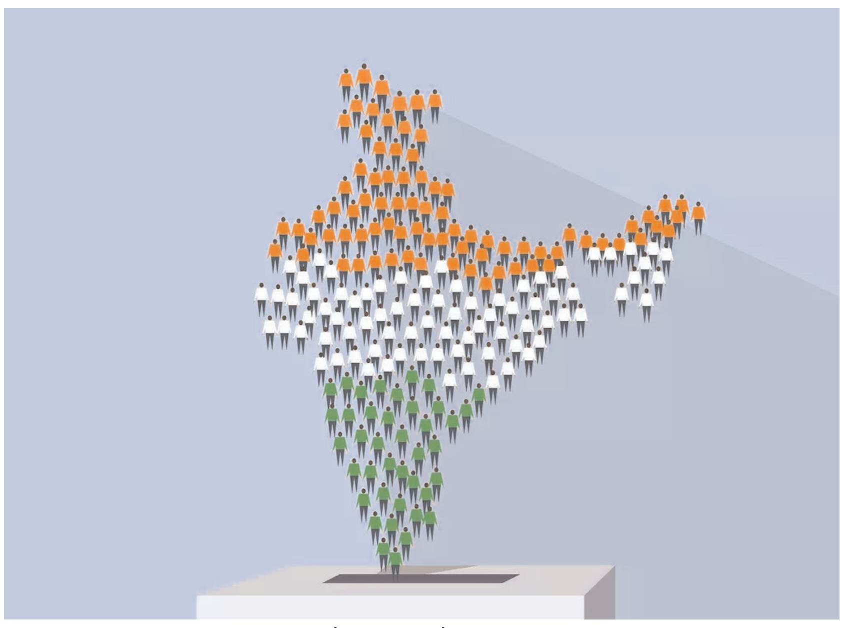

लोकतांत्रिक राष्ट्र की प्रगति, स्थिरता और वैश्विक साख उसकी प्रशासनिक व्यवस्था की ईमानदारी, कानून के निष्पक्ष शासन और नागरिकों के अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण पर टिकी होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहां विकास की अनंत संभावनाएं हैं वहां आज एक ऐसी अदृश्य और आत्मघाती बीमारी जड़ जमा चुकी है जो सीमाओं पर खड़े दुश्मनों से भी कहीं अधिक खतरनाक है। यह बीमारी है स्वार्थ, कामचोरी और भ्रष्टाचार की वह गहरी मानसिकता, जो आज हमारे तंत्र के भीतर दीमक की तरह काम कर रही है और राष्ट्र के बुनियादी ढांचे को अंदर से खोखला बना रही है। स्वतंत्रता के अमृत काल में जब हमें एक महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होना चाहिए था तब हमारी ऊर्जा, संसाधन और समय व्यवस्था की आंतरिक विसंगतियों से लड़ने में नष्ट हो रहे हैं। आज देश का शायद ही कोई ऐसा सरकारी, अर्ध-सरकारी या सार्वजनिक विभाग बचा हो जहां आम आदमी बिना किसी मानसिक प्रताड़ना, अत्यधिक देरी या अनुचित वित्तीय समझौते के अपना जायज और वैध काम करवा सके। कार्यालयों में कुर्सियों पर बैठे अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी अपने 'लोकसेवक' होने के मूल चरित्र और संवैधानिक दायित्वों को पूरी तरह विस्मृत कर चुके हैं। केंद्रीय और राज्य सतर्कता आयोगों की वार्षिक रिपोर्टों पर दृष्टि डालें तो हर साल देश में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के हजारों मामले दर्ज होते हैं। यह स्थिति यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि सार्वजनिक विभागों की वर्तमान कार्यशैली पूरी तरह से जनविरोधी और संवेदनहीन हो चुकी है। इन विभागों में नियमों और कानूनों का निर्माण जनहित को सुगम बनाने के लिए किया गया था लेकिन वर्तमान में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। आज नियमों की आड़ लेकर आम जनता को परेशान करना और उनसे 'सुविधा शुल्क' यानी रिश्वत की वसूली करना, एक सामान्य प्रशासनिक संस्कृति बन चुका है। जब एक साधारण और कानून का पालन करने वाला नागरिक किसी कार्यालय में अपने वैधानिक कार्य के लिए कदम रखता है, तो उसे सीधे तौर पर नियमों की ऐसी जटिल और अंतहीन भूलभुलैया में उलझा दिया जाता है कि वह थक-हारकर बिचौलियों की शरण में जाने और रिश्वत देने को विवश हो जाए। फाइलों को बेवजह दबाकर रखना, काउंटर से काउंटर पर दौड़ाना और कागजों में जानबूझकर तकनीकी कमियां निकालना तो आज की कार्यप्रणाली का मुख्य हिस्सा बन चुका है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब इन अधिकारियों और कर्मचारियों से उनके मूल दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रश्न कियेजाते हैं या जवाबदेही तय करने का प्रयास किया जाता है तो वे तुरंत अपने अधिकारों, विशेषाधिकारों और कर्मचारी यूनियनों की दुहाई देने लगते हैं। अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही और कामचोरी को छिपाने के लिए वे कामबंदी, हड़ताल या न्यायिक प्रक्रियाओं की शरण लेते हैं। कर्तव्यों को पूरी तरह नजरअंदाज कर केवल अधिकारों का यह शोर अब देश के विकास की गति को दशकों पीछे धकेल रहा है। इस प्रशासनिक सड़न और नैतिक पतन का सबसे वीभत्स और डरावना रूप हमें देश की कानून-व्यवस्था और न्याय प्रणाली में देखने को मिलता है। समाज में आज एक अत्यंत खतरनाक और निराशाजनक धारणा मजबूत होती जा रही है कि कानून का डंडा सिर्फ कमजोरों, गरीबों और लाचारों को दबाने के लिए ही चलता है। समाज के बाहुबली, धनबली, भीड़बली और उच्च राजनीतिक पहुंच रखने वाले दबंग लोग सरेआम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए प्रशासनिक तंत्र के मुंह पर तमाचा मारकर ठहाके लगाते हैं। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों से आई भीड़ तंत्र द्वारा की गई हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और विभिन्न माफियाओं द्वारा पुलिस व कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर सीधे हमलों की घटनाएं इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि अपराधियों के मन से कानून का खौफ पूरी तरह समाप्त हो चुका है। ये ताकतवर तत्व हमारे कानून के लचीलेपन और न्याय प्रक्रिया में होने वाली देरी का पूरा फायदा उठाते हैं। एक तरफ जहां एक छोटी सी अनजानी गलती करने वाला गरीब व्यक्ति बिना मुकदमे के लम्बे समय तक जेलों में विचाराधीन कैदी के रूप में सड़ता रहता है वहीं दूसरी तरफ बड़े घोटालों, हत्या, और जघन्य अपराधों के रसूखदार आरोपी महंगे वकीलों की फौज खड़ी करके अदालतों से तारीख पर तारीख लेकर और कानून की तकनीकी कमियों का लाभ उठाकर अग्रिम जमानत पर बाहर घूमते हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक और शर्मनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब कानून के रक्षक ही भक्षक की भूमिका में अवतरित हो जाते हैं। अनेक जांच रिपोर्टों और अदालती टिप्पणियों में यह स्पष्ट हो चुका है कि पुलिस और जांच एजेंसियों के अनेक उच्चाधिकारी राजनैतिक आकाओं के दबाव, भारी-भरकम वित्तीय लाभ के लालच तथा अन्य कारणों से खतरनाक अपराधियों, भू-माफियाओं, ड्रग तस्करों और बड़े कॉर्पोरेट अपराधियों को बचाने की सुनियोजित प्रयास करते हैं। उन पर प्राथमिक जांच में ढिलाई बरतने, साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने, कमजोर चार्जशीट दाखिल करने और न्यायालय के समक्ष अभियोजन पक्ष के मामले को जानबूझकर इस तरह कमजोर करने के आरोप लगते रहे हैं कि अपराधी को संदेह का लाभ मिलकर वह आसानी से बरी हो सके। शक्ति, संपत्ति और सत्ता के इस भयावह और अनैतिक गठजोड़ के मध्य समाज के बलशाली और रसूखदार लोग हर बार साफ बच निकलते हैं जबकि समाज का निरीह, गरीब, शोषित और बेसहारा नागरिक न्याय के इसी जटिल शिकंजे में तड़फ-तड़फ कर दम तोड़ देता है। न्याय की यह दोहरी व्यवस्था समाज में एक गहरे असंतोष और आक्रोश को जन्म दे रही है जो किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस व्यवस्था की संवेदनहीनता और स्वार्थपरता का एक और अत्यंत दुखद और काला अध्याय सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में देखने को मिलता है। लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के तहत सरकारें हर साल गरीबों, वंचितों, महिलाओं और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के उत्थान के नाम पर बजट में अरबों-खरबों रुपये का प्रावधान करती हैं लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। आज फर्जी दस्तावेजों, नकली पहचान पत्रों और प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत के सहारे अपात्र, अमीर और बिचौलिए लोगों द्वारा उन सभी सरकारी सुविधाओं, मुफ्त राशन, वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री आवास योजनाओं का अवैध रूप से लाभ उठाया जा रहा है, जो वास्तव में समाज के अत्यंत निर्धन वर्ग के लिए आरक्षित थीं। एक तरफ जहां इन अपात्रों और जालसाजों को बिना किसी कठिनाई के तंत्र की सक्रिय मिलीभगत से सब कुछ आसानी से प्राप्त हो जाता है वहीं दूसरी तरफ समाज के असली हकदार और अत्यंत पात्र लोग हैं, उन्हें अपनी पात्रता प्रमाणित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। एक लाचार वृद्ध महिला को अपनी मामूली मासिक पेंशन के लिए, एक दिव्यांग को अपने चिकित्सा प्रमाण पत्र के लिए या एक पीड़ित किसान को अपनी नष्ट हुई फसल के मुआवजे के लिए महीनों तक दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं, बाबुओं की मिन्नतें करनी पड़ती हैं और कई बार तो स्वयं को जीवित या पात्र साबित करने के लिए भी अपनी जेब से रिश्वत देनी पड़ती है। यह स्थिति न केवल मानवाधिकारों का हनन है बल्कि देश के नागरिकों का अपनी ही चुनी हुई सरकार, कार्यपालिका के कथित लोकसेवकों और व्यवस्था पर से विश्वास उठाने वाली है। यह संपूर्ण भयावह स्थिति केवल कुछ व्यक्तियों या कुछ विभागों के भ्रष्ट होने का सीमित मामला नहीं है, बल्कि यह एक पूरे समाज और प्रशासनिक तंत्र की सामूहिक नैतिक गिरावट और राष्ट्रीय चेतना के शून्य होने को दर्शाती है। जब किसी राष्ट्र में कामचोरी को एक चालाकी भरा अधिकार और व्यक्तिगत स्वार्थ को बुद्धिमानी मानकर समाज में प्रतिष्ठा मिलने लगे तो उस देश का आंतरिक पतन निश्चित हो जाता है। हम बाहरी तौर पर बुनियादी ढांचे के विकास, चमचमाती एक्सप्रेस-वे सड़कों, गगनचुंबी इमारतों और डिजिटल इंडिया की तकनीकी प्रगति की बात तो बड़े गर्व से करते हैं लेकिन जब तक इन सरकारी दफ्तरों और वातानुकूलित केबिनों में बैठने वाले कार्यपालिका के कथित लोकसेवकों की मानसिकता में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और राष्ट्रीयता का प्राथमिक भाव नहीं जागेगा तब तक देश की तरक्की और विश्व गुरु बनने का हर दावा खोखला, सतही और बेमानी साबित होगा। ऐसे में भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को केवल राजनीतिक नारों तक सीमित न रखकर धरातल पर कड़ाई से लागू करना होगा। कामचोर, निकम्मे और भ्रष्ट अधिकारियों पर त्वरित, अनुकरणीय और कठोर दंडात्मक कार्रवाई करनी होगी तभी तंत्र में एक स्पष्ट संदेश जाए। इतिहास गवाह है कि आंतरिक रूप से खोखले हो चुके राष्ट्र भी महाशक्तियों की दौड़ में बहुत पीछे छूट जाते हैं। देश के अस्तित्व और स्वाभिमान को अक्षुण्ण रखने के लिए हर नागरिक और लोकसेवक को अपने अधिकारों की दुहाई देने से पहले अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों को सर्वोपरि मानना ही होगा, तभी एक सशक्त और समृद्ध भारत का स्वप्न साकार हो सकेगा।

ज्ञान बहुत है, लेकिन सीखना कितना हुआ असली कसौटी व्यवहार में दिखती है

(एकता कानूनगो बक्षी)

आज हमारे पास ज्ञान और सूचनाओं की प्रचुरता है। बहुत-सी बातें हमें बिना मांगे ही परोस दी जाती हैं, चाहे उनकी आवश्यकता हो या नहीं। कभी कहा जाता था कि सीखने-समझने के लिए इच्छाशक्ति का होना सबसे आवश्यक है। यह बात अब किसी बीते हुए समय की प्रतीत होती है। उस समय की, जब सही ज्ञान प्राप्त करने के लिए संघर्ष, धैर्य और निरंतर परिश्रम करना पड़ता था। सीखना तब एक साधना थी। अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को सिद्ध करना पड़ता था। स्वयं को उस स्तर तक विकसित करना होता था कि किसी योग्य शिक्षक का सान्निध्य मिल सके, अच्छी पुस्तकें उपलब्ध हो सकें। यह सब अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि माना जाता था। निरंतर प्रयत्नशील रहने पर ही ज्ञान के वे द्वार खुल पाते थे। शायद इसी कारण उस लंबी प्रक्रिया से होकर निकलने वाले लोगों के भीतर अध्ययन, श्रम, धैर्य और ठहराव स्वाभाविक रूप से विकसित हो जाते थे। इस धीमी साधना में तपे हुए लोगों में ऐसे अनेक विद्वान मिलते थे, जो केवल अपने विषय के विशेषज्ञ नहीं होते थे, बल्कि जीवन के अनेक आयामों पर भी उनकी गहरी पकड़ होती थी। आज का समय इससे बिल्कुल अलग है। इच्छाशक्ति कमजोर हो, तब भी ज्ञान और जानकारी सहज उपलब्ध है। यहां हम किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए अर्जित ज्ञान की बात नहीं कर रहे, क्योंकि वह किसी एक विषय का विशेषज्ञ बना सकता है। हम उस ज्ञान की बात कर रहे हैं, जो जीवन का निर्माण करता है, व्यक्तित्व को आकार देता है। किसी एक विषय का बड़ा जानकार भी अगर एक बेहतर मनुष्य न बन सके, तो जीवन की वास्तविक परीक्षा में वह कहीं न कहीं अनुत्तीर्ण ही माना जाएगा। आज हमारे पास ज्ञान और सूचनाओं की प्रचुरता है। बहुत-सी बातें हमें बिना मांगे ही परोस दी जाती हैं, चाहे उनकी आवश्यकता हो या नहीं। सोशल मीडिया के इस युग में सीखने वाले के पास पहले से कहीं अधिक विकल्प हैं। अब चुनाव हमारे हाथ में है कि हम किसे सुनेंगे, क्या समझेंगे, कितना समझेंगे और उस समझ का उपयोग किस प्रकार करेंगे। जानकारियों को आत्मसात करने के लिए हमारे भीतर पहले से ही एक अद्भुत व्यवस्था मौजूद है। जैसे भोजन करते समय हम प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा सब कुछ एक साथ ग्रहण करते हैं, लेकिन हमारा शरीर उन्हें अलग-अलग प्रक्रियाओं से पचाकर अपनी आवश्यकता के अनुसार उपयोग करता है, वैसे ही हमारा मस्तिष्क भी सूचनाओं को ग्रहण करता है और अपने स्वभाव तथा प्रवृत्ति के अनुसार उनका उपयोग करने लगता है। यही कारण है कि अच्छा पढ़ लेने, अच्छा सुन लेने या बहुत कुछ सीख लेने भर से यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि मनुष्य अच्छा ही करेगा। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वह सीख क्यों रहा है। उसका उद्देश्य उसके अध्ययन से कहीं अधिक निर्णायक हो जाता है। कोई व्यक्ति ईश्वर का नाम ले सकता है, धर्मग्रंथ पढ़ सकता है और अच्छे विचारों की चर्चा कर सकता है, लेकिन यदि उसके भीतर लोभ, ईर्ष्या, क्रोध और अहंकार कायम हैं, तो वह अपने ज्ञान का उपयोग भी उन्हीं प्रवृत्तियों के अनुरूप करेगा। ज्ञान की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब वह हमारे भीतर के स्वार्थ से आगे बढ़कर हमारे व्यवहार को बदल सके। कुछ लोग किसी विचारधारा के लेखकों या प्रभावशाली वक्ताओं को केवल इसलिए सुनने लगते हैं कि उनसे जुड़े लोगों का साथ उन्हें आकर्षित करता है। कुछ अपने सामाजिक संबंधों का विस्तार करना चाहते हैं, तो कुछ अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए विशेष प्रकार की सामग्री चुनते हैं। कुछ लोगों का उद्देश्य केवल स्वयं को विद्वान सिद्ध करना होता है। वे पढ़ते हैं, सुनते हैं, अच्छे विचारों को कंठस्थ कर लेते हैं और अवसर आने पर उन्हें प्रभावशाली ढंग से दोहरा देते हैं। इस प्रकार, बिना भीतर से स्वयं को बदले भी वे प्रशंसा और अच्छी छवि अर्जित कर लेते हैं। मगर शायद ही ऐसा कोई ज्ञान हो, जिसे जीवन में कभी परखने का अवसर न मिले। परिस्थितियां बार-बार ऐसी बनती हैं, जब व्यक्ति को अपने अर्जित ज्ञान के पक्ष में खड़ा होना पड़ता है। वहीं यह स्पष्ट होता है कि ज्ञान केवल दिखावे का हिस्सा था या वास्तव में व्यक्तित्व का हिस्सा बन चुका है। हम देखते हैं कि बहुत कम लोग अपने ज्ञान को व्यवहार में उतारने का साहस जुटा पाते हैं। अपने लिए, अपने परिवार और अपने परिचित समाज के प्रति वे विनम्र दिखाई दे सकते हैं, लेकिन उनके भीतर वास्तविक परिवर्तन नहीं आया है, तो वे व्यापक समाज के प्रति भी उसी ज्ञान का न्यायपूर्ण और संवेदनशील उपयोग नहीं कर पाते। जिन तथ्यों और संदर्भों को वे कभी बड़े आत्मविश्वास के साथ दोहराते थे, जीवन की कठिन घड़ी में वही शब्द उनका साथ नहीं दे पाते। तब उनके भीतर का खोखलापन, बनावटीपन और असंवेदनशीलता स्वयं प्रकट हो जाती है।

इसलिए सीखने की सच्ची कसौटी यह नहीं कि हमने कितना पढ़ा, कितना सुना या कितनी बातें याद रखीं।

हाइडेगर और आरेंट -जब प्रेम के साथ चलता रहा विचार और मतभेद

दूसरी 'बैनेलिटी ऑफ इविल' है। इसमें उन्होंने बुराई के लिए आदेश का पालन करने वाले नौकरशाहों को भी जिम्मेदार माना है। एडोल्फ हिटलर का जर्मनी में उदय हुआ। नाजीवाद ने मानवता को झकझोर दिया। यह तानाशाहों का काल था। रूस में जोसेफ स्टालिन का, तो इटली में मुसोलिनी के फासीवाद के दौर का। जापानी और अंग्रेज शासकों में क्रूरता की कमी नहीं थी। हाइडेगर और आरेंट के सामने साथ रहने या बिछड़ने का विकल्प था। हाइडेगर ने जर्मनी नहीं छोड़ा और आरेंट अमेरिका चली गईं। हाइडेगर नाजी पार्टी से जुड़े, जिसको बाद में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी मूर्खता माना। आरेंट उन्हें 'चिंतन का राजा' मानती थीं।

(राकेश सिन्हा)

हाइडेगर और आरेंट के सामने साथ रहने या बिछड़ने का विकल्प था। हाइडेगर ने जर्मनी नहीं छोड़ा और आरेंट अमेरिका चली गईं। हाइडेगर नाजी पार्टी से जुड़े, जिसको बाद में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी मूर्खता माना। प्रेम के अनेक प्रसंग और रूप हैं, जिनका भरपूर उल्लेख साहित्य में मिलता है। उनकी नियति कहानियां बनकर रह जाने में है। मगर एक प्रेम कहानी विचारों की दुनिया से है, जो बौद्धिकता की बुनियाद पर टिकी है। इसके महत्त्व का ऐतिहासिक कारण है। इसने नाजीवाद को परास्त किया था। इसलिए यह मात्र प्रेम कहानी नहीं है। इसमें रचनात्मक बौद्धिकता और सामाजिकता के साथ-साथ मतांतर, मतभेद और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मानवीय संवेदनशीलता को जीवित रखने का संदेश है। विज्ञान, तकनीक तथा जानकारियों की उपलब्धता के साधनों और भौतिक सुविधाओं के सहारे उन्नति के इस युग में साहित्य और समाजशास्त्र मानव मन को संतुलित रखने, सामाजिक बने रहने तथा वैज्ञानिक खोज को मन, विवेक एवं बुद्धि के नियंत्रण में रखने की क्षमता विकसित करने में पूरी तरह निष्फल सिद्ध हो रहा है। नाजीवादी प्रतिकूलताओं के बीच मार्टिन हाइडेगर (1889-1976) और हाना आरेंट (1906-1975) का प्रेम वैचारिक दरिद्रता एवं बौद्धिक कायरता दोनों से मुक्ति पाने का संदेश देता है। हाइडेगर की बौद्धिकता से प्रभावित होकर आरेंट उम्र में सत्रह वर्षों के अंतर के बावजूद उनसे प्रेम करने लगी। दोनों में एक-दूसरे की तरह बनने की ललक तो थी, मगर उन्होंने अपने स्व को भी आबाद रखा। ऐसे प्रेम के लिए उपयुक्त शब्दों का प्रयोग करने में कवियों को भी परिश्रम करना पड़ता है। मृत्यु की चेतना से समय की अहमियत तक हाइडेगर बीसवीं शताब्दी के प्रभावशाली समाजशास्त्रियों में से एक थे। 'बीइंग एंड टाइम' (1927) उनकी महत्त्वपूर्ण रचना है, जिस पर आरेंट की छाप है। उन्होंने अस्तित्व,

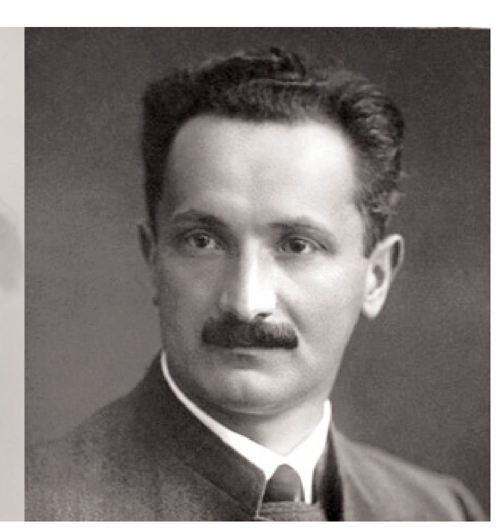

तकनीक, भाषा और आधुनिक सभ्यता को देखने का तरीका बदला। उनके अनुसार, मृत्यु जीवन का केवल अंतिम क्षण नहीं है। मृत्यु की चेतना बताती है कि मनुष्य का जीवन सीमित है। इसलिए समय अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। तकनीक पर उनका विचार तब विवादित जरूर था, पर आज निर्विवादित बन गया। यह मनुष्य और प्रकृति को संसाधनों से तथा ज्ञान को उपयोगिता और समय को उत्पादकता से जोड़ता है। हाना आरेंट की सबसे प्रसिद्ध पुस्तक 'द ओरिजिन्स ऑफ टोटलिटेरियनिज्म' (अधिनायकवाद की उत्पत्ति) है। दूसरी 'बैनेलिटी ऑफ इविल' है। इसमें उन्होंने बुराई के लिए आदेश का पालन करने वाले नौकरशाहों को भी जिम्मेदार माना है। एडोल्फ हिटलर का जर्मनी में उदय हुआ। नाजीवाद ने मानवता को झकझोर दिया। यह तानाशाहों का काल था। रूस में जोसेफ स्टालिन का, तो इटली में मुसोलिनी के फासीवाद के दौर का। जापानी और अंग्रेज शासकों में क्रूरता की कमी नहीं थी। हाइडेगर और आरेंट के सामने साथ रहने या बिछड़ने का विकल्प था। हाइडेगर ने जर्मनी नहीं छोड़ा और आरेंट अमेरिका चली गईं। हाइडेगर नाजी पार्टी से जुड़े, जिसको बाद में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी मूर्खता माना। आरेंट उन्हें 'चिंतन का राजा' मानती थीं। फिर भी 1946 में वह हाइडेगर को 'संभावित हत्यारा' कहने में नहीं हिचकीं। यह आरेंट का चिंतकों के लिए बड़ा संदेश है कि स्वर्ग के बारे में सोचते-सोचते इतना मग्न न हो जाएं कि सामने के कुएं में ही गिर जाएं। हाइडेगर सहित जर्मनी के ज्यादातर बुद्धिजीवियों का अपराध यह था कि वे वह नहीं कर पाए, जो थॉमस मान (1875-1955) या कार्ल वॉन ओस्सिएट्ज्की (1889-1938) ने किया। मान खुले रूप में नाजीवाद के खिलाफ थे, तो ओस्सिएट्ज्की पत्रकार के रूप में हिटलर के कुकृत्यों को सामने लाए। यह दिखाता है कि खौफ के बीच भी रचनात्मकता ने दम नहीं तोड़ा। एचजी वेल्स ने पेरिस में पुस्तकों को बचाने के लिए पुस्तकालय खोला। जॉर्ज ऑरवेल ने लोगों को मानसिक मजबूती देने का काम किया। नाजीवाद के अंत के बाद आरेंट और हाइडेगर का पुनर्मिलन हुआ। विचार ने इसकी मध्यस्थता की। विचार के प्रति ललक ने प्रेम और सामाजिकता दोनों को मरने नहीं दिया। जब वे 9 फरवरी 1950 को मिले, तो आरेंट का उद्गार था- 'ऐसा लगा जैसे अचानक समय ठहर गया है।' उन्होंने एक पत्र में लिखा था कि मारबर्ग छोड़ते समय अपने संबंधों को पूरी तरह समाप्त नहीं मानकर उन्होंने अक्षम्य विश्वासघात करने और अपने जीवन को बिगाड़ने से बचा लिया।

विचार अलग हों, संवाद क्यों खत्म हो – द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान और उसके बाद बौद्धिकता के प्रवाह ने जब नए मानव जीवन की खोज शुरू की, तो पूंजीवाद और साम्यवाद के झगड़े ने उसे खंडित कर दिया। बौद्धिकों को वैचारिक कारखानों का उत्पाद मात्र बना दिया गया। स्वतंत्र मन और स्वायत्त विचार दुर्लभतम चीजें बन गईं। इसका परिणाम कटुतापूर्ण ध्रुवीकरण के रूप में सामने आया। विचारों का अंतर संवाद, सामाजिकता और गुणग्राहकता का अंत नहीं होना चाहिए। हाइडेगर और आरेंट ने इसका उदाहरण बनकर दिखाया। आरेंट ने हाइडेगर को वैचारिक अपराध के कारण और हाइडेगर ने आरेंट को उस अपराध के विरोध में खड़ा होने के कारण एक-दूसरे के प्रति कटुता को अंकुरित नहीं होने दिया। वे विचारों का सृजन या संशोधन करते रहे। इन दोनों की बातचीत और प्रेम पत्रों में मानवता के प्रश्नों को सुलझाने के लिए विचारों की तलाश होती थी। जब वे मिले थे, तब आरेंट 19 वर्ष की तथा हाइडेगर 36 वर्ष के थे और पुनर्मिलन सत्रह वर्षों के बाद हुआ, मगर चिंतन की दुनिया को इस उथल-पुथल से क्षति नहीं हुई। हाइडेगर इस बात की चिंता जताते थे कि आधुनिक सभ्यता को खतरा 'चिंतन विहीनता' से है। ऐसा नहीं है कि लोग सोच नहीं सकते, बल्कि वे सोचने से भागने लगे हैं।

तहसील स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, 800 व 100 मीटर दौड़ में प्रतिभाओं ने जीते पदक

जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीहरिकेश यादव ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ, बोले- खेल और योग से ही स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण संभव

मुजफ्फरनगर। एस.डी. इंटर कॉलेज रोडवेज, मुजफ्फरनगर के क्रीड़ा स्थल पर तहसील स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीहरिकेश यादव ने किया। प्रतियोगिता में तहसील क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए विभिन्न एथलेटिक्स स्पधाओं में अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता स्थल पर खिलाड़ियों में खासा उत्साह दिखाई दिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीहरिकेश यादव ने सभी एथलीटों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में खेलों का महत्वपूर्ण स्थान है। खेल और योग के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को स्वस्थ रख सकता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है, इसलिए विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ नियमित रूप से खेल एवं योग को भी अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रतियोगिता की 800 मीटर दौड़ के सीनियर बालक वर्ग में प्रशांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सूफियान द्वितीय और कार्तिक तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर बालिका वर्ग में शगुन ने प्रथम स्थान हासिल किया। रीतू ने द्वितीय तथा अंतिम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार जूनियर बालिका वर्ग की 800 मीटर दौड़ में अदिति ने प्रथम, राशि ने द्वितीय तथा नैना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालक वर्ग में रवि ने प्रथम, साजिद ने द्वितीय तथा आशीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ दौड़ में हिस्सा लिया।

100 मीटर दौड़ में भी खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

100 मीटर दौड़ के अंडर-17 बालक वर्ग में मोहम्मद आरिस ने प्रथम, वंश कुमार ने द्वितीय तथा अक्षत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मोहम्मद सोहेल ने भी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया।

अंडर-17 बालिका वर्ग में जीविका ने प्रथम, वैष्णवी ने द्वितीय तथा ज्योति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर-19 बालिका वर्ग में तांसी ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय तथा पूजा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

अंडर-19 बालक वर्ग में समीर ने प्रथम, रिहान ने द्वितीय तथा मोहम्मद हसन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विभिन्न स्पधाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आयोजकों एवं उपस्थित अतिथियों ने बधाई देते हुए आगे भी इसी प्रकार मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

आयोजन में शिक्षकों और खेल अधिकारियों का रहा सहयोग

तहसील स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में प्रधानाचार्य आदित्य प्रकाश सक्सेना, जिला क्रीड़ा सचिव सत्यकाम तोमर, एनएफसी प्रभारी प्रमोद कुमार, दीपक कुमार, अक्षय कुमार, अमित कुमार, मनोज कुमार, गया प्रसाद प्रजापति, कैप्टन बबीता राणा, रचना रावत, प्रियंका शर्मा, प्रीति, नीरज कुमार, मुकेश कुमार, विनीत कुमार, हंस कुमार, प्रवेश कुमार, पूनम, वैभव राणा एवं विपिन त्यागी सहित अन्य शिक्षकों और सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय के क्रीड़ा स्थल पर खिलाड़ियों के साथ-साथ शिक्षकगण भी मौजूद रहे और उन्होंने विभिन्न स्पधाओं में प्रतिभाग कर रहे छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, प्रतिस्पर्धा और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा।

एस.डी. इंटर कॉलेज के शारीरिक शिक्षक डॉ. राहुल कुशवाहा ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी अतिथियों, अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता की आगामी स्पर्धाएं प्रातः 8 बजे से आयोजित की जाएंगी। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से निर्धारित समय पर पहुंचकर प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करने का आह्वान किया।

बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ जमीनी प्रयासों की जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन ने की समीक्षा

पीड़ित बच्चों से मिली गुरप्रीत कौर, बच्चे बोले- आप पहले क्यों नहीं आए नन्ही उम्र में शादी नहीं, पहले पढ़ाई और उड़ान जरूरी—मेहरचंद

मुजफ्फरनगर। बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन की गुरप्रीत कौर ने ग्रामीण समाज विकास केंद्र के हेड ऑफिस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्था के समस्त स्टाफ के साथ बैठक कर जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने बाल विवाह और बाल श्रम की पहचान, बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने, शिक्षा से जोड़ने तथा परिवारों की काउंसलिंग के दौरान सामने आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में स्टाफ ने गांवों में किए जा रहे जागरूकता कार्यों और बच्चों के संरक्षण से जुड़े प्रयासों की जानकारी दी। गुरप्रीत कौर ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए समय पर हस्तक्षेप बेहद जरूरी है। उन्होंने कार्यकताओं से समुदाय के बीच लगातार संवाद बनाए रखने और प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता के साथ काम करने पर जोर दिया।

आप पहले क्यों नहीं आए?—बच्चों के सवाल ने बयां किया बदला हुआ जीवन

बैठक के बाद गुरप्रीत कौर उस बालिका से मिलीं, जिसका बाल विवाह समय रहते रुकवाया गया था। उन्होंने बालिका की वर्तमान स्थिति, पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

बालिका ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि बाल विवाह रुकने के बाद उसके जीवन में किस तरह बदलाव आया।

इसके बाद उन्होंने बाल श्रम से मुक्त कराए गए दो बच्चों से मुलाकात की। बच्चों से उनकी पढ़ाई, परिवार की स्थिति और बाल श्रम से बाहर आने के बाद जीवन में आए बदलावों के बारे में बातचीत की गई।

बातचीत के दौरान बच्चों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब ग्रामीण समाज विकास केंद्र की टीम ने उन्हें बाल श्रम से मुक्त कराया और आगे बढ़ने का अवसर दिया, तो उन्हें लगा कि जैसे उनका पूरा जीवन बदल गया।

इसी दौरान बच्चों ने भावुक होकर कहा—आप पहले क्यों नहीं आए?

बच्चों का यह सवाल केवल उनकी व्यक्तिगत पीड़ा को नहीं दशार्ता, बल्कि यह भी बताता है कि किसी बच्चे तक समय पर मदद पहुंचना उसके पूरे जीवन की दिशा बदल सकता है। बच्चों ने बताया कि यदि उन्हें पहले ही संरक्षण और सहयोग मिल जाता तो उन्हें बाल श्रम जैसी परिस्थितियों से नहीं गुजरना पड़ता।

गुरप्रीत कौर ने बच्चों की बात सुनी और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी शिक्षा और सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक सहयोग जारी रखा जाएगा। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान देने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

गुरप्रीत कौर ने कहा

जब कोई बच्चा कहता है कि आप पहले क्यों नहीं आए, तो यह हमारे लिए केवल एक सवाल नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी का संदेश है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी बच्चे को मदद के लिए लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े। बाल विवाह और बाल श्रम रोकने के साथ-साथ बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर देना भी उतना ही जरूरी है। जमीनी स्तर पर काम करने वाली संस्थाओं और समुदाय के सहयोग से ही बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार किया जा सकता है।

मेहरचंद ने कहा

ग्रामीण समाज विकास केंद्र के सचिव मेहरचंद ने कहा, हमारा उद्देश्य केवल बाल विवाह रुकवाना या बच्चे को बाल श्रम से मुक्त कराना नहीं है, बल्कि उसके जीवन को नई दिशा देना है। इसके लिए बच्चे को शिक्षा से जोड़ना, परिवार को जागरूक करना और लगातार उसकी स्थिति पर नजर रखना जरूरी है। आप पहले क्यों नहीं आए जैसे सवाल हमें याद दिलाते हैं कि बच्चों तक समय पर पहुंचना कितना महत्वपूर्ण है। समाज की सक्रिय भागीदारी से ही बाल विवाह और बाल श्रम जैसी कुरीतियों को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। नन्ही उम्र में शादी नहीं, पहले पढ़ाई और उड़ान जरूरी है।

दौरे के दौरान ग्रामीण समाज विकास केंद्र का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। बैठक में संस्था के कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी गतिविधियों और जमीनी स्तर पर अभियान को और प्रभावी बनाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। साथ ही बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा से जुड़ाव और परिवारों के सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

युवा प्रतिभाओं ने दौड़ प्रतियोगिता में दिखाया दमखम, विजेताओं को मेडल, ट्रॉफी व धनराशि देकर किया सम्मानित

थानाभवन। नगर पंचायत थानाभवन की ओर से युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जूनियर एवं सीनियर वर्ग के युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी प्रतिभा और जोश का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्षा पति हाजी राव जमशेद एवं ईओ ने संयुक्त रूप से किया। दौड़ प्रतियोगिता रशीदगढ़ के पास स्थित अंडरपास से शुरू होकर मेला ग्राउंड स्थित किसान इंटर कॉलेज तक आयोजित की गई। निर्धारित दूरी में प्रतिभागियों ने जीत के लिए पूरी मेहनत के साथ दौड़ लगाई और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में 13 से 16 वर्ष तथा सीनियर वर्ग में 17 से 23 वर्ष तक के

युवाओं ने भाग लिया। जूनियर वर्ग में साहिल ने प्रथम, अरमान ने द्वितीय तथा शिवा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग में फरमान ने प्रथम, अजीम ने द्वितीय तथा हिमांशु ने तृतीय स्थान हासिल किया। नगर पंचायत की ओर से सभी विजेता प्रतिभागियों को मेडल, ट्रॉफी एवं धनराशि देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान आयोजकों ने विजेता एवं प्रतिभागी युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

प्रतियोगिता के आयोजन में सभासद विनोद सैनी, कन्हैया सैनी, अथर सिद्दीकी एवं सुशील सभासद, महावीर दिनेश ऋषिराज राजबीर ,सहित दौड़ कमेटी के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। जबकि कार्यक्रम का संचालन रविंद्र सैनी ने किया।

घर-घर गीता,हर-घर गीता,जीओ गीता का वैश्विक अभियान

मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार मुजफ्फरनगर के सचिव अतुल कुमार गर्ग ने बताया कि निःशुल्क गीता पाठ,पितृनाम संकीर्तन संध्या का भव्य आयोजन दक्षिणी कृष्णापुरी मे किया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजन के उपरांत अतुल गर्ग द्वारा गणेश वन्दना,ॐनमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र, अक्षर ब्रह्मयोग,अष्टादश श्लोकी का पाठ कराया गया। तत्पश्चात भजनो मे मीनाक्षी शर्मा,नवीन गोस्वामी तथा महेन्द्र रावत, राजेश वर्मा द्वारा राधा जू का जाप एवं पितरों को समर्पित भजनभावो सुनकर उपस्थित श्रद्धालुजन भक्तिभाव मे सराबोर हो गये।भगवताचार्य होतीलाल शर्मा ने पितृ पक्ष के महत्व को विस्तार से समझाया तथा वरिष्ठ समाजसेवी देवराज पंवार द्वारा गीतापाठ के सदस्यों को नगर के अलग- अलग क्षेत्र में घर-

घर गीता, हर घर गीता की जो अलख जगायी जा रही,उनके इस जनकल्याण के पुनीत कार्य के लिए सम्मानित किया गया। गीतापाठ,संकीर्तन मे दीपक गोस्वामी,प्रमोद कुमार, अंकित गर्ग,दीपाली, प्रेमबाला, सुनीता,आशा,सुनीता वर्मा, भावना, वेदप्रकाश ,सत्य प्रकाश,महेंद्रदत्त,बालकराम, विजय कुमार,सुषमा,देवेंद्र शर्मा,हरिरटन शर्मा,मोहन लाल,अजीत,अमरीश,सहदेव इआदि तथा बड़ी संख्या मे मातृशक्ति उपस्थित रही। उपस्थित श्रद्धालुओ का गीताजी की आरती के उपरांत प्रसाद वितरण के बाद कार्यक्रम को विश्राम दिया गया।

नियमित योगाभ्यास बेहद जरूरी

मुजफ्फरनगर। नियमित योगाभ्यास से ही परिवार, समाज तथा राष्ट्र का उत्थान संभव है। उक्त विचार योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने ग्रीन लैण्ड मॉडर्न जूनियर हाई स्कूल मुजफ्फरनगर में व्यक्त किया। सर्वप्रथम योगा ट्रेनर योगाचार्य अंकुर मान ने ओम ध्वनि और गायत्री मंत्र से योग साधना शुरू कराई। उन्होंने ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, सूर्य नमस्कार आसन वज्रासन , उष्ट्रासन तथा शशकासन करवाएं। उन्होंने बच्चों की बुद्धि वर्धक अनुलोम विलोम ,कपालभाति और भ्रामरी प्रणाम करवाएं। इस अवसर पर योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने बताया कि योग एक ऐसी विधा है जो बालकों में संस्कार पैदा करती है तथा परिवार समाज और राष्ट्र का उत्थान योग विद्या से ही संभव है। योग से बच्चों में बचपन से ही अच्छे गुणों का विकास होता है। उनके अंदर

अनुशासन,सहनशीलता, दया, करूणा, परोपकार, देशप्रेम और चरित्र निर्माण होता है। योग से ही बच्चों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास संभव है।इसलिए अपने बच्चों को बचपन से ही योग की शिक्षा दिलानी चाहिए। विद्यालय में प्रतिदिन नियमित योग अभ्यास कराया जाता है। इसका परिणाम है कि विद्यालय के बच्चे योग के क्षेत्र में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच बना चुके हैं।

शिक्षक संघ सदर ब्लॉक का चुनाव सम्पन्न

कृष्ण कुमार शर्मा ब्लाक अध्यक्ष, अनिल कुमार ब्लाक मंत्री चुने गये

मुजफ्फरनगर। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ सदर ब्लाक का चुनाव जूनियर हाईस्कूल शिक्षक भवन महावीर चौक पर निर्धारित समय पर सम्पन्न हुआ, जिसमें कृष्ण कुमार शर्मा ब्लाक अध्यक्ष, अनिल कुमार रथेडी ब्लाक मंत्री, गजाला ब्लाक कोषाध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष अरशद अली संरक्षक चुने गये। आज के चुनाव में पर्यवेक्षक सतीश कुमार जानसठ और शैली छाबडा नगर क्षेत्र रहे। इस अवसर पर सदर लाक के शिक्षक और शिक्षिकाएं काफी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश प्रवक्ता कंवर पाल बालियान, मंडल कार्यकारिणी से मानसी वर्मा, अलका रंजन, जिला अध्यक्ष संजीव बालियान, जिला महामंत्री राजन

वशिष्ठ, जिला कोषाध्यक्ष हरपाल सिंह, मीरा शर्मा, मेनी सेठी, गरिमा गौड, सपना मित्तल, रामधन गुप्ता, अरूणा अरोरा, वंशिका मांगलिक, सीमा सैनी, रूचिरा कुच्छल, अनवर सुल्तान, मौ. उवैस आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीरा शर्मा तथा संचालन अरशद ने किया। इस अवसर पर उपस्थित अध्यापकों को सम्बोधित करते हुए ब्लाक अध्यक्ष एवं मंत्री ने कहा कि हम अध्यापकों की समस्याओं का समाधान करने के लिये हर समय तैयार हैं। उन्होंने उपस्थित समस्त शिक्षकों का आभार भी जताया।

मुजफ्फरनगर में आज भाकियू तोमर की महापंचायत जीआईसी ग्राउंड में गूंजेगी 'किसान बचाओ देश बचाओ' की हुंकार

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की किसान राजनीति के केंद्र मुजफ्फरनगर में एक बार फिर किसानों की समस्याओं को लेकर बड़ा आंदोलन आकार ले रहा है। जनपद के राजकीय इंटर कॉलेज जीआईसी ग्राउंड में 7 अक्टूबर को भारतीय किसान यूनियन तोमर के बैनर तले विशाल 'किसान बचाओ देश बचाओ' महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इस महापंचायत में जनपद ही नहीं, बल्कि आसपास के कई जिलों से हजारों किसानों के जुटने की संभावना है। कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर भारतीय किसान यूनियन तोमर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर

अपनी शीर्ष कार्यकारिणी टीम के साथ जीआईसी ग्राउंड पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया और मंच, बैठने की व्यवस्था, लाउडस्पीकर, सुरक्षा तथा पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपी और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। महापंचायत के दौरान किसानों से जुड़ी कई ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा होगी और सरकार के सामने मांगें रखी जाएंगी बकाया गन्ना भुगतान चीनी मिलों द्वारा गन्ना किसानों के बकाया भुगतान में हो रही देरी। फसलों का उचित मूल्य कृषि उपज के लाभकारी मूल्य की कानूनी गारंटी। बिजली और पानी की दरें: ट्यूबवेल बिजली दरों में राहत और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किसान उत्पीड़न व आवारा पशु, आवारा पशुओं से फसलों के नुकसान और स्थानीय स्तर पर किसानों के उत्पीड़न से मुक्ति। मीडिया से बातचीत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि आज देश का अन्नदाता कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है। 'किसान बचाओ देश बचाओ' महापंचायत का मुख्य उद्देश्य किसानों की दबी हुई आवाज को शासन-प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाना है। उन्होंने दावा किया कि यह महापंचायत ऐतिहासिक होगी और जीआईसी ग्राउंड से किसानों के हक की एक नई लड़ाई की शुरूआत होगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाकियू तोमर के कार्यकताओं ने पिछले कई दिनों से गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया है। कल सुबह से ही ग्राउंड में किसानों का पहुंचना शुरू हो जाएगा। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन त्यागी,, राष्ट्रीय कोषा अध्यक्ष श्रवण त्यागी,शहजाद मालिक ,अंकित गुर्जर,निखिल चौधरी, महबूब बालियान,हनी गुप्ता, आशीष शर्मा,रिहान तोमर, अमित कुमार,अन्य उपस्थित रहे।

रंग संसार

माधुरी दीक्षित की 'चंद्रमुखी' वाली अदाएं देख थम गईं बिग बी की सांसें, भर-भरकर की 'धक-धक गर्ल' की तारीफें

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति के नए प्रोमो माधुरी दीक्षित को केबीसी की हॉट सीट पर देखा जा सकता है। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा उनकी डांस परफॉर्मेंस ने बटोरी है। यहां तक कि इस डांस परफॉर्मेंस पर बिग बी भी उन्हें देखते रह गए। 'कौन बनेगा करोड़पति' में अमिताभ बच्चन के बर्थडे वीक एपिसोड में 'कोण होणार करोड़पति' की होस्ट माधुरी दीक्षित एक कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हुईं। शो के दौरान, उन्होंने 'देवदास' फिल्म के अपने किरदार 'चंद्रमुखी' की झलक दिखाई, जिसे देखकर अमिताभ बहुत खुश हुए। माधुरी दीक्षित ने दिखाई दिल जीतने वाली अदाएं

प्रोमो में अमिताभ कंप्यूटर से माधुरी के लिए एक गाना बजाने के लिए कहते हैं। गुलाबी रंग के शानदार लिबास में, एक्ट्रेस अपनी जगह पर बैठे-बैठे ही फिल्म 'देवदास' के गाने 'काहे छेड़ मोहे' पर परफॉर्म करती हैं। अमिताभ उनकी परफॉर्मेंस से काफी प्रभावित दिखते हैं और उनकी तारीफ करते हैं। जब ऑडियंस चीयर करती है और माधुरी अपनी अदाएं दिखाती हैं, तो होस्ट ताली बजाते हुए कहते हैं, 'क्या बात है ! कमाल है, कमाल है माधुरी जी' ।सोनी लिव ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, 'माधुरी का अंदाज, सबके लिए खास। देखिए कौन बनेगा करोड़पति, सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर'। प्रोमो देखकर अमिताभ बच्चन की तरह फैंस ने भी एक्ट्रेस की खूब तारीफ की।

अमिताभ हाल ही में नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 अऊं में नजर आए थे। अब वे जल्द ही प्रभास और कमल हासन के साथ इसके सीक्वल में काम करेंगे। हालांकि, अभी वे केबीसी के 18वें सीजन की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो अभी टेलीकास्ट हो रहा है।

राज काज

केंद्र सरकार ने 10000 करोड़ के एसएमई ग्रोथ फंड को दी मंजूरी

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने उद्यमियों प्रोत्साहित करने और देश के MSMEs सेक्टर की ग्रोथ के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार की ओर से छोटे और मझोले उद्यमों (SME) के लिए 10,000 करोड़ के रटए ग्रोथ फंड को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को इस फंड को हरी झंडी दी। इसका उद्देश्य ऐसे छोटे और मझोले उद्योगों को बिजनेस शुरू करने और उसके विस्तार के लिए फंड उपलब्ध कराना है। इस फंड से उन उद्यमियों को सीधा फायदा होगा जिनमें तेजी से बढ़ने और बड़े उद्यम बनने की क्षमता है, लेकिन पूंजी की कमी उनके ग्रोथ में बाधा बन रही है। यह फंड ट्रेडिशनल बैंक लोन की तरह नहीं होगा। इसके जरिए सरकार योग्य SMEs में डायरेक्ट इक्विटी निवेश करेगी। यानी कंपनियों को केवल कर्ज नहीं, बल्कि रिस्क कैपिटल भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे नई मशीनरी, टेक्नोलॉली, उत्पादन क्षमता और बाजार विस्तार पर निवेश कर सकें। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी 2026 में पेश किए गए केंद्रीय बजट में इस फंड की घोषणा की थी। बजट में इसे "भविष्य के चैंपियन उद्यम" तैयार करने की पहल बताया गया था। सरकार का लक्ष्य ऐसे रटए२ की पहचान करना है जो एम्प्लोयमेंट जेनेरेशन, एक्सपोर्ट, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।सरकार की MSME रणनीति के तहत यह फंड तीन प्रमुख स्तंभों—इक्विटी सपोर्ट, लिक्विडिटी सपोर्ट और प्रोफेशनल सपोर्ट का हिस्सा है। इक्विटी सपोर्ट के लिए 10,000 करोड़ का यह फंड बनाया गया है, जबकि माइक्रो उद्यमों को रिस्क कैपिटल उपलब्ध कराने के लिए आत्मनिर्भर भारत (SRI) फंड में 2,000 करोड़ की अतिरिक्त राशि देने की भी घोषणा की गई थी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत में बड़ी संख्या में SMEs बैंक लोन पर निर्भर हैं, लेकिन विस्तार के लिए उन्हें इक्विटी पूंजी की जरूरत होती है। ऐसे में यह फंड उन कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है जो अगले स्तर पर पहुंचना चाहती हैं, निर्यात बढ़ाना चाहती हैं या नई तकनीक अपनाना चाहती हैं देश की अर्थव्यवस्था में MSME क्षेत्र का योगदान करीब 30% GDP और 45% निर्यात के आसपास माना जाता है।

दैनिक राशिफल बुधवार 07 अक्टूबर 2026

मेष – समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

वृष – नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे।

मिथुन : सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा।

कर्क – समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

सिंह– यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या – शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी।

तुला – खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

वृश्चिक – समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

धनु – कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

कुंभ – सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

मीन – शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

दैनिक पंचांग

7 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.43 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	08.58 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.14 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.19 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.05 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.38 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.09 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.49 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.47 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.00 बजे से
12.00 से 1.30		सिंह	02.17 बजे से
बजे तक		कन्या	04.28 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 280 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वादशी 23.17 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 21.41 बजे को समाप्त।
योग शुभ 02.52 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 11.54 बजे तदनन्तर तैतिल 23.17 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 25'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872855
जूलियन दिन 2461320.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 25
विशेष कृष्ण कल्कि द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कंपनी बाग का वेंडिंग जोन फिर फंसा, तीसरी बार भी टेंडर निरस्त

कंपनी बाग के सामने 265 मीटर लंबाई में प्रस्तावित है वेंडिंग जोन, एक करोड़ से अधिक का बजट भी तय–तीन साल से योजना कागजों में, पहले लगाए गए कियोस्क भी नहीं हो सके आबाद

मुजफ्फरनगर। शहर में बढ़ती भीड़ और सड़क किनारे लगने वाले ठेलों एवं अस्थायी दुकानों को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से कंपनी बाग के सामने प्रस्तावित वेंडिंग जोन की योजना लगातार खिंचती जा रही है। करीब तीन वर्ष पहले तैयार की गई इस योजना को अब तक धरातल नहीं मिल पाया है। वेंडिंग जोन विकसित करने के लिए हाल ही में निकाली गई निविदा में भी केवल एक ही निविदा आने के कारण उसे निरस्त करना पड़ा। अधिकारियों के अनुसार यह तीसरी बार है, जब निविदा प्रक्रिया निरस्त हुई है। ऐसे में करीब 265 मीटर लंबाई में प्रस्तावित वेंडिंग जोन की स्थापना एक बार फिर आगे खिसक गई है।

तीन साल पहले बनी थी योजना, पहले चाट बाजार के रूप में विकसित करने की थी तैयारी

कंपनी बाग के सामने खाली स्थान और आसपास के क्षेत्र में लगातार बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए करीब तीन वर्ष पहले यहां वेंडिंग जोन विकसित करने की योजना तैयार की गई थी। शुरूआती दौर में इस क्षेत्र को चाट बाजार के रूप में विकसित करने की तैयारी की गई थी, ताकि शहरवासियों को खान-पान की दुकानों के लिए व्यवस्थित स्थान मिल सके और सड़कों पर बेतरतीब तरीके से लगने वाली दुकानों से यातायात व्यवस्था भी प्रभावित न हो। बाद में योजना में बदलाव करते हुए इसे फूड हब के रूप में विकसित करने की दिशा में काम शुरू किया गया। इसके तहत आधुनिक स्वरूप में कियोस्क स्थापित कराने की योजना बनाई गई, ताकि यहां खाद्य पदार्थों से जुड़े कारोबार को एक निश्चित स्थान मिल सके। योजना के तहत एमडीए की ओर से कंपनी बाग के सामने नौ कियोस्क स्थापित कराए गए थे। इन कियोस्क को किराये पर देने के लिए तीन वर्ष की अवधि के लिए नीलामी प्रक्रिया भी कराई गई। बताया गया कि नीलामी में आवेदकों ने हिस्सा लिया और कियोस्क के लिए पंजीकरण भी कराया गया, लेकिन इसके बावजूद किसी भी आवेदक

की ओर से अब तक अनुबंध की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। इसका नतीजा यह रहा कि जिन कियोस्क को शहर के लोगों के लिए व्यवस्थित फूड हब के रूप में विकसित करने की तैयारी की गई थी, वे लंबे समय से आबाद होने का इंतजार कर रहे हैं। कियोस्क स्थापित होने के बावजूद वहां कारोबार शुरू न होने से पूरी योजना की उपयोगिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

अब 265 मीटर लंबाई में नया वेंडिंग जोन विकसित करने की तैयारी

एमडीए ने अब कंपनी बाग के सामने करीब 265 मीटर लंबाई में वेंडिंग जोन विकसित करने की दिशा में नए सिरे से प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए एक करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रस्तावित किया गया है। योजना के तहत क्षेत्र को व्यवस्थित रूप देकर वेंडरों के लिए निर्धारित स्थान उपलब्ध कराने की तैयारी है। इससे उम्मीद थी कि कंपनी बाग के आसपास सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से लगने वाले ठेले और खान-पान की दुकानों को व्यवस्थित स्थान मिल सकेगा। साथ ही लोगों को भी एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकेंगे। लेकिन निविदा प्रक्रिया में लगातार आ रही अड़चन के कारण योजना की शुरूआत में ही देरी हो रही है। वेंडिंग जोन विकसित करने के लिए हाल में एमडीए की ओर से निविदा आमंत्रित की गई थी। अधिकारियों को उम्मीद थी कि इस बार पर्याप्त निविदाएं प्राप्त होने के बाद निर्माण एवं विकास कार्य को आगे बढ़ाया जा सकेगा। लेकिन प्रक्रिया में केवल एक ही निविदा प्राप्त हुई। निविदा प्रक्रिया के नियमों के तहत पर्याप्त प्रतिस्पर्धा नहीं होने के कारण इसे निरस्त कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक इससे पहले भी दो बार निविदा प्रक्रिया को निरस्त किया जा चुका है। यानी अब तक तीन बार टेंडर निरस्त होने से वेंडिंग जोन की स्थापना का रास्ता साफ नहीं हो सका है। वेंडिंग जोन के लिए एक करोड़ रुपये से अधिक का बजट रखा गया है। योजना का उद्देश्य सिर्फ दुकानों के लिए स्थान उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि कंपनी बाग के सामने के क्षेत्र को व्यवस्थित स्वरूप देना भी है। इसके जरिए सड़क किनारे फैलने वाले अस्थायी बाजार को नियंत्रित करने, पैदल राहगीरों के लिए स्थान उपलब्ध कराने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की उम्मीद है।

आगे पुलिस चेकिंग है, कुंडल उतार दो... लिफ्ट देकर महिला के जेवर ले उड़ा स्कूटी सवार

रोहाना मिल के पास शातिर युवक ने पुलिस का डर दिखाकर उतरवाए दोनों कुंडल, महिला को सड़क पर छोड़कर फरार, मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

मुजफ्फरनगर। चरथावल क्षेत्र में लिफ्ट देने के बहाने एक महिला के साथ ठगी कर उसके कानों के कुंडल ले जाने का मामला सामने आया है। शातिर युवक ने पहले महिला को स्कूटी पर लिफ्ट दी और रास्ते में पुलिस चेकिंग का डर दिखाकर उसके जेवर उतरवा लिए। महिला के दोनों कुंडल अपनी जेब में रखने के बाद आरोपी उसे सड़क किनारे उतारकर स्कूटी से फरार हो गया। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी काफी दूर निकल चुका था। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात स्कूटी सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, छपार थाना क्षेत्र निवासी कलसुमन पत्नी शमशेर दो अक्टूबर की सुबह करीब 10:40 बजे छपार से पावटी खुर्द जाने के लिए निकली थीं। महिला रोहाना मिल के पास पहुंची थी। इसी दौरान लाल रंग की स्कूटी पर सवार एक अज्ञात युवक उसके पास पहुंचा। आरोप है कि युवक ने महिला से बातचीत करते हुए उसे आगे तक छोड़ने की बात कही। महिला ने युवक की बात पर भरोसा कर लिया और उसकी स्कूटी पर बैठ गई। युवक स्कूटी लेकर पावटी खुर्द की तरफ चल पड़ा। महिला के मुताबिक, कुछ दूरी तय करने के बाद युवक ने रोहाना मिल रेलवे फाटक से पहले स्कूटी रोक दी। इसके बाद उसने महिला को बताया कि आगे पुलिस की चेकिंग चल रही है और पुलिस महिलाओं के कानों में पहने कुंडल भी उतरवा रही है। अचानक पुलिस चेकिंग और जेवर उतरवाने की बात सुनकर महिला घबरा गई। युवक ने इतनी सफाई से बात कही कि महिला को उसकी बात पर संदेह नहीं हुआ। आरोप है कि युवक के कहने पर महिला ने अपने कानों में पहने दोनों कुंडल उतार दिए। महिला के दोनों कुंडल उतारने के बाद आरोपी ने उन्हें अपने पास रख लिया। इसके बाद उसने महिला को स्कूटी से नीचे उतार दिया। महिला को उम्मीद थी कि युवक उसे आगे तक छोड़ देगा, लेकिन जेवर हाथ लगते ही आरोपी ने स्कूटी दौड़ा दी और मौके से फरार हो गया। कुछ ही देर में महिला को युवक की चालाकी का एहसास हुआ। उसने शोर मचाकर आसपास मौजूद लोगों को घटना की जानकारी दी। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे और आरोपी की तलाश करने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वह स्कूटी लेकर काफी दूर जा चुका था।

पुलिस की जांच में लाल रंग की स्कूटी अहम सुराग

घटना के बाद पीड़िता थाने पहुंची और पुलिस को पूरी घटना बताई। महिला ने आरोपी की पहचान के संबंध में पुलिस को उपलब्ध जानकारी दी। पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में आरोपी की पहचान के लिए पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल सकती है। रोहाना मिल, रेलवे फाटक और आसपास के रास्तों पर लगे कैमरों से लाल रंग की स्कूटी की गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस के नाम पर डराकर जेवर उतरवाने का तरीका

घटना में आरोपी ने महिला को पुलिस का नाम लेकर डराया और इसी बहाने उसके जेवर उतरवा लिए।

इस तरह की घटनाओं में बदमाश पहले भरोसा कायम करते हैं और फिर पुलिस कार्रवाई या किसी अन्य डर का हवाला देकर लोगों से उनके जेवर या नकदी अपने कब्जे में ले लेते हैं।

चरथावल क्षेत्र में हुई इस घटना ने राहगीरों को भी सतर्क रहने का संदेश दिया है।

शुकतीर्थ से उठी किसान अधिकार की आवाज मेरठ तक पहुंची, हजारों किसानों के साथ सड़कों पर उतरी कांग्रेस

फफूंडा में किसान सभा में गन्ना भुगतान, एमएसपी, महंगी बिजली और बढ़ती कृषि लागत के मुद्दे गूंजे; लोहियानगर में धरनारत किसानों से मिले कांग्रेस नेता, एमडीए से जुड़ी समस्याओं को लेकर समर्थन का भरोसा

मेरठ। किसानों के अधिकार, सम्मान और न्याय की आवाज को मजबूती देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं किसान कांग्रेस की ओर से निकाली जा रही किसान अधिकार यात्रा सोमवार को चौथे दिन मेरठ जिले में पहुंची। यात्रा के दौरान फफूंडा, हापुड़ रोड पर किसान सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने लोहियानगर पहुंचकर धरने पर बैठे किसानों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। कांग्रेस नेताओं ने किसानों के आंदोलन को समर्थन देते हुए उनके मुद्दों को संबंधित अधिकारियों के सामने उठाने का भरोसा दिलाया। किसान अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं ने किसानों से जुड़े गन्ना भुगतान, न्यूनतम समर्थन मूल्य, खाद-बीज की उपलब्धता, महंगी कृषि बिजली, खेती की बढ़ती लागत, सिंचाई, आवारा पशुओं से फसलों की

सुरक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों की अन्य समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। नेताओं ने कहा कि किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत किए बिना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत नहीं किया जा सकता।

फफूंडा में किसान सभा में जुटे किसान

फफूंडा, हापुड़ रोड पर आयोजित किसान सभा का आयोजन ज्ञानेंद्र भड़ाना द्वारा किया गया। सभा की मेजबानी अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला, किसान कांग्रेस पश्चिमी जोन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज चौधरी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रोहित जाखड़ ने की। सभा में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला ने कहा कि किसान अधिकार यात्रा का उद्देश्य किसानों के बीच पहुंचकर उनकी वास्तविक समस्याओं को समझना और उनकी आवाज को मजबूती से उठाना है। उन्होंने कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। खाद, बीज, डीजल, बिजली और कृषि उपकरण महंगे होने के कारण किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य मिलना चाहिए। गन्ना किसानों के भुगतान में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। किसान कांग्रेस किसानों के अधिकार और सम्मान की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी।

रोहित जाखड़ बोले- पश्चिमी यूपी की पहचान किसान और खेती से

वरिष्ठ कांग्रेस नेता रोहित जाखड़ ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की पहचान किसान और खेती से है। इसके बावजूद गन्ना किसानों के बकाये, आवारा पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान, कृषि लागत में बढ़ोतरी, सिंचाई और ग्रामीण सुविधाओं से जुड़े सवाल आज भी किसानों के सामने हैं। उन्होंने कहा कि किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तो गांवों की अर्थव्यवस्था, रोजगार और स्थानीय व्यापार भी मजबूत होगा। किसान अधिकार यात्रा किसानों के इन्हीं सवालों को प्रमुखता से उठाने का माध्यम है।

रोहित जाखड़ ने राजनीतिक मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश में किसानों और नौजवानों की आवाज निर्भीकता से उठाने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों, नौजवानों, वंचितों और बेरोजगारों का दमन रोकने के लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि सत्ता परिवर्तन ही इन समस्याओं का निवारण कर सकता है। मेरठ किसान अधिकार यात्रा के समन्वयक अजय दामोदर शर्मा ने कहा कि मेरठ में किसान अधिकार यात्रा को किसानों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। किसान अपनी समस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

मोरना के यूसुफपुर में बिना मानकों के कटी अवैध कॉलोनी: नाले पर भी किया कब्जा, गांव में मंडराया महामारी का खतरा

यूसुफपुर में भू-माफियाओं के बढते दुस्साहस से सरकार को भारी राजस्व का नुकसान

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र में अवैध कॉलोनाइजिंग का कारोबार प्रशासनिक अनदेखी के चलते लगातार फल-फूल रहा है। मोरना ब्लॉक क्षेत्र के यूसुफपुर गांव में नियमों और मानकों को ठेंगा दिखाकर अवैध कॉलोनी काटने का मामला सामने आया है। प्लाटिंग करने वाले भू-माफिया सीधे-सादे ग्रामीणों को महंगे दामों पर जमीन बेचकर चांदी काट रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है।

नाले को समतल कर मिलाया प्लाट में

यूसुफपुर निवासी शिकायतकर्ता राहुल समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि गांव के अथाई मार्ग पर बिना विकास प्राधिकरण के लेआउट पास कराए अवैध रूप से प्लाटिंग का काम धड़ल्ले से जारी है। आरोप है कि भू-माफियाओं ने अपने निजी फायदे के लिए गांव के मुख्य जल निकासी वाले नाले को मिट्टी डालकर समतल कर दिया और उसे प्लाटिंग के हिस्से में मिला लिया। नाला बंद होने के कारण गांव का गंदा पानी सड़कों और रास्तों पर जमा हो रहा है, जिससे पूरे इलाके में जलभराव की स्थिति बन गई है। सड़क और आबादी के बीच पानी रुकने से क्षेत्र में भीषण बदबू और मच्छरों का प्रकोप अत्यधिक बढ़ गया है। ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की है कि यदि समय रहते गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो गांव में डेंगू, मलेरिया जैसी घातक संक्रामक बीमारियां फैल सकती हैं।

जांच और कठोर कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने शासन और मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (MDA) के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि अथाई मार्ग पर की जा रही अवैध प्लाटिंग की तत्काल स्थलीय जांच कराई जाए। साथ ही, सरकारी नाले को भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराकर जल निकासी बहाल की जाए और अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसा जाए।

खतौली में सेवा संकल्प एवं सड़क सुरक्षा अभियान:छात्र-छात्राओं का नुक्कड़ नाटक, दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

श्री कुन्द कुन्द जैन कॉलेज में लोक प्रशासन व सुशासन पर हुआ विशेष व्याख्यान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश शासन एवं मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के निदेर्शानुसार स्थानीय श्री कुन्द कुन्द जैन पीजी कॉलेज में सोमवार को ह्यसेवा संकल्प अभियान एवं सड़क सुरक्षा अभियानह्ण के अंतर्गत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने जहाँ एक ओर नुक्कड़ नाटक के जरिए आमजन को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया, वहीं दूसरी ओर लोक प्रशासन विभाग द्वारा सुशासन और जनकल्याण विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत कॉलेज के विद्यार्थियों ने नगर के प्रमुख शिव मूर्ति एवं रेलवे रोड क्षेत्र में उतरकर प्रभावशाली अभिनय और संवादों के माध्यम से नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। विद्यार्थियों ने सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारणों–जैसे बिना हेलमेट दोपहिया चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करना,

शराब के नशे में ड्राइविंग, ओवरस्पीडिंग तथा ट्रैफिक लाइट/संकेतों की अनदेखी–से होने वाले भयानक दुष्परिणामों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। छात्राओं व छात्रों ने राहगीरों से अपील की कि वे अपनी सुरक्षा के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के जीवन की सुरक्षा के प्रति भी सजग और जिम्मेदार रहें। सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारीः प्राचार्या

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना केवल पुलिस या सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी है। नियमों का पालन जीवन रक्षा की पहली शर्त है। अंत में सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों व उपस्थित नागरिकों ने सड़क सुरक्षा नियमों का ईमानदारी से पालन करने और दूसरों को प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिन कुमार, सीमा तोमर, राधा रानी, विकास जैन, अरीबा, संजीव कुमार एवं सुधीर कुमार का विशेष योगदान रहा। इसी कड़ी में महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान व लोक प्रशासन विभाग द्वारा विद्यार्थियों की प्रशासनिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से ह्यलोक प्रशासन : सुशासन एवं जनकल्याण में भूमिकाह्ण विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रा इरम, प्रियांशी एवं साक्षी ने भी अपने शोधपरक विचार प्रस्तुत किए। मुख्य वक्ता डॉ. अर्चना एवं डॉ. नीरजा गुप्ता ने लोक प्रशासन की मूलभूत अवधारणाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रभावी लोक प्रशासन का मुख्य ध्येय सरकारी योजनाओं, नीतियों और सुविधाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी, निष्पक्ष व त्वरित रूप से पहुंचाना है।

मोरना के ओमानन्द गर्ल्स कॉलेज में वार्षिकोत्सव: मेधावियों को 5100 की नकद राशि व ट्रॉफी, ऋतिका व प्रियांशी बनीं कॉलेज टॉपर

गांव बेहड़ा सादात में छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव बेहड़ा सादात में मोरना-जानसठ मार्ग पर स्थित स्वामी कल्याणदेव ओमानन्द गर्ल्स डिग्री कॉलेज में मंगलवार को फेयरवेल एवं मेधावी सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेधावी छात्राओं को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी, शील्ड एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं छात्राओं ने एक से बढ़कर एक मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। वाणिज्य में ऋतिका और कला वर्ग में प्रियांशी का जलवा

समारोह के दौरान महाविद्यालय के शैक्षणिक परिणामों में अव्वल रहने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। वाणिज्य (B.Com) वर्ग की छात्रा ऋतिका ने पूरे महाविद्यालय में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम

स्थान हासिल किया। वहीं कला (B.A.) वर्ग की छात्रा प्रियांशी ने 80 प्रतिशत अंकों के साथ कॉलेज में पहला स्थान पाया। दोनों टॉपर छात्राओं को मुख्य अतिथियों व महाविद्यालय परिवार द्वारा 5100-5100 रुपये की नकद राशि व ट्रॉफी प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया गया। इसके अलावा बी.ए. में द्वितीय स्थान पाने वाली अलिशबा, तृतीय स्थान पर रही अंजलि, तथा बी.कॉम में द्वितीय स्थान हासिल करने वाली शिखा और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली तनु को भी शील्ड व मेडल देकर सम्मानित किया गया। समारोह में छात्राओं ने शिक्षा के महत्व पर आधारित नुक्कड़ नाटक का भावुक मंचन किया। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई, जिसमें छात्राओं ने 'घूमर-घूमर', 'रंगीलो मारो ढोलना', 'जूती ले दे सोनिया', 'राधा तेरी चुनरी' और 'राधा तेरा छल्ला' जैसे प्रसिद्ध गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर पूरे सभागार को तालियों से गूंजने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी विदाई ले रही छात्राओं को डॉक्यूमेंट फाइल भेंट की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंधक अमित पंवार ने की, जबकि मंच संचालन सुमैय्या रहमान द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर आनंद राणा, यतेंद्र कुमार, कपिल तोमर, सुभाष बाबू, बाबू प्रकाशवीर, बबलू प्रधान, डॉ. असजद, नोमान अली, प्राचार्य पवन कुमार, सुभाष कुमार, सुमन देवी, रिंकू देवी, हिमांशी चौधरी, फरियाल, बीना शर्मा तथा अश्वनी कुमार सहित पूरा कॉलेज स्टाफ व छात्राएं मौजूद रहीं।

खतौली में सठेड़ी में निकली गज रथ यात्रा: भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु, गूंजे भगवान महावीर के जयकारे

अतिशयक्षेत्र श्री 1008 महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर महावीरांचल में मना महोत्सव

खतौली (मुजफ्फरनगर)। ग्राम सठेड़ी स्थित प्रसिद्ध अतिशयक्षेत्र श्री 1008 महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर महावीरांचल में सोमवार को वार्षिक गज रथ यात्रा महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास, धूमधाम एवं धार्मिक आस्था के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर खतौली नगर सहित आसपास के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से भारी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रभु भक्ति का आनंद लिया और पुण्य अर्जित किया। अतिथियों ने किया दीप प्रज्वलन व चित्र अनावरण

महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में मुजफ्फरनगर के मुख्य विकास अधिकारी (CDO) कमल किशोर जैन, प्रवीन जैन तथा राजेश जैन (मुजफ्फरनगर) उपस्थित रहे, जबकि मेरठ से दिनेश चंद्र जैन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जो आयुष जैन, पूजा जैन एवं समवाय जैन परिवार (खतौली) द्वारा संपन्न कराया गया। इसके उपरांत गोपी चंद्र

अग्रवाल तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भगवान के चित्र का अनावरण किया। गज रथ यात्रा का आधिकारिक उद्घाटन किसान चंद्र जैन, अजय जैन एवं अभय जैन ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के पश्चात भगवान श्री महावीर स्वामी की मनमोहक प्रतिमा को भव्य एवं आकर्षक रूप से सजाए गए गज रथ में विराजमान कराया गया। जैसे ही रथ यात्रा आगे बढ़ी, पूरा महावीरांचल क्षेत्र "त्रिशला नंदन वीर की, जय बोलो महावीर की" और भगवान महावीर के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने हाथ जोड़कर और भक्ति नृत्य करते हुए यात्रा की अगवानी की, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। समारोह में दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन को सुलभ बनाने के लिए बसों की व्यवस्था सतेन्द्र कुमार जैन एवं अंकित कुमार जैन की ओर से की गई थी। वहीं, कार्यक्रम के अंत में ध्रुव जैन तथा सुयश जैन द्वारा विशाल प्रसाद (वात्सल्य भोज) का प्रबंध किया गया।

महोत्सव को सकुशल और भव्य रूप से संपन्न कराने में अतिशय क्षेत्र मंदिर की कार्यकारिणी, सकल दिगंबर जैन समाज खतौली के पदाधिकारियों, युवाओं और महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का सहदय आभार प्रकट किया।

मुजफ्फरनगर में जनगणना कार्य की बड़ी लापरवाही:99 स्कूलों के प्रधानाचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी, मचा हड़कंप

निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बावजूद शिक्षकों एवं कर्मचारियों का नहीं भेजा डाटा

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में शिथिलता बरतना मुजफ्फरनगर जिले के दर्जनों विद्यालयों के प्रशासनिक प्रमुखों पर भारी पड़ता दिख रहा है। आगामी जनगणना 2027 के द्वितीय चरण से संबंधित महत्वपूर्ण तैयारियों में लापरवाही बरतने पर जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग ने अत्यंत कड़ा रुख अख्तियार किया है। निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का अनिवार्य विवरण (डाटा) उपलब्ध न कराने पर 99 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और सहायक अध्यापकों को एक साथ संयुक्त रूप से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

58 माध्यमिक और 41 परिषदीय विद्यालय निशाने पर

जिला जनगणना कार्यालय से प्राप्त कड़े निदेशों और समीक्षा के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आया।

जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की गई है। जारी नोटिस के तहत माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत कुल 58 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं अध्यापकों को नोटिस थमाया गया है। जबकि बेसिक शिक्षा विभाग के कुल 41 परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं सहायक अध्यापकों से जवाब-तलब किया गया है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में कारण बताओ नोटिस जारी होने से लापरवाही बरत रहे विद्यालय प्रबंधनों और शिक्षकों में अफरा-तफरी का माहौल है।

16 नवंबर को मांगा गया था डाटा, अब तक अधर में

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आगामी जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के सुचारू संपादन के लिए बीते 16 नवंबर को ही सभी सरकारी व सहायता प्राप्त विद्यालयों से कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों का पूरा विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। पर्याप्त समय दिए जाने के बावजूद दर्जनों विद्यालयों ने इस दिशा में कोई रुचि नहीं दिखाई। तय समय बीत जाने के बाद भी डाटा जमा न कराया जाना जनगणना जैसे अति-महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में घोर अनुशासनहीनता व शिथिलता माना गया है।

कठोर दंडात्मक कार्रवाई की दी गई चेतावनी

जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि जिला स्तर से प्राप्त 99 विद्यालयों की सूची के आधार पर माध्यमिक शिक्षा के 58 और बेसिक शिक्षा के 41 विद्यालयों को चिह्नित कर नोटिस जारी कर दिए गए हैं। नोटिस में स्पष्ट रूप से ताकीद की गई है कि यदि निर्धारित प्रारूप के अनुसार सॉफ्ट और हार्ड कॉपी में शिक्षकों व कर्मियों का संपूर्ण डाटा तत्काल प्रभाव से जमा नहीं कराया गया, तो संबंधित प्रधानाचार्यों के विरुद्ध विभागीय नियमों के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, वृंदावन में शादी का दावा... दो बच्चों की मां प्रेमी के घर पहुंची तो युवक फरार

बुढ़ाना के पीठ बाजार में हाईवोल्टेज मामला, महिला ने प्रेमी के परिजनों पर मारपीट का लगाया आरोप; युवक घर पर नोट छोड़कर गायब, पुलिस महिला को थाने ले गई

बुढ़ाना । बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के पीठ बाजार में सोमवार को इंस्टाग्राम पर शुरू हुई दोस्ती और कथित शादी का मामला अचानक सामने आने से हड़कंप मच गया। दो बच्चों की मां बताई जा रही एक महिला अपने कथित प्रेमी शुभम के घर पहुंच गई। महिला का दावा है कि इंस्टाग्राम के जरिए दोनों की दोस्ती हुई थी और इसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। महिला के मुताबिक उसने शुभम के साथ वृंदावन में शादी भी की थी और पिछले करीब आठ महीने से दोनों साथ रह रहे थे।

महिला के अचानक घर पहुंचने के बाद मामला उस समय और उलझ गया, जब शुभम घर से फरार हो गया। महिला ने शुभम के परिजनों पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं, बताया जा रहा है कि शुभम घर पर एक नोट छोड़कर गया है, जिसमें अपनी मर्जी से घर छोड़कर जाने की बात लिखी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को थाने ले गई।

इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती

हरियाणा निवासी महिला का दावा है कि उसकी शुभम से मुलाकात इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। सोशल मीडिया पर बातचीत के दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और बाद में दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। महिला के अनुसार, संबंध आगे बढ़ने के बाद शुभम करीब आठ महीने तक उसके साथ रहा। महिला का कहना है कि दोनों ने वृंदावन जाकर शादी भी की थी। हालांकि, शादी से संबंधित उसके दावे और पूरे मामले की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

दो बच्चों की मां प्रेमी के घर पहुंची तो मचा हंगामा

सोमवार को महिला अचानक बुढ़ाना के पीठ बाजार स्थित शुभम के घर पहुंच गई। महिला के वहां पहुंचते ही परिवार

और आसपास के लोगों के बीच मामला चर्चा का विषय बन गया। महिला ने खुद को शुभम की पत्नी बताते हुए उसके साथ रहने का दावा किया। महिला के अनुसार, वह शुभम के साथ रहने और अपने रिश्ते को लेकर बात करने के लिए उसके घर पहुंची थी। इसी दौरान विवाद की स्थिति बन गई।

महिला ने लगाया मारपीट का आरोप

महिला ने आरोप लगाया कि शुभम के घर पहुंचने के बाद उसके परिजनों ने उसके साथ मारपीट की। महिला के आरोपों के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को थाने ले गई। पुलिस ने महिला की शिकायत और उसके द्वारा लगाए गए आरोपों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

महिला के पहुंचते ही शुभम घर से फरार मामले में सबसे बड़ा मोड़ उस समय आया, जब महिला के घर पहुंचने के बाद शुभम वहां से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि शुभम घर पर एक नोट छोड़कर गया है। नोट में कथित तौर पर उसने अपनी मर्जी से घर छोड़कर जाने की बात लिखी है।

पुलिस अब युवक की तलाश और नोट की सत्यता समेत पूरे मामले की जांच कर रही है। युवक के सामने आने के बाद ही मामले की दूसरी तस्वीर भी साफ होने की उम्मीद है।

महिला का दावा- पहले खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर चुका है शुभम

महिला ने यह भी दावा किया कि शुभम पहले ब्लेड से खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर चुका है। महिला के इस दावे को लेकर भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक ने घर छोड़ने से पहले ऐसा कोई कदम क्यों उठाया और उसके पीछे वास्तविक कारण क्या है।

पति के एक्सीडेंट की झूठी खबर देकर महिला को घर से बुलाया, जंगल में ले जाकर चार ने किया गैंगरेप!

पुरकाजी में सनसनीखेज वारदात से मचा हड़कंप, मुख्य आरोपी वाहिद बोलेरो समेत गिरफ्तार, तीन नामजद आरोपी अभी फरार, पुलिस की दबिश जारी

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी कस्बे में एक महिला को उसके पति के साथ हादसा होने की झूठी सूचना देकर घर से बाहर बुलाने और फिर कार से जंगल में ले जाकर चार युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने तेजी दिखाते हुए मामले के मुख्य आरोपी वाहिद पुत्र मुसव्वर निवासी दधेडू खुर्द, थाना चरथावल को पुरकाजी बाईपास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल बताई जा रही बोलेरो कार भी बरामद की है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की न्यायिक प्रक्रिया शुरू हुई। वहीं मामले में नामजद तीन अन्य आरोपी अभी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, महिला का पति काम के सिलसिले में बाहर गया हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान मुख्य आरोपी वाहिद ने महिला के घर फोन

किया। उसने महिला को बताया कि उसके पति का एक्सीडेंट हो गया है और वह गंभीर हालत में है। पति के साथ हादसे की सूचना मिलते ही महिला घबरा गई और बिना देर किए घर से बाहर निकल आई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी महिला को अपने साथ लेकर कार में बैठ गया। कार में उसके अन्य साथी भी मौजूद थे। महिला को यह विश्वास दिलाया गया कि उसके पति के साथ हादसा हुआ है और उसे अस्पताल ले जाया जा रहा है। लेकिन आरोपी उसे अस्पताल ले जाने के बजाय पुरकाजी बाईपास के आसपास जंगल की तरफ ले गए। तहरीर के मुताबिक, बाईपास के पास जंगल में पहुंचने के बाद चारों आरोपियों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोप है कि महिला ने विरोध किया तो उसे धमकाया गया। घटना के बाद आरोपियों ने महिला को किसी को जानकारी देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। घटना के बाद महिला किसी तरह अपने घर पहुंची। जब उसका पति वापस घर आया तो महिला ने पूरी घटना की जानकारी उसे दी। इसके बाद पति ने पुलिस को मामले की जानकारी देते हुए तहरीर दी। पीड़िता के पति की तहरीर के आधार पर थाना पुरकाजी पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मुकदमा दर्ज होते ही पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी।

ग्राम्य विकास मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन

अर्चना शर्मा बनीं जिलाध्यक्ष, योगेंद्र सिंह को महामंत्री की जिम्मेदारी, 21 नवंबर को लखनऊ में होने वाले प्रांतीय अधिवेशन में मुजफ्फरनगर से कम से कम पांच पदाधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान

मुजफ्फरनगर। ग्राम्य विकास मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश की जनपद शाखा मुजफ्फरनगर की नवीन कार्यकारिणी का मंगलवार को विकास भवन स्थित सभागार में आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन के दौरान सर्वसम्मति से गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में अर्चना शर्मा को अध्यक्ष और योगेंद्र सिंह को महामंत्री चुना गया। चुनाव प्रक्रिया प्रांतीय पदाधिकारियों की देखरेख में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को सुबह 11 बजे विकास भवन, मुजफ्फरनगर के सभागार में विकास विभाग के सामान्य संवर्ग के लिपिकीय कर्मचारियों का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता ग्राम्य विकास मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री हृदयराम यादव ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभागीय कर्मचारी एवं संगठन से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रांतीय महामंत्री हृदयराम यादव ने बताया कि ग्राम्य विकास मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश का प्रांतीय अधिवेशन आगामी 21 नवंबर 2026 को लखनऊ में प्रस्तावित है। प्रांतीय अधिवेशन से पहले विभिन्न जनपदों में संगठन की कार्यकारिणी का गठन किया जाना है। इसी क्रम में मुजफ्फरनगर की पुरानी कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन के प्रांतीय पत्र संख्या 157, दिनांक 20 जुलाई 2026 के माध्यम से प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय कुमार तोमर को जनपद मुजफ्फरनगर की नवीन कार्यकारिणी के गठन के लिए चुनाव अधिकारी

नियुक्त किया गया था।

दो वर्ष से अधिक समय बाद हुआ नई कार्यकारिणी का गठन

सम्मेलन में बताया गया कि जनपद मुजफ्फरनगर की पूर्व कार्यकारिणी के गठन को दो वर्ष से अधिक समय बीत चुका था। वहीं पूर्व अध्यक्ष अरविंद बालियान के सेवानिवृत्त होने के कारण नई कार्यकारिणी का गठन आवश्यक हो गया था। प्रांतीय महामंत्री ने अध्यक्ष की अनुमति से पूर्व कार्यकारिणी को भंग करते हुए नामित चुनाव अधिकारियों को नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए अधिकृत किया। इसके बाद चुनाव अधिकारियों ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चुनाव प्रक्रिया शुरू कराई। सम्मेलन में मौजूद कर्मचारी साथियों के बीच पदाधिकारियों के चयन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। सभी पदों पर सर्वसम्मति बनने के बाद नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

अर्चना शर्मा अध्यक्ष, योगेंद्र सिंह बने महामंत्री

नवगठित जनपद कार्यकारिणी में अर्चना शर्मा को अध्यक्ष, योगेंद्र सिंह को महामंत्री, रिजवान अहमद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मोहित पाल को उपाध्यक्ष, मौहम्मद शाहिद को कोषाध्यक्ष, अंजली सिंह को संगठन मंत्री, लक्ष्य भाटिया को संयुक्त मंत्री, पंकज कुमार बालियान को मीडिया प्रभारी तथा गौरव कुमार त्यागी को ऑडिटर चुना गया। इसके अतिरिक्त अभिजीत अष्टावक्र, सारंगा भाद्वाज, कुलवंत सिंह, अंकुश कुमार, कुलदीप एवं सचिन कुमार को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया। वहीं वरिष्ठतम कर्मचारी साथी होने के कारण प्रशासनिक अधिकारी अशरफ अली को कार्यकारिणी में संरक्षक मनोनीत किया गया।

सपा कार्यकताओं ने पार्टी कार्यालय पर किया जोरदार प्रदर्शन

प्रतीकात्मक घड़ा फोड़कर पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई और किसान समस्याओं को लेकर भाजपा सरकार पर साधा निशाना

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी द्वारा समाजवादी पार्टी को लेकर लगाए गए आरोपों के विरोध में मंगलवार को समाजवादी पार्टी कार्यकताओं ने पार्टी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। सपा नेता शमशेर मलिक के नेतृत्व में जुटे कार्यकताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और प्रतीकात्मक रूप से ॡपाप का घड़ाॡ फोड़कर सरकार की नीतियों पर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने प्रदेश में बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक, किसानों की समस्याओं, भ्रष्टाचार और महिला सुरक्षा समेत कई मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

प्रदर्शन के दौरान सपा नेता शमशेर मलिक ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ॡभारतीय जनता पार्टी के पाप का घड़ा भर चुका है और जनता 2027 में इस घड़े को वोट की चोट से फोड़ने का काम करेगी।ॡ उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार को करीब

दस वर्ष होने जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आम जनता की समस्याएं कम होने के बजाय लगातार बढ़ रही हैं।

हर वर्ग सरकार से परेशान

शमशेर मलिक ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में छात्र, नौजवान, किसान, व्यापारी, महिलाएं और कर्मचारी समेत समाज का कोई भी वर्ग पूरी तरह संतुष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि युवाओं के सामने रोजगार का संकट है, प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं और पेपर लीक जैसी घटनाओं से छात्रों में निराशा बढ़ी है। उन्होंने महंगाई को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी के घरेलू बजट पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य, नौजवानों को रोजगार और व्यापारियों को अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने के दावों के बावजूद जमीनी स्तर पर समस्याएं बनी हुई हैं। सपा कार्यकताओं ने प्रदर्शन के दौरान जिस प्रतीकात्मक घड़े को फोड़ा, उस पर भाजपा सरकार के खिलाफ कई मुद्दों को दशार्या गया था। घड़े पर पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई, किसान समस्याएं, भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली, खराब सड़कें, बिजली, महिला सुरक्षा, शिक्षा का व्यापारीकरण और पेंशन जैसे मुद्दे लिखे गए थे।

डेंगू ने बढ़ाई चिंता, जिले में 13 मरीज, दो नए मामलों से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

लगातार बढ़ रहे संक्रमण के बीच घर-घर जागरूकता पर जोर, ठहरे पानी को लेकर लोगों को किया जा रहा सतर्क-मच्छरों के प्रजनन स्थल खत्म करने की अपील

मुजफ्फरनगर। जिले में डेंगू का प्रकोप धीरे-धीरे बढ़ता नजर आ रहा है। दो नए मरीजों में डेंगू की पुष्टि होने के बाद जिले में इस सीजन में सामने आए संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। लगातार नए मामले सामने आने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ी है। विभाग की ओर से लोगों को डेंगू से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जा रहा है और घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देने की अपील की जा रही है। जिले में डेंगू के दो नए मामलों की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही डेंगू संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 13 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग संक्रमण की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। नए मामले सामने आने के बाद लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।;स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि डेंगू से बचाव में सबसे महत्वपूर्ण कदम मच्छरों के प्रजनन

स्थलों को खत्म करना है। घरों के आसपास लंबे समय तक पानी जमा रहने से मच्छरों के पनपने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में लोगों से नियमित रूप से घर और आसपास का निरीक्षण करने को कहा जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के सामने डेंगू की रोकथाम में सबसे बड़ी चुनौती घरों और आसपास जमा होने वाला पानी है। कूलर, गमले, पुराने बर्तन, टायर, छतों पर रखे सामान और अन्य स्थानों पर जमा पानी में मच्छरों के पनपने की आशंका रहती है। इसी को देखते हुए लोगों से कहा जा रहा है कि घर में रखे कूलर का पानी नियमित रूप से बदला जाए। गमलों और अन्य बर्तनों में पानी जमा न होने दें। छतों और आसपास भी कहीं पानी एकत्रित हो तो उसे तत्काल साफ किया जाए। डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग की टीमें लोगों को लगातार जागरूक करने में जुटी हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों को मच्छरों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। लोगों को अपने घरों और आसपास साफ-सफाई रखने तथा पानी को जमा न होने देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी अलका सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें डेंगू से बचाव के लिए लोगों को जागरूक कर रही हैं। मच्छरों से बचाव के साथ-साथ आसपास स्वच्छता रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

मौसम में बदलाव के बीच मच्छरों की सक्रियता को देखते हुए डेंगू से बचाव के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग का जोर इस बात पर है कि संक्रमण बढ़ने से पहले ही मच्छरों के पनपने के स्थानों को खत्म किया जाए। अधिकारियों का कहना है कि केवल स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। यदि प्रत्येक परिवार अपने घर और आसपास पानी जमा नहीं होने देगा तो मच्छरों के प्रजनन पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है।

सिसौली पहुंचे राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप, बाबा टिकैत को नमन कर किसानों से की सीधी बातचीत

किसान भवन में अखंड पाठ में हुए शामिल, बाबा टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि; राकेश टिकैत से मुलाकात कर किसान मुद्दों पर की चर्चा

मुजफ्फरनगर। किसान नेता स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की जयंती पर मंगलवार को सिसौली स्थित किसान भवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप पहुंचे। राज्यमंत्री ने किसान भवन में चल रहे अखंड पाठ में शामिल होकर बाबा टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने किसान नेताओं और भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों से मुलाकात कर किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। राज्यमंत्री के सिसौली पहुंचने पर किसान नेताओं और भाकियू पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। नरेंद्र कश्यप ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से संवाद किया और बाबा टिकैत के किसान हित में किए गए संघर्ष को याद किया।

अखंड पाठ में शामिल हुए राज्यमंत्री, बाबा टिकैत को किया नमन

किसान भवन पहुंचने के बाद राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप अखंड पाठ में शामिल हुए। उन्होंने बाबा टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान

किसान भवन में मौजूद लोगों ने भी बाबा टिकैत को याद किया। राज्यमंत्री ने कहा कि बाबा महेंद्र सिंह टिकैत ने अपना पूरा जीवन किसानों के हक और सम्मान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठाया और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उनका संघर्ष और योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

राज्यमंत्री बोले- बाबा टिकैत का संघर्ष आज भी प्रेरणादायक

नरेंद्र कश्यप ने कहा कि बाबा टिकैत का जीवन किसानों के संघर्ष और समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बाबा टिकैत ने किसानों को संगठित किया और उन्हें अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का साहस दिया।बउन्होंने कहा कि बाबा टिकैत की जयंती केवल उन्हें श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके संघर्ष, विचारों और किसानों के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेने का दिन भी है। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत से भी मुलाकात की। दोनों के बीच किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर बातचीत हुई। इस दौरान किसान नेताओं और भाकियू पदाधिकारियों ने भी राज्यमंत्री के सामने किसानों से संबंधित मुद्दों को रखा। राज्यमंत्री ने किसानों की बात सुनी और किसान हित से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

किसान नेताओं ने किया राज्यमंत्री का स्वागत

नरेंद्र कश्यप के किसान भवन पहुंचने पर किसान नेताओं और भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। राज्यमंत्री ने भी कार्यक्रम में मौजूद किसानों और पदाधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि किसानों की भूमिका देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण है और किसानों से जुड़े विषयों पर संवाद लगातार जारी रहना चाहिए। उन्होंने बाबा टिकैत के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि किसानों के हित में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। बाबा टिकैत की जयंती पर सिसौली पहुंचे राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप की मौजूदगी कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उन्होंने धार्मिक आयोजन में सहभागिता करने के साथ किसान नेताओं से संवाद किया और बाबा टिकैत को श्रद्धांजलि दी।

सोने के नाम पर तांबा, चांदी के नाम पर एल्युमिनियम! ज्वेलर्स की दुकान पर ग्राहकों का हंगामा

10-12 लाख रुपये की ज्वेलरी खरीदने का दावा, जांच में आभूषणों की धातु बदली होने का आरोप; पुलिस ने कहा- तहरीर मिलने पर होगी कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मदीना चौक के पास स्थित मां भगवती ज्वेलर्स की दुकान पर मंगलवार को उस समय हंगामा हो गया, जब कुछ ग्राहकों ने ज्वेलरी की गुणवत्ता को लेकर गंभीर आरोप लगाए। ग्राहकों का आरोप है कि दुकान से उन्हें सोने के नाम पर तांबे और चांदी के नाम पर एल्युमिनियम के आभूषण दिए गए। आरोप है कि तांबे के आभूषणों पर सोने की परत चढ़ाकर उन्हें सोने की ज्वेलरी के रूप में बेचा गया। हंगामे की सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली।

इमरान कॉलोनी निवासी ग्राहक नईम ने आरोप लगाया कि उन्होंने मां भगवती ज्वेलर्स से करीब 10 से 12 लाख रुपये की सोने और चांदी की ज्वेलरी बनवाई थी। काफी समय बाद जब उन्होंने अपने आभूषणों की जांच मोती महल में कराई तो कथित तौर पर आभूषणों की धातु को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। नईम के मुताबिक, जांच में कुछ ऐसे आभूषण सामने आए, जिन्हें सोने का बताया गया था, लेकिन उनमें तांबा होने की बात कही गई। इसी तरह चांदी के नाम पर दिए गए कुछ आभूषणों के एल्युमिनियम के होने का आरोप लगाया गया। ग्राहक जैनब ने बताया कि वह लंबे समय से मां भगवती ज्वेलर्स से आभूषण खरीदती रही हैं।

उनके मुताबिक उन्होंने दुकान से कई जोड़ी पाजेब, पंजाबी बालियां, कुंडल समेत अन्य आभूषण बनवाए। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने रिश्तेदारों को भी इसी दुकान से ज्वेलरी खरीदने की सलाह दी थी। जैनब का आरोप है कि पहले भी ज्वेलरी को लेकर शिकायत सामने आई थी, जिसके बाद दुकानदार की ओर से सामान बदलकर दिया गया था। हाल ही में वह अपने कुंडल बदलवाने के लिए मोती महल पहुंचीं। वहां ज्वेलरी की जांच कराए जाने के दौरान कथित तौर पर उन्हें बताया गया कि कुंडल सोने के नहीं, बल्कि तांबे के हैं। इसके बाद उन्होंने मामले की जानकारी अन्य ग्राहकों को दी और दुकान पर पहुंचकर अपनी शिकायत रखी। मामले की जानकारी मिलने के बाद कई ग्राहक दुकान पर पहुंच गए। ग्राहकों ने अपनी ज्वेलरी की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए और दुकानदार से आभूषण बदलकर वास्तविक सोने-चांदी की ज्वेलरी देने की मांग की। इस दौरान दुकान पर काफी देर तक हंगामा होता रहा। ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने अपनी ज्वेलरी दुकानदार को वापस करने और उसके स्थान पर सही धातु के आभूषण उपलब्ध कराने की मांग रखी है। ग्राहकों के अनुसार, दुकानदार की ओर से सामान बदलने के लिए बुधवार सुबह 11 बजे का समय दिया गया है। अब ग्राहकों की नजर इस बात पर है कि निर्धारित समय पर उनकी ज्वेलरी बदली जाती है या

विधायक पंकज मलिक के आवास पर उमड़े क्षेत्रवासी

सड़क, बिजली, पानी समेत विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे लोग, तत्काल निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के विधायक पंकज मलिक ने मंगलवार को अपने आवास पर क्षेत्र से पहुंचे लोगों के साथ जनसुनवाई की। सुबह से ही बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी अपनी व्यक्तिगत और क्षेत्रीय समस्याएं लेकर विधायक से मिलने पहुंचे। विधायक ने लोगों की शिकायतें केवल सुनी ही नहीं, बल्कि कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को तत्काल फोन मिलाकर समस्या की जानकारी दी और कार्रवाई के निर्देश दिए। कुछ शिकायतों का मौके पर ही समाधान कराया गया, जबकि अन्य मामलों में संबंधित विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर जल्द निस्तारण का भरोसा दिलाया गया। विधायक के आवास पर पहुंचे लोगों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं उनके सामने रखीं। लोगों ने स्थानीय स्तर पर लंबित कार्यों, सरकारी विभागों से संबंधित शिकायतों और रोजमर्रा की परेशानियों से विधायक को अवगत कराया। पंकज मलिक ने लोगों को इंतजार कराने के बजाय एक-एक

कर उनकी बात सुनी। उन्होंने शिकायत की पूरी जानकारी लेने के बाद संबंधित विभाग और अधिकारी से संपर्क किया। जिन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत थी, उनमें विधायक ने मौके से ही फोन कर अधिकारियों को कार्रवाई के लिए कहा। जनसुनवाई के दौरान विधायक का अधिकारियों को फोन मिलाकर समस्याओं से अवगत कराने का सिलसिला चलता रहा। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों की जानकारी देते हुए कहा कि लोगों को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से शिकायत की वास्तविक स्थिति जानने के साथ ही आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। कुछ मामलों में अधिकारियों ने जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया, जिसके बाद विधायक ने शिकायतकताओं को भी कार्रवाई की जानकारी दी।

कई समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई, बाकी के लिए अधिकारियों से समन्वय

जनसुनवाई में आई शिकायतों में कुछ ऐसी थीं, जिनमें संबंधित विभाग की तत्काल कार्रवाई जरूरी थी। विधायक ने ऐसे मामलों को प्राथमिकता से अधिकारियों के सामने रखा। वहीं, जिन मामलों में प्रक्रिया पूरी करने या विभागीय जांच की जरूरत थी, उनमें अधिकारियों से समन्वय कर समाधान कराने की बात कही। विधायक ने कहा कि शिकायत मिलने के बाद उसे संबंधित अधिकारी तक पहुंचाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके निस्तारण की स्थिति की जानकारी लेना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और नियमानुसार समयबद्ध तरीके से उनका समाधान होना चाहिए। जनसुनवाई के दौरान लोग व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा अपने गांव, कस्बे और क्षेत्र से जुड़े मुद्दे भी लेकर पहुंचे। लोगों ने स्थानीय सुविधाओं और विभागीय कार्यों से जुड़ी परेशानियों की जानकारी दी। विधायक ने कहा कि क्षेत्र की सामूहिक समस्याओं को भी संबंधित विभागों के सामने लगातार उठाया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि जनता को मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

बोले-जनता के बीच रहना ही जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी

विधायक पंकज मलिक ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल विधानसभा में क्षेत्र की आवाज उठाना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना भी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता किसी भी समस्या को लेकर उनसे सीधे संपर्क कर सकती है। अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्याओं के निस्तारण का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

शिकायतों के निस्तारण की स्थिति पर भी रखी जाएगी नजर

पंकज मलिक ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान सामने आने वाली समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने के साथ उनके निस्तारण की स्थिति की जानकारी भी ली जाएगी।

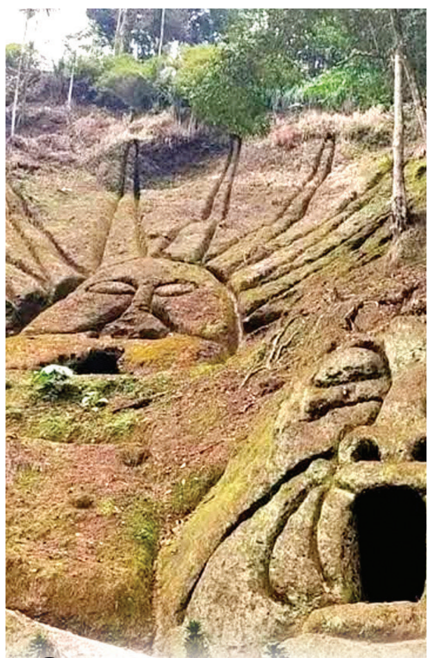

मिट्टी के टीलों के नीचे दबा ये 2000 साल पुराना शहर

दुनिया में कई अजीबों-गरीब चीजें सामने आती हैं, जिसके बारे में हम अनजान रहते हैं। इन अजब-गजब की चीजों में एक ऐसा शहर है, जो लगभग 2000 साल पुराना है। इस शहर को हाल ही में खोजा गया है, जो अमेजन रेनफॉरेस्ट में एक खोया हुआ था। यह शहर अमेजन की जंगलों की गहराई में छिपा हुआ था, जो अमेजन की जंगलों के पहाड़ों के पास स्थित है। कहा जाता है कि इस पुराने शहर में एक समय में लगभग 10 हजार लोगों का घर था, जहां करीब 1000 साल तक लोग रहे हैं।

कई चीजों का मिला है अस्तित्व

2000 साल पुराने शहर से पुरातत्विदों को कई चीजों के अवशेष प्राप्त हुए हैं। पुरातत्विदों के मुताबिक, इस शहर में एक समय में चौड़ी-चौड़ी सड़कें, दुकानें, खेज और नहरें हुआ करती थीं। लेजर सेंसर टेक्नोलॉजी के माध्यम से एंडीज की तलहटी के नीचे सदियों से पड़े मिट्टी के टीलों से शहर के सड़कों के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। यहां की कई सड़कें बिल्कुल सीधी थी। इतना ही नहीं, इस पुराने शहर में जल निकासी वाले गड्ढों और कृषि क्षेत्र भी प्राप्त हुए हैं। शहर की सबसे चौड़ी सड़क लगभग 33 फीट की बताई जा रही है। यह सड़क लगभग 10 से 19 किमी तक जाती है। रिसर्च कर्ताओं के अनुसार, इस शहर में लगभग 10 हजार लोगों का घर था।

रहते थे 15 से 30 हजार लोग

रिसर्च में खुलासा हुआ है कि इस शहर में लगभग 15 से 30 हजार लोग भी रहते थे। ऐसे में यह संख्या रोमन-युग के लंदन के बराबर बताई जा रही है।

टीलों के नीचे दबा था ये शहर

बताया जा रहा है कि अमेजन में छिपा यह शहर टीलों के नीचे दवा हुआ था। इसके बाद यूरोपीय लोग दक्षिण अमेरिका पहुंचे। बताया जा रहा है कि इस शहर के बारे में लगभग 20 साल पहले पहली बार पता चला है। इस क्षेत्र में मिट्टी के टीले देखे थे। लोगों को इस बात का यकीन नहीं हो रहा है कि शहर इतना प्राचीन है। फिलहाल इस पर अभी भी खोज जारी है।

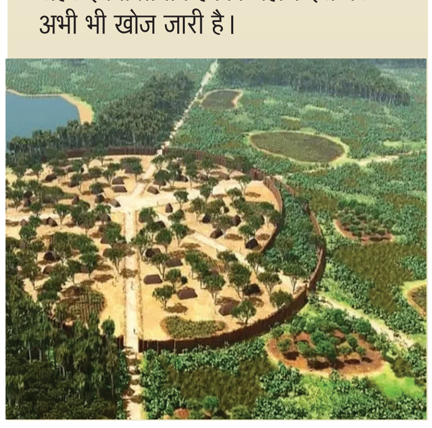

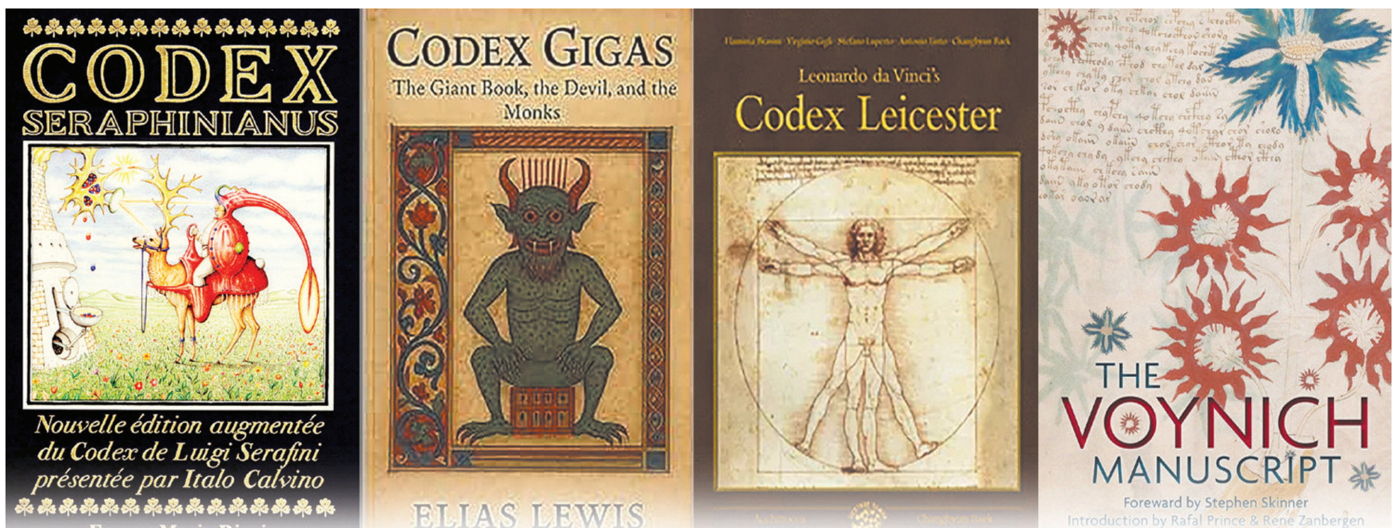

दुनिया की अनोखी किताबें

क्या है 'शैतान की बाइबिल'

दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे छोटी पुस्तक

किताबें ज्ञान का भंडार होती हैं। इनमें मनुष्य की कल्पना, अनुभव, इतिहास, विज्ञान, भावनाएं और भविष्य के सपने समाए होते हैं। किताबें सिर्फ शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि सभ्यता की स्मृति और संस्कृति की संवाहक भी होती हैं। ये हमें न सिर्फ सूचनाएं देती हैं, बल्कि सोचने, समझने और महसूस करने की शक्ति भी प्रदान करती हैं। चाहे वो किसी वैज्ञानिक का शोध हो, किसी कवि की कल्पना, किसी दार्शनिक का चिंतन या फिर किसी कलाकार की रचनात्मक उड़ान..हर पुस्तक अपने भीतर एक नई दुनिया समेटे होती है। कुछ किताबें हमारे भीतर प्रश्न पैदा करती हैं, कुछ उत्तर देती हैं, और कुछ जीवन की दिशा ही बदल देती हैं। दुनिया में कुछ किताबें अपनी अनोखी विशेषताओं, रहस्यमयी सामग्री या असाधारण रचना के कारण प्रसिद्ध हैं। आज हम आपके लिए ऐसी ही कुछ अनोखी किताबों की जानकारी लेकर आए हैं।

कोडेक्स सेराफिनियानस

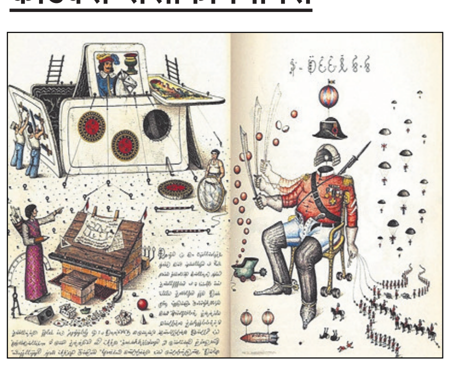

इसे लिखा है लुइगी सेराफिनी ने। 1976-78 के बीच लिखी गई यह किताब एक काल्पनिक दुनिया की झलक पेश करती है। इसमें रंग-बिरंगे, विचित्र चित्र हैं..जैसे पौधे जो किताबें उगाते हैं, उड़ने वाली मछलियां और इंसान-मशीन का मिश्रण। इसकी लिपि को 'सेराफिनी स्क्रिप्ट' कहा जाता है, जो पूरी तरह अज्ञात और डिकोड न होने वाली है। इसे कुछ लोग कला का नमूना मानते हैं, तो कुछ इसे एलियन सभ्यता का दस्तावेज कहते हैं। इसकी सीमित छपाई के कारण यह बहुत दुर्लभ और महंगी है।

वोइनिच पांडुलिपि

इसके लेखक अज्ञात हैं। ये 240 पन्नों की 15वीं सदी की अज्ञात लिपि में लिखी गई किताब है, जिसे आज तक कोई समझ नहीं पाया। इसमें पौधों, खगोलीय चित्रों और मानव आकृतियों के विस्तृत रेखाचित्र हैं जो किसी अज्ञात सभ्यता या कोड में लिखे प्रतीत होते हैं। यह दुनिया के सबसे बड़े रहस्यों में से एक मानी जाती है।

कोडेक्स गिगास

कोडेक्स गिगास को जिसे 'शैतान की बाइबिल' भी कहा जाता है। ये 13वीं सदी की एक विशाल पांडुलिपि है, जिसका वजन 75 किलो और लंबाई 36 इंच है। इसमें बाइबिल, ऐतिहासिक और चिकित्सा ग्रंथ शामिल हैं..साथ ही शैतान की एक विशाल तस्वीर भी है। एक किंवदंती के अनुसार, इसे एक भिक्षु ने एक रात में शैतान की मदद से लिखा था। यह स्वीडन की रॉयल लाइब्रेरी में रखी गई है और दुनिया की सबसे रहस्यमयी किताबों में से एक है।

द कोडेक्स लेस्टर

लियोनार्डो द विंची द्वारा लिखी गई ये किताब दुनिया की सबसे महंगी किताबों में से एक है। इसे बिल गेट्स ने 1994 में 30.8 मिलियन डॉलर (लगभग 200 करोड़ रुपये) में खरीदा था। 72 पन्नों का यह वैज्ञानिक जर्नल द विंची की हस्तलिपि में है, जिसमें जीवाश्म, पानी की गति और चंद्रमा के प्रकाश जैसे विषयों पर उनके विचार हैं। यह उनकी बुद्धिमत्ता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

दुनिया की सबसे बड़ी किताब

दुनिया की सबसे बड़ी हस्तनिर्मित पुस्तक को हंगरी के छोटे से गाँव Szinpetri में बनाया गया था। इस पुस्तक का नाम है Our Fragile Natural Heritage और इसे बेला वर्गा और उनके बेटे गाबोर वर्गा ने मिलकर तैयार किया था। इसका वजन 1420 किलोग्राम है और इसके एक पन्ने को पलटने के लिए छह लोगों की जरूरत होती है। इसमें भूभाग, वातावरण और गुफाओं की जानकारी है। यह लकड़ी की मेज और गाय के चमड़े से बनी है, जो इसे विशाल और अनोखा बनाती है।

दुनिया की सबसे मोटी किताब

अगाथा क्रिस्टी द्वारा लिखी गई किताब दुनिया की सबसे मोटी किताबों में से एक है। इसका वजन 8 किलोग्राम और 4032 पन्ने हैं। यह रहस्यमयी कहानियों का संग्रह है, जो इसे रोचक और अनोखा बनाता है। इसमें मिस मार्पल एक बुजुर्ग महिला जासूस हैं, जो इंग्लैंड के एक छोटे से गांव सेंट मैरी मीड में रहती हैं और जटिल केस सुलझाती हैं।

दुनिया की सबसे छोटी किताब

जापान की टोप्पन प्रिंटिंग कंपनी ने 2012 में Shiki no Kusabana (Seasons of Flowers) नाम की एक किताब बनाई, जिसका आकार 0.75 मिमी × 0.75 मिमी है। इसे माइक्रोस्कोप से पढ़ा जाता है और इसमें फूलों के चित्र और जापानी पाठ हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे दुनिया की सबसे छोटी किताब के रूप में मान्यता दी है।

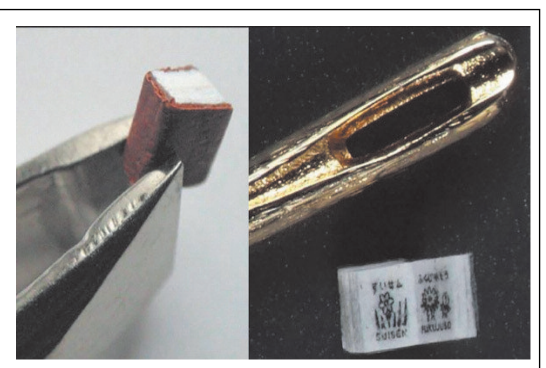

क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय डाक दिवस और इसका ऐतिहासिक महत्व

भारत में हर साल 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय डाक दिवस मनाया जाता है, जो भारतीय डाक सेवा की स्थापना की वर्षगांठ है। इसी दिन 1954 में भारतीय डाक सेवा की शुरुआत हुई थी और इसलिए इसे राष्ट्रीय डाक दिवस के रूप में चुना गया। यह अवसर देश में डाक सेवाओं संचार और वाणिज्य में उनके योगदान का सम्मान करता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य डाक सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है और लोगों को उनकी सेवाओं के बारे में जागरूक करना है। आपको बता दें, भारतीय डाक सेवा न केवल पत्रों और पार्सलों की डिलीवरी करती है। बल्कि वित्तीय सेवाएं सरकारी सेवाएं और विभिन्न प्रकार की सुविधा भी प्रदान करती हैं। डाक सेवा ही केवल एक माध्यम हुआ करता था। जब ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोग एक दूसरे से जुड़ पाए थे। एक दूसरे की बातों को समझ पाए थे और अपनी बात को दूसरे लोगों तक पहुंचा पाते थे।

राष्ट्रीय डाक दिवस का इतिहास

अगर भारतीय डाक सेवा के इतिहास के बारे में बात करें तो भारतीय डाक सेवा की स्थापना 10 अक्टूबर 1954 को शुरू हुई थी। जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने पहली बार भारत में डाक सेवा शुरू की थी। इस ऐतिहासिक घटना की उपलक्ष में हर साल 10 अक्टूबर को भारतीय डाक दिवस सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य डाक सेवा के महत्व को उजागर करते हुए लोगों में इसकी भूमिका को स्वीकार करना है। भारतीय डाक सेवा विभाग ने वर्षों से देश के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह सेवा केवल पत्रों और पार्सल के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वित्तीय सेवाएं बीमा और अन्य सुविधाएं भी प्रदान करती हैं। डाक सेवा की मदद से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के हर कोने में विकास और समृद्धि का संचार हुआ है।

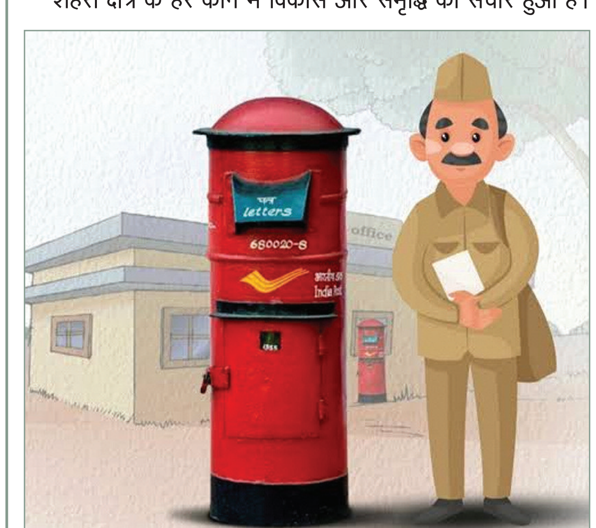

राष्ट्रीय डाक सप्ताह

राष्ट्रीय डाक सप्ताह का आयोजन हर साल लोगों को भारतीय डाक विभाग के योगदान से अवगत कराने के लिए किया जाता है। इस सप्ताह का प्रत्येक दिन एक विशेष विषय को समर्पित होता है। 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय डाक दिवस मनाया जाता है, इसके बाद 11 अक्टूबर को पीएलआई दिवस मनाया जाता है, 12 अक्टूबर को डाक टिकट संग्रह दिवस मनाया जाता है, 13 अक्टूबर को व्यापार दिवस मनाया जाता है, 14 अक्टूबर को बीमा दिवस मनाया जाता है और अंत में 15 अक्टूबर को मेल दिवस मनाया जाता है। इस दौरान राष्ट्र डाक दिवस पर ग्राहकों को डाक बचत योजना और अन्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाती है। जिससे विभिन्न योजनाओं के लाभ उठा सके। इस सप्ताह का उद्देश्य लोगों को डाक सेवाओं के महत्व से परिचित कराना है। उनके जीवन में इसके योगदान को उजागर करना।

ये है 300 साल पुरानी चट्टान, लोगों के बीच बना है रहस्य

दुनिया में कई ऐसी अजीबों-गरीब चीजें हैं, जिसके बारे में काफी कम लोगों को पता होती हैं। इन अजीबों-गरीब चीजों में एक ऐसी चट्टान है, जो कुछ सालों नहीं बल्कि 300 साल पुरानी है। आश्चर्य की बात यह है कि इसे एक रहस्यमयी चट्टान के रूप में जाना जाता है, क्योंकि इसकी तरह पर अजीब-अजीब सी आकृतियां बनी हैं। इस चट्टान को डाइटन रॉक के नाम से जाना जाता है। करीब 300 साल पुराना यह चट्टान कई लोगों को हैरानी में डालता है।

आखिर कैसे बनी चट्टान पर अजीबो-गरीब आकृति?

चट्टान पर बनी आकृतियां पेट्रोग्लिफ हैं, इन आकृतियों को बनाने के लिए सीधी रेखाओं और जियोमेट्रीकल आकृतियों का प्रयोग होता है। ऐसे में ये सोचने वाली बात है कि इस तरह की आकृति इस चट्टान पर किसने बनाई। वहीं, इस चट्टान पर बनी आकृति का मलतब क्या है, इस बारे में आज भी तलाश चल रही है। जिसे आजतक कोई सुलझा नहीं पाया पाया है।

कहां है डाइटन रॉक?

मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, डाइटन रॉक अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य के बर्कले टाउन में स्थित एक म्यूजियम है। यहां इस चट्टान को सुरक्षित तरीके से रखा गया है। डाइटन रॉक को अमेरिका की टॉनटन नदी के तल से सन् 1963 में निकालकर म्यूजियम में स्थापित किया गया है। इस चट्टान का नाम 'डाइटन' शहर के नाम पर रखा गया है, क्योंकि यह चट्टान उसी शहर में पाया गया है। विद्वानों का कहना है कि चट्टान की सतह पर बनी आकृतियों 17वीं शताब्दी से बनी हैं। लेकिन इसपर बनी आकृति का क्या अर्थ है, इस बारे में अभी भी लोगों में संदेह है।

कैसे आकार की है डाइटन रॉक?

डाइटन चट्टान ग्रे ब्राउन के बलुआ पर्थर से बना है, जो लगभग 5 फीट ऊंचा और 9.5 फीट चौड़ा है। इस चट्टान के छड किनारों में से पेट्रेग्लिफ आकृतियां बनी है। इस चट्टान का वजन लगभग 40 टन बताया जा रहा है।

डाइटन रॉक के पीछे का क्या है रहस्य?

इस चट्टान पर बनी आकृति दुनियाभर के लोगों के सामने एक रहस्य बना है। क्योंकि इसपर बनी हुई पेट्रोग्लिफ्स आकृतियों का क्या अर्थ है और इसे क्यों और किसने बनाया है, इस बारे में अबतक कोई नहीं जानता हैं। कई एक्सपर्ट के इस गुत्थी को सुलझाने की कोशिश की है, लेकिन फिर भी अबतक ये गुल्थी सुलझ नहीं पाई है। हालाकि, पेट्रोग्लिफ्स आकृति की उत्पत्ति की कई थ्योरीज सामने आई हैं। 19वीं सदी में डेनिश इतिहासकार कार्ल क्रिश्चियन रफ़न का कहना है कि इन आकृतियों को नक्काशी वाइकिंग्स द्वारा बनाई गई थी। वहीं, अलग-अलग एक्सपर्ट इसपर अलग-अलग बातें करते हैं।

श्रीकृष्ण जन्म, वामन अवतार और श्रीराम चरित्र का हुआ भावपूर्ण वर्णन

नोएडा। सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट के निकट हेलीपैड ग्राउंड में भारत विकास परिषद, नोएडा की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चतुर्थ दिवस मंगलवार को श्री वामन अवतार, श्रीराम चरित्र, श्रीकृष्ण जन्म और भव्य नंदोत्सव के प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आते ही पूरा वातावरण नंद के घर आनंद भयो... के जयघोष से गूंज उठा। कथा व्यास आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज ने श्रीमद्भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए भगवान विष्णु के वामन अवतार की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान का प्रत्येक अवतार धर्म की स्थापना और अधर्म के विनाश का संदेश देता है। श्रीराम चरित्र के माध्यम से उन्होंने मर्यादा, त्याग, सत्य और कर्तव्य के महत्व को समझाया। भगवान श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग के दौरान कथा स्थल का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ श्रीकृष्ण जन्म का उत्सव मनाया। इसके बाद आयोजित भव्य नंदोत्सव में श्रद्धालुओं ने नंद बाबा के घर जन्मे लल्ला की खुशी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। भजन और मंगलगीतों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज ने पितृ पक्ष मे श्रीमद्भागवत श्रवण के विशेष महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा मनुष्य को भक्ति के साथ संस्कार और सदाचार का मार्ग दिखाती है। श्रद्धा एवं भाव से भागवत श्रवण करने से मन को शांति और जीवन को सकारात्मक दिशा मिलती है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय रामप्रसाद जी त्रिपुरा स्पीकर एवं पूर्व गृहमंत्रि मिजोरम, गोपाल कृष्ण अग्रवाल बीजेपी प्रवक्ता ने कथा व्यास का माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। कथा के मुख्य यजमान डॉ. वी.के. गुप्ता एवं श्रीमती रीना गुप्ता रहे।

भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा एवं स्वच्छता की समुचित व्यवस्था की गई है। कथा के उपरांत प्रतिदिन भंडारा एवं प्रसाद वितरण भी किया जा रहा है।

भाजपा से उठ गया देश की जनता का भरोसा अब समाजवादी पार्टी ही है एकमात्र विकल्प : पंडित रवि शर्मा

नोएडा। नोएडा सेक्टर 22 आर डब्लू ए संरक्षक, ब्राह्मण रक्षा दल के अध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पंडित रवि शर्मा ने दावा किया है कि अब देश की जनता का भरोसा भारतीय जनता पार्टी से उठ गया है। 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब समाजवादी पार्टी की सरकार का बनना तय है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार कर रहे थे उस समय उन्होंने कहा था ना खाऊंगा- ना खाने दूंगा और अच्छे दिन आने वाले हैं। लेकिन तभी से देशवासियों के बुरे दिन शुरू हो। गए महंगाई और बेरोजगारी लगातार आसमान की तरफ बढ़ती गई। जनता में सरकार के प्रति आक्रोश के बावजूद भी जब हर राज्य में बीजेपी की सरकार बनने लगी तभी लोगों को शक था लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कारगुजारियों का जो काला चिट्ठा खुला है उसने पूरे देशवासियों को हिला कर रख दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ही नहीं जो अधिकारी जहां कुर्सी पर बैठा है वहां उसकी तानाशाही चल रही है। जनता की, जनप्रतिनिधियों की कहीं कोई सुनवाई नहीं है। देश में आम जनता के जेब पर बढ़ता बोझ और महंगाई की वजह है आए दिन पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और सीएनजी की कीमतों का बढ़ना। लोग कर्ज के बोझ तले लगातार दबे जा रहे हैं।

लोन पर लोन और ईएमआई के चक्कर में उनकी जिंदगी घनचक्कर बनकर रह गई है। देश में, प्रदेश में, जगह-जगह हो रहे धरना प्रदर्शन ने साफ संकेत दे दिया है कि जनता अब मौजूदा सरकार से खुश नहीं है और अब आने वाले समय में इन्हें दोबारा मौका देना अपने बच्चों को मौत देने के जैसा होगा। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में एक बार फिर समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है और इसके रुझान अभी से मिलने शुरू हो गए हैं। बड़े-बड़े दिग्गज नेता समाजवादी पार्टी की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं क्योंकि जो सम्मान जनता को समाजवादी पार्टी सरकार में मिला है वह सम्मान भाजपा सरकार में एक मंत्री को भी नहीं मिल पाया है।

विभिन्न देशों के 40 सदस्यीय सिविल सेवकों के प्रतिनिधिमंडल ने गौतमबुद्धनगर के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किया संवाद

गौतमबुद्धनगर। विभिन्न देशों के 40 सदस्यीय सिविल सेवकों के प्रतिनिधिमंडल ने एनसीजीजी टीम के साथ जनपद गौतमबुद्धनगर का प्रशासनिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित कर जिले की प्रशासनिक व्यवस्था, कार्यप्रणाली, विकास मॉडल तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के प्रारंभ में सम्बंधित अधिकारियों द्वारा प्रतिनिधिमंडल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी व डिप्टी कलेक्टर डॉ0 पूर्वा शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को जनपद की प्रशासनिक संरचना, शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली तथा जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर की भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन शासन की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। जिला कलेक्टर के दायित्वों में राजस्व प्रशासन का संचालन, विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय, आपदा प्रबंधन, निर्वाचन कार्यों का निष्पादन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्रमुख रूप से शामिल है।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में तीन तहसील सदर, दादरी एवं जेवर तथा तीन विकास खंड बिसरख, दादरी एवं जेवर संचालित हैं। इसके अतिरिक्त जनपद में छह नगर निकाय भी कार्यरत हैं। प्रशासनिक व्यवस्था में जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो एवं लेखपाल सहित विभिन्न स्तरों के अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से शासन की योजनाओं एवं नीतियों को प्रभावी रूप से आमजन तक पहुंचाया जाता है।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन के सिद्धांतों को प्राथमिकता देते हुए तकनीकी नवाचार एवं ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है। जनसुनवाई, ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली तथा विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में भी प्रतिनिधिमंडल को विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पीएम पोषण योजना, जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) सहित राज्य सरकार की शादी अनुदान योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना प्रमुख हैं।

एमएलसी चुनावों को लेकर भाजपा नोएडा महानगर ने की बैठक

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर की एक महत्वपूर्ण बैठक महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर उपस्थित रहे। बैठक में आगामी स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों की तैयारियों, संगठनात्मक रणनीति एवं कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने कहा कि एमएलसी चुनाव संगठन के लिए महत्वपूर्ण अवसर हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे चुनाव को लेकर अभी से पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ जुट जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं से निरंतर संपर्क स्थापित करे, नए मतदाताओं को जोड़ने के साथ-साथ पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कराने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि स्नातक एवं शिक्षक वर्ग समाज के प्रबुद्ध और जागरूक वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए भाजपा कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में किए जा रहे विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाना होगा। उन्होंने संगठन की शक्ति को चुनाव की सफलता का आधार बताते हुए कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक समन्वय और संपर्क मजबूत करने एवम मतदाता संपर्क, मतदाता सूची के सत्यापन, नए मतदाताओं पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि भाजपा नोएडा महानगर आगामी एमएलसी चुनावों को लेकर पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाना होगा। उन्होंने संगठन के अभियानों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

बैठक में आगामी चुनाव को लेकर क्षेत्रवार एवं संगठनात्मक जिम्मेदारियों, मतदाता संपर्क अभियान और चुनावी रणनीति पर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय अध्यक्ष जी के मार्गदर्शन में पूरी सक्रियता के साथ चुनाव की तैयारियों में जुटने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी द्वारा मनीष शर्मा को प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

बैठक में उपाध्यक्ष विनोद त्यागी, अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, ओमवीर अवाना, संजय बाली, चुनाव संयोजक सुशील शर्मा, युद्धवीर चौहान, डिंपल आनंद, महेश अवाना, नरेश शर्मा, राजेंद्र अवाना, उमेश त्यागी, अशोक मिश्रा, राजकुमार बंसल, पंकज झा, बबलू यादव , मीनाक्षी चौहान , प्रज्ञा शर्मा , मनीष वाल्मीकि, मुक्तानंद प्रधान, भूपेश चौधरी, नीरज चौधरी सत्यनारायण महावर, रामनिवास यादव, रामकिशन यादव, गौतम शर्मा, मनीष तिवारी, सुनीता शर्मा, अनुभूति टंडन, कल्लू सिंह, साईमा चौधरी, रोशनी सिंह, दीपक शर्मा, पीसी पंचोली, विनय गुप्ता, बच्चेलाल सिंह, विनोद पारीक, प्रवीण झा, गोपाल गौड, राहुल सक्सेना, उत्कर्ष सिन्हा सहित समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य और बेहतर जीवन के लिए भावातीत ध्यान पर परिचयात्मक कार्यक्रम

नई दिल्ली। स्पिरिचुअल रीजेनेरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा पुलिस कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव कम करने और बेहतर जीवन के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस ट्रेनिंग सेंटर, सेक्टर-9, द्वारका, दिल्ली में भावातीत ध्यान (ट्रान्सेंडेंटल मेडिटेशन) पर एकदिवसीय परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 141 प्रशिक्षु पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और प्रशिक्षण ले रहे कर्मियों को भावातीत ध्यान के बारे में जानकारी देना और यह समझाना था कि यह रोजमर्रा के जीवन में मानसिक शांति, स्पष्ट सोच और आंतरिक संतुलन बनाए रखने में किस प्रकार सहायक हो सकता है।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बताया गया कि भावातीत ध्यान एक सरल, प्राकृतिक और सहज तकनीक है। इसमें मन को जबरदस्ती किसी एक चीज पर लगाने या विचारों को रोकने की कोशिश नहीं की जाती। अभ्यास के दौरान मन स्वाभाविक रूप से शांत होता है और शरीर को गहरा आराम मिलता है।

कार्यक्रम के दौरान महर्षि महेश योगी की एक संक्षिप्त वीडियो प्रस्तुति भी दिखाई गई। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को ध्यान, चेतना और मानव क्षमता के विकास से जुड़े उनके विचारों के बारे में जानने का अवसर मिला।

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा योग और प्राणायाम सत्र भी रहा। इसमें प्रतिभागियों को आसान योग अभ्यास, स्ट्रेचिंग, विश्राम और सरल श्वास अभ्यास कराए गए। इन अभ्यासों का उद्देश्य शरीर और मन को आराम देने तथा दैनिक जीवन में स्वस्थ आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

स्पिरिचुअल रीजेनेरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से पूजा वशिष्ठ और गौरव ठाकुर ने प्रतिभागियों के साथ संवाद किया और भावातीत ध्यान से जुड़ी जानकारी साझा की। योग एवं प्राणायाम सत्र का संचालन डॉ. मंदीप अवाना ने किया।

कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस ट्रेनिंग सेंटर की ओर से इंस्पेक्टर सतीश कुमार, एसआई निशा बालियान, एसआई बलराम सिंह, एसआई सुनील कुमार, एसआई नीरज कुमार, एसआई पवन कुमार, एसआई मनोज कुमार, एसआई वीरेंद्र कुमार, एसआई राजेश, एएसआई अशोक कुमार, एमटीएस पवन और एमटीएस धीरेंद्र उपस्थित रहे।

संजीव आर्य से मिले कांग्रेसी नेता, गौतमबुद्ध नगर-नोएडा के राजनीतिक एवं संगठनात्मक मुद्दों पर हुई चर्चा

नोएडा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर एवं स्टेट कोऑर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा ने मंगलवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व विधायक एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी संजीव आर्य जी से शिष्टाचार भेंट की,इस दौरान नेताओं ने गौतमबुद्ध नगर एवं नोएडा की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों,कांग्रेस संगठन को मजबूत करने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। साथ ही क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।

पुरुषोत्तम नागर एवं सतेन्द्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को गौतमबुद्ध नगर में मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को साथ लेकर निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नोएडा। शहर के पांच प्रमुख स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से अफरातफरी मच गई। पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉयड की मदद से स्कूल परिसरों में जांच अभियान चलाया। कई घंटे तक चली जांच में बम या कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद धमकी को अफवाह करार दिया गया। सुबह करीब सवा नौ बजे आए ई-मेल में दावा किया गया कि फॉर्च्यून वर्ल्ड, एमिटी, खेतान और बाल भारती समेत पांच स्कूलों में धमाका होगा। स्कूल प्रबंधन ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस अधिकारी और सुरक्षा टीमें मौके पर पहुंचीं। एहतियात के तौर पर बच्चों को स्कूल की इमारतों से बाहर खुले और सुरक्षित स्थान पर एकत्र कर दिया गया। जब तक जांच अभियान चला, विद्यार्थियों को वहीं रखा गया। शिक्षक और स्कूल कर्मचारी भी पुलिस के निर्देशों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करते रहे।

पुलिस टीम ने स्कूल परिसर में पहुंचकर अलग-अलग हिस्सों की जांच शुरू की। टीम ने कक्षाओं, स्टाफ रूम, प्रयोगशालाओं, गलियारों, सीढ़ियों, शौचालयों, स्टोर रूम और अन्य संवेदनशील स्थानों को देखा। स्कूल की इमारत के भीतर और बाहर रखे सामान की भी जांच की। परिसर में खड़े वाहनों और आसपास के हिस्सों की भी जांच की गई। डॉग स्क्वॉयड की मदद से भी संदिग्ध वस्तुओं की तलाश की गई। पुलिस टीमों ने यह सुनिश्चित किया कि किसी स्थान पर विस्फोटक या ऐसी कोई वस्तु तो नहीं रखी गई है, जिससे बच्चों और कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा हो। कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर स्कूल प्रबंधन को राहत मिली। जांच पूरी होने तक पुलिस ने स्कूलों के आसपास भी सुरक्षा बढ़ा दी। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने स्थिति की लगातार निगरानी की। जांच में सब कुछ सामान्य पाए जाने के बाद बच्चों को वापस कक्षाओं में भेजा गया। इसके बाद स्कूलों में कक्षाएं अपने नियमित समय के अनुसार संचालित हुईं।

अभिभावक स्कूल पहुंचे: स्कूल में बम होने की जानकारी सामने आने के बाद बच्चों के अभिभावकों की चिंता बढ़ गई। कई अभिभावक अपने बच्चों की सुरक्षा की जानकारी लेने के लिए स्कूल पहुंच गए। स्कूल प्रबंधन और पुलिस की ओर से उन्हें बताया गया कि परिसर की सघन जांच कराई जा रही है और बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं। मौके पर डीसीपी नोएडा साद मियां खान, एडिशनल डीसीपी मनीषा सिंह समेत पुलिस के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और जांच टीमों से लगातार जानकारी ली।

ई-मेल भेजने वाले की तलाश: पुलिस अब धमकी भरा ई-मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी है। साइबर टीम ई-मेल के तकनीकी विवरण की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ई-मेल किस माध्यम से भेजा गया और इसके पीछे कौन व्यक्ति है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी सुरक्षा मानकों के तहत स्कूलों की जांच कराई गई। तलाशी में किसी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

स्विस राष्ट्रपति ने जेवर एयरपोर्ट का दौरा किया

नोएडा। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन ने मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दौरा किया। वे अपने उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ करीब 2 घंटे तक एयरपोर्ट पर रहे। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

राष्ट्रपति ने एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल समेत कई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें एयरपोर्ट के निर्माण, संचालन और सुविधाओं की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने आधुनिक सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं को भी देखा।अधिकारियों के मुताबिक, भारत और स्विट्ज़रलैंड के बीच बढ़ते व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग के लिए यह दौरा अहम है। इस दौरान ज्यूरिख एयरपोर्ट से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के विस्तार पर भी बात हुई।

राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए एयरपोर्ट के आसपास ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था सख्त थी। स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार सुरक्षा पर नजर रखे हुए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती पर हवन, भजन एवं भंडारे का आयोजन

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन के जिला कार्यालय पर किसान नेता चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पूजा-अर्चना, हवन, भजन-कीर्तन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया गया।

गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने पितरों की शांति एवं मोक्ष तथा सभी के सुख-समृद्धि की कामना के साथ तर्पण किया। गंगाजल एवं पुष्प अर्पित कर पितरों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। पंडित राजेश मिश्रा ने विधि-विधान से पूजन एवं हवन संपन्न कराया। उपस्थित लोगों ने यज्ञ में आहुति देकर बाबा टिकैत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मनीष चौधरी एंड पार्टी ने भजन-कीर्तन एवं लोकगीत प्रस्तुत किए। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी द्वारा संचालित टिकैत रसोई की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अशोक भाटी ने कहा कि बाबा टिकैत किसानों के सच्चे सेवक और हमदर्द थे। किसान-मजदूर उन्हें अपना मसीहा मानते थे। किसानों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

कार्यक्रम में एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना, महानगर अध्यक्ष श्रीपाल कसाना, जलकेश बाबूजी, रविंद्र भगतजी, विपिन प्रधान, सचिन अवाना, संदीप अवाना, धीरेस नंबरदार, राजा चौधरी, सुभाष भाटी, योगेश भाटी, चरण सिंह भाटी, जोगिंदर भड़ाना, रामवीर हवलदार, सोमेश भारद्वाज, भरत यादव, प्रवीन बंसल, जितेंद्र चौधरी, मनोज त्यागी, सिंहराज गुर्जर, मदन भाटी, ताराचंद भाटी, और अजय गुर्जर सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

इलाज के रुपये मांगने पर महिला डॉक्टर को धमकाया

नोएडा। मरीज ने इलाज के पूरे रुपये मांगने पर महिला डॉक्टर की गाड़ी का शीशा तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी के साथियों पर डॉक्टर के घर के आसपास घूमकर दबाव बनाने का आरोप है। सेक्टर-113 पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-79 निवासी डॉ. लूना सिन्हा ने पुलिस को बताया कि उनका क्लीनिक सेक्टर-116 में है। बीते माह क्लीनिक पर प्रशांत शर्मा नाम का मरीज आया और उसने 25 हजार रुपये जमा किए। उसने अपना पूरा इलाज करवाया। इलाज का खर्च पचास हजार रुपये आया।

वह बाकी के 25 हजार रुपये नहीं देना चाहता था। महिला डॉक्टर ने उसे पूरे रुपये देने को कहा। इस पर उसने चिकित्सक को देख लेने की धमकी दी। बिना अनुमति वह महिला चिकित्सक के क्लीनिक की तस्वीरें खींच कर ले गया। इलाज के संबंध में उसने शिकायतकर्ता को नोटिस भी भेजा। आरोप है कि चार अक्तूबर को उसने बिना पूछे गेट खोला। इससे वहां खेल रहा चिकित्सक का बेटा डर गया।

भाजपा ओबीसी मोर्चा में बढ़ा सचिन अंबावता का कद, प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख की मिली कमान

नोएडा। भाजपा ओबीसी मोर्चा में सचिन अंबावता को प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई जिम्मेदारी मिलने पर नोएडा के पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए सचिन अंबावता को बधाई दी और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने भी सचिन अंबावता को नए दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामना प्रदान कीं। गौतम बुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने भी सचिन अंबावता को भाजपा प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख, ओबीसी मोर्चा उत्तर प्रदेश बनाए जाने पर अपनी बधाई एवं शुभकामना प्रदान कीं। सचिन अंबावता इससे पहले संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। क्षेत्रीय सोशल मीडिया प्रमुख के रूप में उन्होंने भाजपा की गतिविधियों, कार्यक्रमों और संगठनात्मक अभियानों को सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, निरंतर सहभागिता और सोशल मीडिया के क्षेत्र में अनुभव को देखते हुए उन्हें प्रदेश स्तर की यह जिम्मेदारी दी गई है। नई जिम्मेदारी से स्थानीय कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

सेमीकंडक्टर यूनिट का निर्माण जल्द शुरू होगा

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के सेक्टर-28 में सेमीकंडक्टर यूनिट का निर्माण जल्द शुरू होगा। इसके लिए इकाई स्थापित करने वाली कंपनी इंडिया चिप प्रालि कंपनी को मेडिकल डिवाइस पार्क में एक अस्थायी दफ्तर दिया जाएगा। जब कंपनी का साइट कार्यालय बन जाएगा, तब वहां शिफ्ट हो जाएंगे। कंपनी यहां पर 3,706 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। यीडा सीईओ आरके सिंह ने बताया कि यमुना सिटी में 3,706 करोड़ रुपये का निवेश करके एचसीएल-फॉक्सकोन के संयुक्त उपक्रम इंडिया चिप प्रालि कंपनी सेमीकंडक्टर बनाएगी। कंपनी को सेक्टर-28 में करीब 48 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई है। कंपनी ने पर्यावरण एनओसी समेत सारी प्रक्रिया पूरी कर ली है।

अब जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा। निर्माण कार्य करने के लिए कंपनी मेडिकल डिवाइस पार्क में यीडा की बिल्डिंग में अस्थायी ऑफिस दिया जाएगा, इसके लिए सहमति दे दी गई है।

चलती डबल डेकर बस में लगी आग

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार शाम सेक्टर-148 के समीप चलती डबल डेकर बस में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और बस धू-धूकर जलने लगी। बस में सवार सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के दौरान बस में तेज धमाका भी हुआ, जिससे एक्सप्रेस-वे से गुजर रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस नोएडा से ग्रेटर नोएडा की तरफ जा रही थी। सेक्टर-148 के पास परी चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर अचानक बस से धुआं निकलने लगा। कुछ ही देर में आग की लपटें उठने लगीं। चालक ने बस को सड़क किनारे रोककर यात्रियों को नीचे उतारना शुरू कर दिया।

आग लगने के बाद बस में हुआ तेज धमाका: यात्रियों के सुरक्षित बाहर निकलने के बाद आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर बस आग की लपटों में घिरी दिखाई दे रही है। वीडियो में बस से निकलती तेज लपटों और धुएं का गुबार साफ नजर आ रहा है। इसी दौरान बस में तेज धमाका होता दिखाई देता है।

धमाके से सहम गए लोग: धमाके की आवाज सुनकर आसपास से गुजर रहे वाहन सवार सहम गए। वहीं सूचना मिलते ही नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल की कई गाड़ियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया। आग के कारण एक्सप्रेसवे पर यातायात भी प्रभावित हुआ और वाहनों की कतार लगने लगीं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को नियंत्रित किया और जाम खुलवाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक बस में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। दमकल विभाग की टीम आग बुझाने के साथ ही घटना के कारणों की जांच में जुटी है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

नोएडा। सेक्टर-39 थानाक्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। थाने में दी शिकायत में आगहपुर गांव निवासी वजीर आलम ने बताया कि उनका बेटा कुदुस अंसारी रविवार की रात अपने दोस्त अर्जुन के साथ बाइक से जा रहा था। सेक्टर-37 की तरफ जाते हुए रास्ते में तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार कुदुस और अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाने की बजाय आरोपी चालक वाहन समेत फरार हो गया।

राहगीरों ने दोनों घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया और हादसे की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। कार की टक्कर से बाइक भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

बड़े भाई की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस ने नीमका गांव में रविवार की देर रात बड़े भाई की हत्या करने के आरोपी छोटे भाई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने जमीनी विवाद में वारदात को अंजाम दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नीमका गांव निवासी भोले शंकर पुलिस चौकी के पास अपने खेत में एक दुकान का निर्माण करवा रहे थे। रविवार की रात दुकान में सो रहे भोले शंकर की फवाड़े से वारकर हत्या कर दी गई। उनके छोटे भाई देवेंद्र पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी देवेंद्र को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में देवेंद्र ने बताया कि बड़े भाई भोले शंकर से उसका जमीन को लेकर झगड़ा चल रहा था। एक सप्ताह पहले भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद के चलते उसने हत्या की घटना को अंजाम दिया गया।

कैमरे कैद हुआ था आरोपी: किसान भोले शंकर का शव सोमवार की सुबह चारपाई पर पड़ा मिला था। उनकी गर्दन और चेहरे पर धारदार हथियार के निशान थे। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली तो उनका छोटा भाई घटनास्थल के पास से आता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया।

पीसीएस मुख्य परीक्षा-2026 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए आयोजित हुआ मॉक साक्षात्कार

गौतमबुद्धनगर। मंत्री श्री असीम अरुण, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में राजकीय आईएएस/पीसीएस कोचिंग सेंटर, निजामपुर हापुड़ के पीसीएस मुख्य परीक्षा-2026 उत्तीर्ण 08 अभ्यर्थियों के लिए डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय, सेक्टर-37 नोएडा स्थित अभ्युदय केंद्र पर मॉक साक्षात्कार का आयोजन किया गया।

मॉक साक्षात्कार बोर्ड की अध्यक्षता उप निदेशक, समाज कल्याण, मेरठ मंडल, मेरठ सुनीता यादव ने की। बोर्ड में उप निदेशक मो0 मुस्ताक (आईएएस/पीसीएस कोचिंग सेंटर हापुड़), उप जिलाधिकारी दादरी अभिनेंद्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर सतीश कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी गौतमबुद्धनगर आशीष सिंह तथा जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतमबुद्धनगर ज्योति रानी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की प्रक्रिया, पूछे जाने वाले प्रश्नों तथा प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई। साथ ही, मॉक साक्षात्कार के उपरांत प्रत्येक अभ्यर्थी को उनके प्रदर्शन के संबंध में फीडबैक भी दिया गया।

मॉक साक्षात्कार के सफल आयोजन में डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय अभ्युदय केंद्र के संरक्षक गणेश जाटव का भी सहयोग रहा।

डीएमई पर दो कार आपस में टकराईं, दो घायल

नोएडा। सेक्टर-62 के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह कार खराब होने पर पीछे से आ रही कार के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार मार दी। कार को ठीक कर रहे दो लोग घायल हो गए। करीब आधे घंटे तक यातायात धीमी गति से गुजरा। पुलिस के मुताबिक, मेरठ बुनकर नगर के रहने वाले फैजान मंगलवार सुबह अपनी कार से अपने साथी जीशान और दो कामगार को लेकर दिल्ली जा रहे थे। सेक्टर-62 के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर कार में अचानक खराबी आ गई। फैजान और जीशान कार का बोनट खोलकर ठीक करने का प्रयास करने लगे, जबकि कामगार कुछ दूरी पर खड़े हो गए।

इसी बीच गाजियाबाद बम्हेटा के सुनील कुमार अपनी कार से आए। एकाएक फैजान की कार में पीछे से टक्कर मार दी। फैजान और जीशान टक्कर लगने के बाद सड़क पर गिरकर घायल हो गए, जबकि दोनों कार में नुकसान हुआ। हादसा होने पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस की मदद से फैजान और जीशान को नजदीक के अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस का कहना है कि फैजान का बायां पैर टूट गया, जबकि जीशान के हाथ पैर में चोट आई है। दोनों को कोई गंभीर चोट नहीं आई। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा में जाली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 2.54 लाख बरामद

नोएडा। ईकोटेक प्रथम थाना पुलिस और एसओजी ग्रेटर नोएडा जोन की संयुक्त टीम ने जाली नोटों की छपाई और तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 100-100 रुपये के 2549 जाली नोट बरामद हुए हैं। इनकी कुल कीमत 2,54,900 रुपये है। पुलिस ने मौके से नोटों की छपाई में इस्तेमाल होने वाला प्रिंटर, कटिंग मशीन, स्कॉर्पियो और चार मोबाइल फोन समेत अन्य दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अभय कुमार मिश्र ने बताया कि आरोपियों ने असली नोट को स्कैन करने के बाद प्रिंटर की मदद से उसके सीरियल नंबर वाले जाली नोट तैयार किए थे। इसके बाद कटिंग मशीन से नोटों को काटकर गड्डियां तैयार की जाती थीं। पुलिस का कहना है कि आरोपी इन नोटों को बाजार में चलाने और बेचने की तैयारी में थे। कोतवाली प्रभारी अरविंद वर्मा ने बताया कि सोमवार की रात ईकोटेक प्रथम थाना क्षेत्र के सिरसा गोलचक्कर पर पुलिस टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली गई। गाड़ी में तीन युवक सवार थे। तलाशी के दौरान 100-100 रुपये के 2549 जाली नोट बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सभी नोटों पर एक ही सीरियल नंबर छपा हुआ था। पुलिस ने गाड़ी में सवार तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान बन्टी अत्री (23), खुशदिल (21) और उपेंद्र कुमार (25) के रूप में हुई है। तीनों अलीगढ़ जिले के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं।

असली नोट स्कैन कर तैयार करते थे नकली नोट: पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले असली नोट को स्कैन करते थे। इसके बाद प्रिंटर की मदद से उसी सीरियल नंबर वाले नोटों की छपाई की जाती थी। छपे हुए नोटों को मशीन की सहायता से काटकर वास्तविक नोट के आकार में तैयार किया जाता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने जाली नोटों को गड्डियों के रूप में तैयार करने का तरीका भी अपना रखा था। आरोपियों द्वारा तैयार की गई गड्डियों के ऊपर और नीचे असली नोट लगाए जाते थे, ताकि पहली नजर में पूरी गड्डी असली दिखाई दे। इसके अलावा गड्डी के सिरे पर केनरा बैंक के डिपॉजिट फॉर्म को रबर बैंड से लगाया जाता था। इस तरीके से आरोपियों का मकसद जाली नोटों की गड्डियों को असली नोटों की गड्डी जैसा दिखाकर बाजार में खपाना था।

नवरात्रि की खरीदारी शुरू, बाजारों में पूजा सामग्री की दुकानें सजीं

नोएडा। नवरात्रि को लेकर शहर के प्रमुख बाजारों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। पूजा सामग्री की दुकानें सज गई हैं। लोगों ने खरीदारी भी शुरू कर दी है। भंगेल मार्केट, सेक्टर-59 की मामूरा मार्केट, सेक्टर-27 की इंदिरा मार्केट, अट्टा मार्केट समेत अन्य बाजारों में माता की पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्री से दुकानें सज गई हैं। दुकानों पर माता की चुनरी, नारियल, पूजा सामग्री, व्रत का सामान, फूल-माला, मूर्तियां और सजावट के सामानों की खरीदारी शुरू हो गई है। सेक्टर-59 मामूरा मार्केट के दुकानदार दीप कुमार ने बताया कि पिछले साल के मुकाबले घी और तेल के दाम में करीब 30 से 50 रुपये बढ़ गए हैं। दुकानदार मदन ने बताया कि असली फूलों की माला रोजाना खरीदनी पड़ती है। वहीं, प्लास्टिक की एक माला पूरे नवरात्रि के दौरान इस्तेमाल की जा सकती है। इसी कारण ग्राहक इन मालाओं को अधिक पसंद कर रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार असली फूलों की कीमत भी पिछले साल के मुकाबले बढ़ी है। पहले जिनकी कीमत पहले 20 रुपये की थी। अब 30 और 40 रुपये हो गई है। इसलिए ज्यादातर ग्राहक असली फूलों के बजाय आर्टिफिशियल फूल की मालाएं खरीद रहे हैं।

इको-फ्रेंडली मूर्तियों की मांग बढ़ी: सेक्टर-27 स्थित इंदिरा मार्केट के दुकानदार अशोक सिंह ने बताया कि माता की मूर्तियों की बिक्री अभी ज्यादा नहीं हुई है। ग्राहक माता की तस्वीर के अलावा सभी प्रकार की सामग्री खरीद रहे हैं। ग्राहक इस बार मिट्टी से बनी इको-फ्रेंडली मूर्तियों को अधिक पसंद कर रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक नवरात्रि शुरू के साथ बाजार में खरीदारी और बढ़ने की संभावना है।

नई डिजाइन की चुनरियां बाजार में आईं: इस बार अलग-अलग रंग और डिजाइन की चुनरियां भी उपलब्ध हैं। इसके साथ माता की पोशाक और श्रृंगार के सामान को भी दुकानों पर सजाया गया है। दुकानदारों के मुताबिक माता की चुनरियों के दामों में ज्यादा फर्क नहीं आया है।

एक्सप्रेसवे पर खड़ी कार में टियागो ने मारी टक्कर, दो घायल

नोएडा। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-62 के पास मंगलवार सुबह सड़क किनारे खड़ी कार को पीछे से आई दूसरी कार ने टक्कर मार दी। हादसे में खराब कार को दुरुस्त कर रहे दो लोग घायल हो गए। मेरठ के बुनकर नगर निवासी फैजान अपने साथी जीशान और दो कामगारों के साथ आइ-20 कार से दिल्ली जा रहे थे। सेक्टर-62 के पास अचानक कार में खराबी आ गई। फैजान और जीशान ने कार रोककर बोनट खोला और उसे ठीक करने लगे। दोनों कामगार कुछ दूरी पर खड़े थे। इसी दौरान पीछे से आई टाटा टियागो कार ने आइ-20 में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर की चपेट में आने से फैजान और जीशान सड़क पर गिर गए। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी अमित कुमार के अनुसार फैजान के बाएं पैर में फ्रैक्चर हुआ है, जबकि जीशान के हाथ-पैर में चोट आई है।

नोएडा प्राधिकरण द्वारा आवंटित भूमि पर बने 157 स्कूलों के बाहर लगने चाहिए छूट सम्बंधी बोर्ड : अशोक चौहान

नोएडा। आज ग्राम विकास संगठन नोएडा के संयोजक डीपी चौहान के नेतृत्व में नोएडा प्राधिकरण सैक्टर-96 प्रशासनिक कार्यालय में नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीमती वंदना त्रिपाठी से एक प्रतिनिधिमंडल मिला।

ग्राम विकास संगठन नोएडा के संयोजक डीपी चौहान ने नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीमती वंदना त्रिपाठी को अवगत कराया की वर्ष 2015 में मुख्यमंत्री सचिवालय से पत्र जारी हुआ था जिसमें नोएडा प्राधिकरण को निर्देशित किया गया था नोएडा प्राधिकरण के द्वारा अपने क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी स्कूल एवं अस्पतालों में लिजीज डीड के अनुसार ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों हेतु प्रदान की जाने वाली सुविधाओं को 10म 15 के बोर्ड पर संबंधित स्कूल एवं अस्पताल से लिखवा कर स्कूल एवं अस्पतालों के गेट पर डिस्प्ले बोर्ड लगवाना सुनिश्चित करें।

ग्राम विकास संगठन नोएडा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदया श्रीमती वंदना त्रिपाठी जी को बताया कि क्षेत्र के किसान इलाज के लिए निजी अस्पतालों में जाते हैं तो उन्हें छूट नहीं मिलती है निजी अस्पतालों में छूट संबंधी बोर्ड अस्पतालों के बाहर लगवाए जाएं इस संबंध में नोएडा प्राधिकरण के द्वारा उपरोक्त समस्या के समाधान के लिए दिनांक 25 जुलाई 2015 में बैठक का आयोजन किया गया और निर्णय लिया गया कि लीज डीड़ की शर्तों के अनुसार कमजोर वर्ग एवं अन्य उल्लेखित वर्गों को प्रदत की जाने वाली सभी सुविधाओं को लिखते हुए डिस्प्ले बोर्ड लगवाने हेतु नोएडा प्राधिकरण द्वारा आवंटित भूमि पर निर्मित सभी स्कूल एवं अस्पतालों को संबंधित परियोजना अभियंता द्वारा सूचित किया गया था लेकिन वर्ष 2015 से आज वर्ष 2026 चल रहा है लेकिन आज तक स्कूल और अस्पतालों के द्वारा अपने संस्थानों पर 10म15 के डिस्प्ले बोर्ड नहीं लगवाए गए हैं निजी अस्पताल एवं 157 स्कूलों में किसानों एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों का शोषण हो रहा है। किसानों और आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के बच्चों के दाखिले नहीं हो रहे हैं कृपया सभी 157 स्कूल जिन्हें नोएडा प्राधिकरण के द्वारा भूमि आवंटित की गई है सभी को नोटिस जारी किए जाएं और किसानों के बच्चों के दाखिले कराई जाए लीज डीड़ की शर्तों के अनुसार ग्राम विकास संगठन नोएडा की समस्या सुनने के बाद नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदया श्रीमती वंदना त्रिपाठी जी ने अतिशीघ्र समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर ग्राम विकास संगठन नोएडा के संयोजक डीपी चौहान, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान , सतेन्द्र गुर्जर आदि उपस्थित रहे।

इलाज के रुपये मांगने पर महिला डॉक्टर को धमकाया

नोएडा। मरीज ने इलाज के पूरे रुपये मांगने पर महिला डॉक्टर की गाड़ी का शीशा तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी के साथियों पर डॉक्टर के घर के आसपास घूमकर दबाव बनाने का आरोप है। सेक्टर-113 पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-79 निवासी डॉ. लूना सिन्हा ने पुलिस को बताया कि उनका क्लीनिक सेक्टर-116 में है। बीते माह क्लीनिक पर प्रशांत शर्मा नाम का मरीज आया और उसने 25 हजार रुपये जमा किए। उसने अपना पूरा इलाज करवाया। इलाज का खर्च पचास हजार रुपये आया।

वह बाकी के 25 हजार रुपये नहीं देना चाहता था। महिला डॉक्टर ने उसे पूरे रुपये देने को कहा। इस पर उसने चिकित्सक को देख लेने की धमकी दी। बिना अनुमति वह महिला चिकित्सक के क्लीनिक की तस्वीरें खींच कर ले गया। इलाज के संबंध में उसने शिकायतकर्ता को नोटिस भी भेजा। आरोप है कि चार अक्तूबर को उसने बिना पूछे गेट खोला। इससे वहां खेल रहा चिकित्सक का बेटा डर गया। आरोपी ने कार का शीशा तोड़ दिया। चिकित्सक का यह भी कहना है कि आरोपी के साथी लगातार उसके घर के आसपास घूम रहे हैं और उसे डर लग रहा है। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस पर भरोसा कायम हो ऐसे करें काम

पुलिस को पता होना चाहिए किन इलाकों में अपराध अधिक

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते यौन अपराधों के मामले में स्वतः संज्ञान लेकर दिल्ली पुलिस और संबंधित अधिकारियों से कहा कि पुलिस को पता होना चाहिए कि किन इलाकों में अपराध की दर अधिक है। इसके लिए नियमित सर्वेक्षण किए जाएं। स्थानीय लोगों से बातचीत की जाए। इससे उन लोगों के बारे में भी जानकारी मिल सकती है जो अपराध करने के बाद इन इलाकों में आकर रह रहे हैं।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला व न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ पार्क में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म व चलती स्लीपर बस में नाबालिग के कथित यौन उत्पीड़न मामले को स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता लिज मैथ्यू को न्यायमित्र नियुक्त किया था और कई निर्देश जारी किए थे। सुनवाई की शुरुआत में जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि अब समय आ गया है कि संबंधित अधिकारी, दिल्ली पुलिस, चुनौती के अनुरूप काम करें ताकि लोगों का पुलिस पर भरोसा दोबारा कायम हो सके। पीठ ने पुलिस अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों से जमीनी स्तर पर काम करने को कहा। कहा कि केवल योजनाएं कागज पर तैयार कर देने से दुष्कर्म जैसे अपराधों को रोकना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद पुलिस ने उनकी शिकायत को गंभीरता से क्यों नहीं लिया। रोशनी और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराने की बात कही। इस पर जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि पार्कों, रेलवे स्टेशनों, सबवे और ऐसे अन्य संवेदनशील स्थानों की पहचान की जानी चाहिए।

कोर्ट, सरकार, पुलिस को मिलकर करना होगा प्रयास

अदालत ने कहा कि न्यायपालिका, सरकार, पुलिस विभाग और न्यायमित्र को विभिन्न पहलुओं पर मिलकर विचार करना चाहिए और ऐसी घटनाओं को बार-बार होने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। अदालत ने कहा कि व्यवस्था में यदि कोई कमी है तो वह अपराध करने में सहायक नहीं बननी पीठ ने कहा, जब एक पार्क में नाबालिग के साथ कथित अपराध हुआ, तब स्थानीय लोगों ने पुलिस को असामाजिक तत्वों द्वारा पैदा की जा रही परेशानी की जानकारी दी थी।

एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आए यात्री से 2.2 करोड़ के बेशकीमती पत्थर और कच्चे पन्ने बरामद, तस्कर गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने 2.02 करोड़ रुपये के बेशकीमती पत्थरों की तस्करी में एक यात्री को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बैंकॉक से आए इस यात्री को तीन अक्तूबर को हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर स्पॉट प्रोफाइलिंग के आधार पर रोका गया था। तलाशी के दौरान इसके पास से 1.01 करोड़ रुपये के 3,200 कीमती पत्थर और गहने मिले। इसके बाद आगे की जांच के तहत सीमा शुल्क अधिकारियों ने यात्री से जुड़ी जगहों पर तलाशी ली। तलाशी में 196.67 किलो कच्चे पन्ने, 221 कैरेट कटे और पॉलिश किए हुए रूबी और 45 कैरेट कटे और पॉलिश किए हुए पन्ने बरामद हुए। इसके अलावा जरूरी दस्तावेज और दूसरी चीजें भी मिलीं। जब्ती के पूरे सामान की कुल कीमत 2.02 करोड़ रुपये आंकी गई।

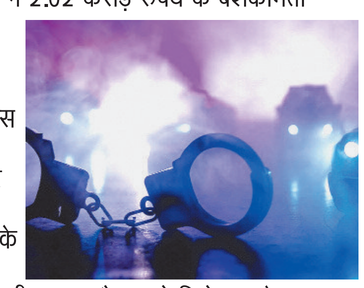

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के मिरांडा हाउस कॉलेज में खुला भारत का पहला कार्बन गार्डन, प्रदूषण से लड़ने में करेगा मदद

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और बदलते पर्यावरण के बीच दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम पहल की है। कॉलेज परिसर में सोमवार को 'कार्बन गार्डन' का उद्घाटन किया गया। इसका उद्देश्य वातावरण में कार्बन के अवशोषण को बढ़ाने के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देना और प्रकृति आधारित समाधानों के जरिए जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता पैदा करना है। गार्डन का उद्घाटन भारत के पहले कार्बन गार्डन के संस्थापक और दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रमुख और रिसर्च, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल के अध्यक्ष प्रो. दीनबंधु साहू ने किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति से जुड़ाव भारतीय संस्कृति और परंपराओं का हिस्सा रहा है। अब इस पारंपरिक जुड़ाव को आधुनिक विज्ञान और पर्यावरणीय समझ के साथ आगे बढ़ाने की जरूरत है। प्रो. साहू ने कहा कि दिल्ली जैसे शहरों में हरित क्षेत्रों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। कार्बन गार्डन न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देगा, बल्कि छात्रों को प्रकृति से जोड़ने के साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण में भी मदद करेगा। उन्होंने युवाओं की पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी पर भी जोर दिया।

दिल्ली में एसआईआर में 10.28 लाख वोटर्स का दस्तावेजों से सत्यापन

नईदिल्ली, एजेंसी। एसआईआर के तहत नाम मैपिंग नहीं होने और तार्किक विसंगतियों से जुड़े 10,28,407 वोटर्स के मामलों का दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन किया जा चुका है। सीइओ कार्यालय के अनुसार इन वोटर्स से प्राप्त दस्तावेजों की जांच के बाद मामलों का निपटारा किया जा रहा है। नोटिस पाने वाले मतदाताओं को अब दस्तावेज जमा कराने के लिए ईआरओ या एईआरओ कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे। बीएलओ संबंधित मतदाता के घर पहुंचकर आवश्यक दस्तावेज एकत्र करेंगे और उन्हें ईसीआई नेट पर अपलोड करेंगे। इसके बाद ईआरओ दस्तावेजों के आधार पर मामले में निर्णय लेंगे। केवल विशेष परिस्थितियों में ही सुनवाई की जरूरत होगी। ऐसी सुनवाई भी ईआरओ के निर्णय के आधार पर प्राथमिकता के साथ आनलाइन कराने की व्यवस्था की गई है। एसआइआर के तहत दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर है, जबकि नोटिस तथा दावे- आपत्तियों का निपटारा 30 नवंबर तक किया जाएगा। एसआईआर से जुड़े सवालों के जवाब और फार्म जमा कराने के लिए 11 अक्टूबर को दिल्ली के सभी पोलिंग स्टेशनों पर फिर विशेष कैंप लगाए जाएंगे। वहीं, युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए 7 और 8 अक्टूबर को दिल्ली के कालेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। एक अक्टूबर तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा इन कैंप में फार्म- 6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकेंगे। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। चार अक्टूबर तक फार्म- 6 के 1,90,133 आवेदन मिले हैं। वहीं, 31 अगस्त से पहले प्राप्त 2,12,400 आवेदनों को जोड़ने पर अब तक फार्म-6 के कुल 4,02,533 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। 31 अगस्त से चार अक्टूबर के बीच नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए सबसे ज्यादा आवेदन पश्चिमी जिले से 23,420 मिले हैं। इसके बाद उत्तर- पश्चिम से 20,165, दक्षिण-पूर्व से 18,831, पूर्व से 18,487, उत्तर-पूर्व से 17,831, दक्षिण- पश्चिम से 16,538 और दक्षिण जिले से 15,876 आवेदन आए हैं। वहीं, उत्तर से 14,273, आउटर नार्थ से 13,193, सेंट्रल नार्थ से 11,800, सेंट्रल से 8,470, ओल्ड दिल्ली से 7,988 और नई दिल्ली से 3,261 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसी अवधि में मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए इस्तेमाल होने वाले फार्म-7 के 5,020 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जबकि मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य विवरण में संशोधन के लिए फार्म-8 के 69,817 आवेदन आए हैं। फार्म-6ए के तहत भी 356 आवेदन मिले हैं। 31 अगस्त से पहले मिले आवेदनों को जोड़ने पर अब तक फार्म-6ए के 1,707, फार्म-7 के 56,491 और फार्म-8 के 3,30,585 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इस तरह एसआइआर प्रक्रिया के दौरान नए नाम जोड़ने के साथ-साथ मौजूदा मतदाता सूची में सुधार और नाम हटाने के लिए भी बड़ी संख्या में आवेदन किए गए हैं।

पहले सड़क बनाओ, फिर जाम में फंसे वाहनों के लिए रास्ता खोजो

सात लेन का ट्रैफिक तीन लेन में सिमटा

नईदिल्ली, एजेंसी। मयूर विहार फेज-1 से आईएनए तक सिग्नल फ्री सफर के लिए तैयार किया गया बारापुला एलिवेटेड कॉरिडोर फेज-दर-फेज की सरकारी प्लानिंग में उलझकर अब ट्रैफिक के बॉटलनेक में तब्दील हो गया है। अलग-अलग दिशाओं से आने वाला करीब सात लेन का ट्रैफिक आगे जाकर महज तीन लेन में सिमट रहा है। नतीजा यह कि जिस कॉरिडोर को तेज और निर्बाध आवाजाही के लिए बनाया गया था, वहीं वाहनों की रफ्तार थम रही है। सोमवार को इस उलझन से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस सिग्नल का सहारा लेती दिखी।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अलग-अलग समय में दिल्ली की सरकारों ने बारापुला के फेज एक-एक कर पूरे तो कर दिए, लेकिन यह सवाल समग्र रूप से नहीं सुलझाया कि इन सभी फेज से निकलने वाला ट्रैफिक आखिर जाएगा कहां। फेज-3 खुलने के बाद वर्षों पुरानी प्लानिंग की यह खामी अब सड़क पर जाम के रूप में दिखाई दे रही है। एक तरफ मयूर विहार फेज-1 से तीन लेन का अतिरिक्त ट्रैफिक आ रहा है, दूसरी तरफ पहले से चल रहे कॉरिडोर का ट्रैफिक है और आगे जाकर क्षमता सीमित हो रही है।

बारापुला फेज-1 की योजना तैयार करने के समय से जुड़े एक वरिष्ठ अभियंता के मुताबिक, उस समय कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान खेल गांव से जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम तक खिलाड़ियों की सिग्नल फ्री आवाजाही सुनिश्चित करना मुख्य उद्देश्य था। यूटीपैक में उस समय फेज-2 पर चर्चा जरूर हुई थी, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी। इसी जरूरत के हिसाब से फेज-1 में एक कैरिजवे को तीन लेन का बनाया गया। बाद में बारापुला में फेज-2 और फेज-3 जुड़ते गए।

अब समस्या यह है कि पहले से चल रहे कॉरिडोर में मयूर विहार फेज-1 से आने वाली तीन अतिरिक्त लेन का ट्रैफिक भी जुड़ रहा है। ऐसे में रिंग रोड के पास सन डायल से सिग्नल फ्री आवाजाही बनाए रखना चुनौती बन गया है।फेज-2 पर भी उस समय चर्चा हुई थी, लेकिन उसका विस्तृत स्वरूप सामने नहीं आया था। जून 2011 में पीडब्ल्यूडी ने इसके लिए दिल्ली सरकार की व्यय वित्त समिति से मंजूरी मांगी।

पहले ढांचा तैयार हुआ, अब सवाल यह कि चलाएंगे कैसे

विशेषज्ञों का मानना है कि बारापुला की कहानी सरकार की कार्यशैली की दिलचस्प तस्वीर पेश करती है। फेज-1 तैयार करते समय फेज-2 व फेज-3 का ध्यान नहीं था। तीनों अलग-अलग समय में तैयार हुईं। अब पूरा तैयार होने के बाद बाद ट्रैफिक को संभालने के तरीके तलाशने जा रहे हैं। मतलब यह कि पहले इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हुआ, उसके बाद यह सवाल सामने आया कि उसे चलाएंगे कैसे। यूटीपैक के रिकॉर्ड के मुताबिक, 17 मार्च 2009 की बैठक में बारापुला नाले पर एलिवेटेड कॉरिडोर पर चर्चा हुई थी। इसके लिए कैबिनेट से करीब 550 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली।

प्रदर्शन कवर करने वाले पत्रकारों के लिए पहचान पत्र जरूरी, बरतनी होगी सावधानियां

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान मीडिया कवरेज और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने पत्रकारों के लिए एक अहम एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी का मुख्य उद्देश्य प्रदर्शन स्थलों पर काम करने वाले पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और यह स्पष्ट करना है कि वे तनावपूर्ण स्थितियों के बीच पुलिस के कामकाज में बाधा डाले बिना अपनी पेशेवर जिम्मेदारियां कैसे निभाएं।

दिल्ली पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के मुताबिक, विरोध प्रदर्शनों या धरना-स्थलों को कवर करने जाने वाले सभी मीडियाकर्मियों को अपने संबंधित संस्थान द्वारा जारी वैध पहचान पत्र हर समय अपने साथ रखना होगा। साथ ही, उन्हें यह कार्ड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने की सलाह दी गई है, ताकि सुरक्षा बल ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को भीड़ के बीच पत्रकारों की पहचान करने में आसानी हो। इसके अलावा, पत्रकारों के पास वैध पीआईबी या डीआईपी मान्यता कार्ड होना भी बेहद मददगार बताया गया है। पुलिस के कामकाज में बाधा न डालने की हिदायत एडवाइजरी में इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि मीडियाकर्मी यह पूरी तरह सुनिश्चित करें कि उनकी मौजूदगी या कार्य-गतिविधियों के कारण पुलिस की कार्रवाई, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों या सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही में किसी भी प्रकार की रुकावट या बाधा उत्पन्न न हो।

सुरक्षित दूरी और स्पष्ट पहचान बनाए रखने की अपील

तनावपूर्ण और भीड़भाड़ वाली स्थितियों का जिक्र करते हुए पुलिस ने कहा है कि घटना स्थल पर मौजूद पत्रकारों को कवरेज और वीडियो रिकॉर्डिंग करते समय प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच उचित एवं सुरक्षित दूरी बनाकर रखनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्हें ऐसी जगहों पर खड़े होने की सलाह दी गई है।

डीयू कॉलेजों में छात्राओं की सुरक्षा की मांग तेज

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में महिलाओं के खिलाफ आए दिन बढ़ते अपराधों के बीच अब कॉलेजों में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर आवाज उठने लगी है।

छात्राओं को खुद की सुरक्षा करने के लिए आत्मरक्षा के गुर सिखाने के साथ ही कालेज परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की जा रही है। डीयू के कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज (सीवीएस) की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) इकाई ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर छात्राओं की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाने की मांग की है। एबीवीपी की ओर से कॉलेज में दिल्ली पुलिस के सहयोग से नियमित आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित कराने का सुझाव दिया गया है।

इसके साथ ही छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों, आपात स्थिति में उठाए जाने वाले कदमों और उपलब्ध हेल्पलाइन आदि की जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की गई है। इसके अलावा कॉलेज परिसर में पिंक सेफ्टी बूथ स्थापित करने, परिसर और आसपास में लाइट लगाने, कॉलेज के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाने और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की गई है। छात्रसंघ की मांग है कि छात्राओं की शिकायतों व सुरक्षा संबंधी समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई हो। कॉलेज यूनिट अध्यक्ष मोहित वर्मा का कहना है कि छात्राओं की सुरक्षा केवल कालेज प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है पुलिस और समाज के सामूहिक प्रयास से ही सुरक्षित माहौल तैयार किया जा सकता है।

एसीपी विवेक भगत को एडिशनल डीसीपी का चार्ज देने का फैसला टला, खुद की थी ये मांग

महिला पत्रकार उत्पीड़न मामला

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने सोमवार देर रात एक अहम कदम उठाते हुए असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस विवेक भगत को एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस का 'करंट ड्यूटी चार्ज' सौंपने का निर्णय रोक दिया है। विवेक भगत पर हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान एक महिला पत्रकार के साथ यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है।

इससे पहले दिन के समय दिल्ली सरकार द्वारा जारी एक आदेश में विवेक भगत समेत कुल 12 अधिकारियों को एडिशनल डीसीपी का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने की घोषणा की गई थी। हालांकि, इस फैसले पर विवाद बढ़ने के बाद सरकार ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर स्पष्ट किया कि इन अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी देने की यह प्रक्रिया गत 25 अगस्त को ही शुरू कर दी गई थी, जो कि हालिया घटनाओं से काफी पहले का मामला है। पांच अक्तूबर को आवश्यक प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद ही ये आदेश सामने आए थे।

सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि करंट ड्यूटी चार्ज देना केवल एक अस्थायी प्रशासनिक व्यवस्था है, जिससे संबंधित अधिकारी को कोई आर्थिक फायदा नहीं मिलता है और न ही वे नियमित पद वाले अधिकारियों की सभी वैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी तरह पालन कर सकते हैं।

सरकार के आधिकारिक बयान के मुताबिक, आरोपी एसीपी विवेक भगत ने स्वयं यह अनुरोध किया है कि जब तक महिला पत्रकारों के कथित यौन उत्पीड़न मामले की निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हो जाती और वह संतोषजनक निष्कर्ष तक नहीं पहुंचती, तब तक उन्हें यह अतिरिक्त प्रभार न दिया जाए। सरकार ने बताया है कि इसी अनुरोध के चलते पिछले आदेश में बदलाव किया जा रहा है और शेष 11 अधिकारियों को प्रभार सौंपने के संबंध में संशोधित आदेश फिर से जारी किया जाएगा।

दिल्ली में आपदा से निपटने के लिए सिविल डिफेंस वालंटियर्स के नए एनरोलमेंट शुरू, लंबे समय के बाद आए आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने सिविल डिफेंस वालंटियर्स के नए एनरोलमेंट की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए इच्छुक लोगों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। लंबे समय बाद शुरू हुई इस प्रक्रिया से राजधानी में सिविल डिफेंस वालंटियर्स की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। नए वालंटियर्स को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, जनजागरूकता और मॉक ड्रिल जैसे कार्यों में लगाया जा सकेगा।

दिल्ली में सिविल डिफेंस वालंटियर्स लंबे समय से विभिन्न सरकारी अभियानों और आपात स्थिति में प्रशासन का सहयोग करते रहे हैं। यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, आपदा की स्थिति में राहत कार्य, प्राथमिक उपचार और लोगों को जागरूक करने में भी इनकी भूमिका रहती है। पूर्वी दिल्ली में फिलहाल करीब 550 वालंटियर्स हैं। इनकी संख्या बढ़ाकर करीब एक हजार करने की जरूरत भी कुछ माह पहले दिल्ली विधानसभा में उठाई गई थी।

डिफेंस वालंटियर्स के कार्यों की सराहना की: पूर्वी दिल्ली के डीडीसी चेयरमैन एवं विधायक डॉ. अनिल गोयल द्वारा दिल्ली विधानसभा में सिविल डिफेंस वालंटियर्स के एनरोलमेंट का मुद्दा उठाया था। सरकार की ओर से दिल्ली में सिविल डिफेंस वालंटियर्स के नए एनरोलमेंट के लिए आमंत्रण शुरू किए गए हैं। इसे पूर्वी दिल्ली सहित राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में सिविल डिफेंस व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विधानसभा में मुद्दा उठाते हुए डा गोयल ने सिविल डिफेंस वालंटियर्स के कार्यों की सराहना की थी। सिविल डिफेंस वालंटियर्स को लेकर पिछले कछ वर्षों में कई बार विवाद भी सामने आए हैं। कोरोना काल में बड़ी संख्या में वालंटियर्स को ड्यूटी पर लगाया गया था। बाद में ड्यूटी खत्म होने और भुगतान से जुड़े मुद्दों को लेकर वालंटियर्स ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए। कई वालंटियर्स ने लंबे समय तक ड्यूटी नहीं मिलने और मानदेय से जुड़े मामलों को लेकर अपनी आवाज उठाई थी।

पिंक कार्ड लेकर निकलीं महिलाएं, डीटीसी बसों में ईटीएम ने बढ़ाई मुश्किल; मशीन अटकी तो छूट गया स्टॉप

नईदिल्ली, एजेंसी। पिंक कार्ड हाथ में है और अगले स्टाप पर उतरना है, लेकिन ईटीएम मशीन अटक गई है। कंडक्टर भी मायूसी जताते हुए कहते हैं कि मशीन चलने तक इंतजार करना पड़ेगा। आइटीओ से शाहदरा जा रही कामकाजी महिला बुशरा खान के सामने सोमवार को यही सवाल खड़ा था कि निश्शुल्क यात्रा का अधिकार कार्ड से मिलेगा या मशीन के ठीक रहने पर। पिंक टिकट नहीं निकला तो चेकिंग में 200 रुपये जुर्माने का डर और मशीन चलने का इंतजार करें तो अपनी मंजिल छूटने का खतरा। डीटीसी बसों में पिंक कार्ड व्यवस्था लागू होने के पहले दिन की यह तस्वीर बयां कर रही थी कि नियम लागू करने की तैयारी और उसे जमीन पर उतारने की व्यवस्था के बीच अभी भी अंतर है। यह केवल बुशरा की ही परेशानी नहीं, बल्कि पहले दिन कई महिला यात्रियों की उलझन बनकर सामने आया। कार्ड होने के बावजूद ईटीएम अटकने पर यात्रा दर्ज कराने में दो से पांच मिनट तक लगे। अगले स्टाप पर उतरने वाली महिलाओं के लिए यह महज मशीन की तकनीकी दिक्कत नहीं थी। भीड़ के बीच हर बार मशीन के दोबारा चालू होने और कार्ड टैप होने का इंतजार करना पड़ा।इसी तरह, कार्ड घर पर रह गया, अब पता चल रहा है कि इसके बिना निश्शुल्क यात्रा नहीं मिलेगी। मंडी हाउस से आनंद पर्वत जा रही सोनिया और मनीषा के पास पिंक कार्ड नहीं था। कार्ड बनवाया है, लेकिन तब इस्तेमाल नहीं हो रहा था। पहले दिन कंडक्टर ने नियम समझाकर दोनों को निश्शुल्क पास जारी कर दिया। मगर कुछ दूसरी बसों में कार्ड नहीं रखने वाली महिलाओं को किराया देना पड़ा। इससे पहले दिन ही यह सवाल खड़ा हो गया कि नियम एक है तो उसका पालन हर बस में एक जैसा क्यों नहीं दिखा? हमें पता ही नहीं था कि कार्ड आज से साथ रखना जरूरी है। एक महिला यात्री की यह बात बताती है कि समस्या तकनीक तक सीमित नहीं थी। पिंक कार्ड को लेकर यात्रियों में जानकारी का भी अभाव दिखा। कार्ड बनवाने की सूचना थी, लेकिन हर यात्रा में कार्ड साथ रखना अनिवार्य होगा, यह बात कई महिलाओं को बस में पहुंचने के बाद पता चली।

हरमन ने छोड़ी कप्तानी

कहा—बतौर खिलाड़ी सफर जारी रहेगा

नई दिल्ली । अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे विश्व कप 2025 का चैंपियन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ दी है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट के माध्यम से हरमन ने टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया। बतौर खिलाड़ी वह उपलब्ध रहेंगी। हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ने का फैसला उपकप्तान स्मृति मंधाना, हेड कोच अमोल मजूमदार और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के साथ हुई बैठक के बाद लिया। स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में हरमनप्रीत की जगह महिला टीम की नई कप्तान बन सकती हैं। हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आज, मैं सभी फॉर्मेट में इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हूं। यह कोई आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल हैं, जो मेरी बाकी जिंदगी मेरे साथ रहेंगे।'

उन्होंने लिखा, 'मैंने इस टीम और इंडियन विमेंस क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है – अपना खून, अपना पसीना, अपना समय, और कई बार, अपने खेल और पर्सनल एम्बिशन का एक हिस्सा। ऐसे पल भी आए, जब मुझे अपने निजी प्रदर्शन, अपना विकास और अपने लिए जो मैं चाहती थी, उसे एक तरफ रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम को पहले रखना चाहिए।'

हरमन ने लिखा, 'एक कप्तान के तौर पर, मुझे मुश्किल फैसले लेने पड़े हैं। ऐसे फैसले जो हमेशा समझ में नहीं आते थे, हमेशा आसान नहीं होते थे, और कभी-कभी पर्सनल कीमत चुकानी पड़ती थी। लेकिन मैंने जो भी फैसला लिया, उसका मकसद– इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और खुद का बेस्ट वर्जन बनने का मौका देना था।' दिग्गज खिलाड़ी ने लिखा, 'मैंने सब कुछ देखा है। मैंने सबसे बुरे पल, दिल टूटना, बुराई, शक और वे दिन देखे हैं, जब कुछ भी हमारे हिसाब से नहीं होता था। और मैंने सबसे ऊँचे मुकाम भी देखे हैं–जीत, जश्न, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व, और वे पल जब हर कुर्बानी सार्थक लगी। आज मैं भावनाओं से भरे दिल के साथ, लेकिन शांति के साथ कप्तानी छोड़ रही हूं।'

उन्होंने लिखा, 'मुझे सच में विश्वास है कि मेरी टीम अच्छी जगह पर है। एक ऐसी टीम, जिसमें टैलेंट, कैरेक्टर, विश्वास और भविष्य है, जिसे देखने और जिसका हिस्सा बनने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने अपना फर्ज निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया।

विश्व कप, एशियन गेम्स गोल्ड, एशिया कप, कॉमनवेल्थ

हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने देखा सफलता का ऐतिहासिक दौर

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय का मंगलवार को अंत हो गया। अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सफलता की नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाली हरमनप्रीत कौर ने अपना पद छोड़ दिया है। 37 साल की हरमन ने सोशल मीडिया पर महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की। बतौर खिलाड़ी वह सक्रिय रहेंगी। हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलतम कप्तान हैं। हरमनप्रीत के कप्तान बनने से पहले भारतीय टीम देश में विदेश में बड़ी टीमों को चुनौती तो देती, लेकिन जीत से दूर रह जाती थी। 2016 में पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद हरमन ने टीम की दशा और दिशा दोनों बदल दी। अपनी 10 साल की कप्तानी में हरमन ने भारतीय टीम को न सिर्फ अलग–अलग वैश्विक मंचों पर चैंपियन बनाया, बल्कि टीम को एक मजबूत और सशक्त ताकत के रूप में स्थापित किया। 37 साल की हरमनप्रीत 2016 में पूर्णकालिक कप्तान बनीं। उनकी कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने अपना पहला आईसीसी इवेंट (वनडे विश्व कप 2025) जीता था। फाइनल में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने 4 बार एशिया कप (2012, 2016, 2022 और 2026) जीता। 2012 में वह अस्थायी कप्तान थीं। हरमन की कप्तानी में भारतीय महिला टीम हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 और आइची–नागोया एशियन गेम्स में लगातार 2 बार गोल्ड मेडल जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय टीम ने हरमन की कप्तानी में ही सिल्वर मेडल जीता था।

हाल ही में लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट खेला गया था। हरमन की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने घरेलू टीम इंग्लैंड को हराकर इतिहास रचा था। पिछले 10 वर्ष की अवधि में हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम को पांच टेस्ट, 51 वनडे और 155 टी20 में लीड किया। हरमनप्रीत कौर के बाद उपकप्तान स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान हो सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

हांगकांग सिक्स

भारत की 7 सदस्यीय टीम घोषित, भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे कमान

हांगकांग । हांगकांग सिक्स 2026 के लिए भारतीय टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के स्टार खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। इसमें सात प्रमुख भारतीय क्रिकेटर 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाने वाले तेजतर्रार 'सिक्स–ए–साइड' (छह खिलाड़ियों वाले) फॉर्मेट में हिस्सा लेंगे। टिन क्वांग

रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले जाने वाली इस लीग में भारतीय टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे। उनके साथ आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी क्रुणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितिश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन भी होंगे। भुवनेश्वर के पास अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल का कई वर्षों का अनुभव है और वे नई गेंद से असरदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं, जबकि क्रुणाल एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर टीम को विविधता देते हैं।

नीली जर्सी का दबाव बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर देता है: प्रियांश आर्य

नई दिल्ली । युवा सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने मंगलवार से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले वनडे मैचों की तैयारी के दौरान इंडिया ए के साथ अपने समय को याद किया। उन्होंने इंडिया 'ए' के लिए खेलने का अनुभव मजेदार बताया। उन्होंने कहा कि दबाव में शानदार प्रदर्शन का अवसर भी होता है। प्रियांश ने पिछले साल कानपुर में

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 101 रन बनाए थे और लिस्ट ए क्रिकेट में उनके नाम पाँच और अर्धशतक हैं। आर्य ने दिल्ली में मीडिया से कहा, 'इंडिया ए के लिए खेलना बहुत मजेदार है। नीली जर्सी पहनना गर्व की बात है। मुझे पिछले साल इंडिया ए के लिए संचुरी बनाकर बहुत अच्छा लगा। जब आप किसी भी स्तर पर देश के लिए खेलते हैं तो आप पर थोड़ा दबाव होता है।

यूथ टेस्ट

तन्मय ने सिर्फ 32 रन देकर झटके 6 विकेट, ऑस्ट्रेलियाई पारी 174 रन पर ढेर

अहमदाबाद । भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर–19 टीमों के बीच सोमवार से टेस्ट सीरीज के दूसरे और अंतिम अनौपचारिक मैच की शुरुआत हो गई है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जारी इस मुकाबले के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को 174 रन पर समेटने के बाद भारत ने 2 विकेट खोकर 38 रन बना लिए हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 73 ओवरों का सामना कर सकी। इस टीम ने महज 7 के स्कोर पर कप्तान मैथ्यू लॉफ (5) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद नील पटेल ने मोर्चा संभाला। नील ने हेडन बारबुलोविक के साथ दूसरे विकेट के लिए 21 रन, जबकि एली ब्रेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन जोड़कर टीम को 50 के स्कोर तक पहुंचाया। हेडन ने टीम के खाते में 8 रन का योगदान दिया, जबकि एली 4 रन बनाकर आउट हुए।

टीपीएल सीजन 8: बोपन्ना, बुरुचागा, हिजिकाता मार्की लाइन-अप में शामिल

मुंबई । टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और इंटरनेशनल स्टार रोमन बुरुचागा, रिंकी हिजिकाता और टेरेंस एटमाने टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के आठवें सीजन के मार्की प्लेयर लाइन-अप में शामिल होंगे। नीलामी 12 अक्टूबर को मुंबई में होगी। आठ फ्रेंचाइजी नीलामी में अपने-अपने मार्की प्लेयर्स के आस-पास अपनी टीम बनाएंगी। बोपन्ना, जो गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, मार्की लाइन-अप को लीड करेंगे। 46 साल के पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 पुरुष डबल्स में दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। बोपन्ना ने 2017 फ्रेंच ओपन मिक्स्ड डबल्स टाइटल और 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष डबल्स का खिताब जीता है।

पद्मश्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित बोपन्ना ने कहा, 'मैं टीपीएल में वापस आने का सच में इंतजार कर रहा हूं। हर साल, लीग और मजबूत होती जा रही है, और मुझे टीम का माहौल और इस फॉर्मेट से मिलने वाली ऊर्जा बहुत पसंद है।'

उन्होंने कहा, 'इस साल, कॉम्पिटिशन बहुत कड़ा होगा, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों और युवा भारतीय टैलेंट का शानदार मिश्रण होगा। हैदराबाद का टेनिस के साथ हमेशा से एक मजबूत कनेक्शन रहा है, इसलिए मुझे यकीन है कि माहौल इसे और भी खास बना देगा। मैं कॉम्पिटिशन करने, अनुभव का आनंद लेने और कोर्ट पर वापस आने के लिए उत्साहित हूं।'

अर्जेंटीना के रोमन बुरुचागा, जो कोलकाता थंडर ब्लेड्स के लिए खेलेंगे, इंटरनेशनल मार्की टीम के एकल खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंक वाले खिलाड़ी हैं। 24 साल के इस खिलाड़ी की अभी वर्ल्ड रैंकिंग में 60वीं रैंक है। वह इस साल की शुरुआत में अपने करियर की सबसे ऊंची रैंकिंग 56वें स्थान पर पहुंचे थे।

ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाता राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। 25 साल के इस खिलाड़ी ने 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन मेन्स डबल्स टाइटल जीता था और 2025 विंबलडन मेन्स डबल्स फाइनल में पहुंचे थे।

डब्ल्यूटीए टूर: गॉफ ने सन को हराया, झेंग किनवेन

'चाइना ओपन' के 'अंतिम 16' में पहुंचीं

बीजिंग । अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने 16 वर्षीय चीनी खिलाड़ी सन जिनरान को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर चाइना ओपन डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में लगातार चौथे साल 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई। दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने शानदार खेल दिखाते हुए आखिरी 10 में से 9 गेम अपने नाम किए। गॉफ ने डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर अपने से कम उम्र की खिलाड़ियों के खिलाफ खेले गए 28 मुकाबलों में से 24 जीते हैं। इस दौरान किसी टीनएजर के खिलाफ उन्हें एकमात्र हार 2025 में मॉन्ट्रियल में विक्टोरिया मबोको से मिली थी, जो बाद में चैंपियन बनीं। मुकाबले के बाद गॉफ ने युवा चीनी खिलाड़ी को सराहा। मैच के बाद इंटरव्यू में गॉफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि 16 साल की उम्र में मैं जितनी परिपक्व थी, वह उससे कहीं ज्यादा परिपक्व हैं। मुझे लगता है कि मैं उससे थोड़ी ज्यादा परेशान हो गई थी, लेकिन वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे पता था कि यह मैच मुश्किल होने वाला है। उनका जूनियर करियर बहुत शानदार रहा है। जाहिर है कि वह इस स्तर पर भी बहुत अच्छा करेगी।'

वहीं, सोमवार को चीन की स्टार झेंग किनवेन ने चेक गणराज्य की 18वीं सीड मैरी बाउजकोवा को 7-6 (3), 4-6, 7-5 से हराकर महिला सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई। झेंग ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया, लेकिन बाउजकोवा ने छठे गेम में ब्रेक प्वाइंट्स जीतकर वापसी की। सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां झेंग ने 7-3 से जीत हासिल की।

बैंगलोर बादशाह को 14 रन से मात देकर कोलकाता वॉरियर्स ने जीता खिताब

तिरुपति । कोलकाता वॉरियर्स ने फाइनल मैच में बैंगलोर बादशाह को 14 रनों से मात देकर 'डेफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026' का खिताब जीता। केवीएस स्पोर्ट्स पार्क क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में कोलकाता वॉरियर्स ने 15 ओवरों में 121/5 रन बनाए। इसके बाद बादशाह को 107/9 के स्कोर पर रोककर 14 रनों से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह चैंपियनशिप 1 से 4 अक्टूबर 2026 तक तिरुपति के केवीएस स्पोर्ट्स पार्क क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित की गई थी। इसने देशभर के मूक–बधिर क्रिकेटर्स को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया। इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) के अध्यक्ष सुमित जैन ने टूर्नामेंट के समापन पर खिलाड़ियों, अधिकारियों, भागीदारों और हितधारकों की सराहना की और टूर्नामेंट में उनके योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया।

नेशंस लीग

फ्रांस ने बेल्जियम को 4–1 से हराया, ग्रुप में टॉप पर पहुंची

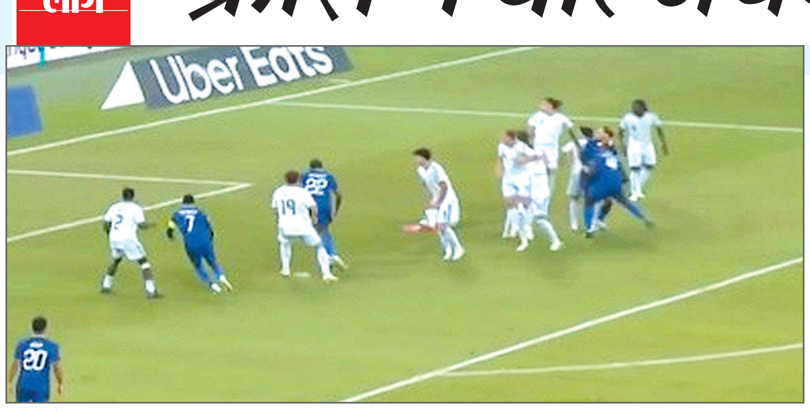

पेरिस । जिनेदिन जिदान की फ्रांस ने अपने मैराथन इंटरनेशनल ब्रेक का अंत स्टेड डी फ्रांस में बेल्जियम के खिलाफ 4-1 की जीत के साथ किया। जीत के साथ नेशंस लीग ग्रुप में टॉप पर पहुंच गई। फ्रांस ने दूसरे हाफ के 14 मिनट में चार गोल किए और मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद भी 4-1 से बड़ी जीत की। बेल्जियम के लिए डोडी ल्यूकेबाकियो ने पहला गोल करके टीम को बढ़त दिलाई थी।

ब्रेक के बाद जिदान ने अपनी स्टार खिलाड़ियों वाली बेंच का इस्तेमाल किया और अपनी टीम को टॉप गियर में देखा, जब डिजायर डू और रेयान चेर्की ने तेजी से दो गोल करके मैच का रुख बदल दिया। माइकल ओलिस ने फिर देर से दो और गोल किए, जिससे फ्रांस ने ग्रुप ए1 में अपना बिना हारे रहने का रिकॉर्ड बनाए रखा। 35वें मिनट में अपने ही हाफ में मिडफील्ड में अकेले, रोमियो लाविया ने डोडी ल्यूकेबाकियो को एक थ्रू बॉल दी।

फ्रेंच डिफेंस हैरान रह गया, और बेल्जियम के विंगर ने गिलौम रेस्टेस के साथ वन-ऑन-वन मुकाबला किया, जिसने फ्रेंच गोलकीपर के नेट के ऊपरी दाएं कोने में बॉल भेजकर जीत हासिल की। 77वें मिनट में, लुकास दा कुन्हा ने सेंटर में डू को पास दिया। पेरिस के इस खिलाड़ी ने मुड़कर अपने बाएं पैर पर खड़े होकर एक नीचा, एंगल्ड शॉट मारा और साइड नेटिंग में गेंद डाल दी, जबकि उनके सामने बेल्जियम के कई खिलाड़ी थे, जिससे स्कोर 1-1 हो गया।

इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया, क्वार्टर फाइनल की रेस में शामिल

बोलोग्ना । रॉबर्टो मैनसिनी ने इटली के मैनेजर के तौर पर लौटने के बाद घरेलू मैदान पर पहली जीत हासिल की। इटली ने तुर्किये को 3–1 से हराया। इस जीत के साथ इटली नेशंस लीग ग्रुप ए1 में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। जियानलुका स्कामाका के पहले गोल ने इंटरवल में अंतर पैदा किया, लेकिन अराल शिमसिर ने रीस्टार्ट के बाद तुर्किये को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि रिकार्डो कैलाफियोरी ने बेंच से आकर अपनी टीम को फिर से आगे कर दिया, इससे पहले पियो एस्पोसिटो ने आखिरी स्टेज में जीत पक्की कर दी। कई बार बाहर रहने के बावजूद, तुर्किये के खिलाफ 3–1 की जीत से यह पक्का हो गया है कि इटली को यूरोपियन चैंपियनशिप क्वालीफाइंग ड्रॉ में सीड मिलेगी, और सबसे बढ़कर, नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बने रहने की कोशिश करेगी। इटली के लिए स्कैमाका ने तीन साल बाद गोल किया था। पहले हाफ में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाने के बाद इटली ने सिमसिर के बराबरी के गोल के बाद जोरदार जवाब दिया